राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जागरण मोर्चा

www.jagranmorchadaily.com लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद में प्रसारित जन जन की आवाज़

लखनऊ | वर्ष : 05 अंक : 164 | रविवार, 26 जुलाई 2026 आषाढ़ माह, शुक्ल पक्ष द्वादशी, विक्रम संवत 2083 | पृष्ठ-12 | मूल्य : 05 रूपया

सार संक्षेप

'एक महीने बाद मिलेंगे': प्रह्लाद जोशी को लेकर आई सीजेपी की प्रतिक्रिया

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अब प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इस बड़े राजनीतिक घटनाक्रम पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। सीजेपी ने पूर्व शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को 'लोकतंत्र की जीत' बताया है और नए मंत्री को स्पष्ट संदेश दिया है कि देश का युवा हर कदम पर नजर रखे हुए है। इसके साथ ही, पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर से भी मुलाकात कर आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों पर चर्चा की।

'नया शिक्षा मंत्री जान ले, युवा देख रहे हैं'

शिक्षा मंत्रालय में हुए बदलाव पर प्रतिक्रिया देते हुए सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि हमारी चिंताओं और मांगों को दूर कर लिया गया है। इन मांगों ने देशभर के युवाओं को प्रभावित किया, यही वजह है कि इस आंदोलन को राष्ट्रव्यापी समर्थन मिला।

एक महीने बाद नए शिक्षा मंत्री से सीजेपी करेगी मुलाकात

नए मंत्री प्रह्लाद जोशी को नसीहत देते हुए दास ने कहा कि जो कोई भी शिक्षा मंत्री बने, उसे यह पता होना चाहिए कि युवा देख रहे हैं। वे जवाबदेही मांगेंगे। इसलिए, जब समय आए, तो युवाओं के हित में काम करें। पेपर लीक को रोकें और हमारे मांग पत्र में उल्लिखित पांच-सूत्रीय सिफारिशों को लागू करें। उन्होंने आगे बताया कि सीजेपी जल्द ही नए शिक्षा मंत्री से मुलाकात करेगी और सरकार ने एक महीने के भीतर बैठक आयोजित करने का वादा किया है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सीजेपी की प्रतिक्रिया

पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को पार्टी ने एक बड़ी कामयाबी बताया है। सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस देश के लोगों ने बीते कुछ वर्षों में इतनी खुशी महसूस की होगी। यह खुशी सिर्फ एक इस्तीफे के बारे में नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की वापसी और नागरिकों के रूप में हमारे अधिकारों को वापस पाने के बारे में है। रांका ने आंदोलनकारी युवाओं की तारीफ करते हुए कहा कि पिछले दिनों में जो आंदोलन देखा गया है, उसे इतिहास में उस क्षण के रूप में याद किया जाएगा जब इस देश के युवा अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए सड़कों पर उतर आए थे। यह एक बहुत बड़ी जीत है।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर से सकारात्मक मुलाकात

आंदोलन के समापन के बाद सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार से भी मुलाकात की। बैठक को सकारात्मक बताते हुए रांका ने कहा कि हमने पिछले कुछ दिनों में जो कुछ भी हुआ, उस पर चर्चा की। 20 तारीख को जो हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था। हालांकि, हम मानते हैं कि दिल्ली पुलिस का लगातार सहयोग मिला। रांका ने स्पष्ट किया कि सरकार और पुलिस ने उनकी मांगें मान ली हैं, जिनमें पुरानी एफआईआर को वापस लेना और नई एफआईआर दर्ज न करने का आश्वासन शामिल है। उन्होंने युवाओं का धन्यवाद करते हुए कहा, "हमें उम्मीद है कि यह एक नए अध्याय की शुरूआत है। अंत भला तो सब भला।"

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद खत्म हुआ कॉकरोच पार्टी का आंदोलन

एजेंसी समाचार

नई दिल्ली। नीट परीक्षा पेपर लीक विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जून महीने में पेपर लीक होने के बाद से देश भर के छात्रों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा था, इसी बीच देश की राजधानी दिल्ली में बड़े पैमाने पर छात्रों के साथ-साथ सामाजिक कार्यकर्ता और विपक्षी दलों की तरफ से प्रदर्शन भी किया गया।

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपर लीक विवाद और पिछले कई हफ्तों से चल रहे भारी विरोध प्रदर्शनों और चौतरफा दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है। मेडिकल छात्रों के भविष्य से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर सरकार की चौतरफा आलोचना हो रही थी और इस इस्तीफे को परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि, पेपर लीक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने शुरू से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और अपने फैसले पर अड़ी रही। आज सरकार और सीजेपी के तीसरे दौर की वार्ता से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा सौंपा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे का पत्र जारी किया। जिसमें उन्होंने लिखा- मेरे युवा साथियों, मैं पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है।

उन्होंने कहा, मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ, उसके लिए मैं प्रधानमंत्री का आभार प्रकट करता हूं।

उन्होंने आगे लिखा, तीन मई 2026 को हुई नीट-यूजी की परीक्षा में अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया एवं पुनः परीक्षा की तारीख की घोषणा की। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी मोड में करने का निर्णय लिया गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसके लिए 'पूरी सरकार का समन्वित दृष्टिकोण' के तहत काम किया गया। इसमें भारत सरकार के साथ राज्य सरकार, खासकर जिला प्रशासन की अहम भूमिका रही। उन्होंने आगे कहा, साथ ही छात्रों, अभिभावक और माता-पिता के सहयोग से 21 जून 2026 को यह परीक्षा पूर्ण हुई।

पहले ही दिन से मैंने इसकी जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। उन्होंने आगे लिखा, 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे, जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं है, बल्कि इसके पीछे पिछले कई हफ्तों से बन रहा भारी सार्वजनिक और राजनीतिक दबाव था। नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक और परीक्षा की शुचिता से समझौता होने के आरोपों को लेकर देश के लाखों छात्रों और अभिभावकों में भारी आक्रोश था। इस मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों की जांच और कानूनी कार्रवाई पहले से ही चल रही है। विरोधियों और छात्र संगठनों का आरोप था कि केंद्र सरकार परीक्षा से जुड़ी अनियमितताओं को दूर करने और छात्रों की चिंताओं का समय पर समाधान करने में पूरी तरह विफल रही है, जिसके बाद उन्हें नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना पड़ा।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व मुख्य रूप से कॉकरोच जनता पार्टी के हाथों में था। सीजेपी जून की शुरूआत से ही इस मुद्दे को लेकर सड़कों पर उतरी हुई थी। इस आंदोलन का सबसे बड़ा मोड़ 20 जुलाई को आया, जब दिल्ली के जंतर-मंतर पर हजारों छात्रों और युवा पेशेवरों का ऐतिहासिक हुजूम उमड़ पड़ा। उन्होंने वहां से संसद भवन तक मार्च करने की योजना बनाई थी, जिसे हाल के वर्षों का सबसे बड़ा युवा आंदोलन बताया गया। दिल्ली के अलावा मुंबई समेत कई अन्य बड़े शहरों में भी इस आंदोलन के समर्थन में प्रदर्शन हुए, जहां प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ तीखी झड़पें हुईं और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया गया।

नीट परीक्षा में सुधारों और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को तब और बड़ी ताकत मिली, जब जाने-माने शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक भी छात्रों के समर्थन में आ गए। उन्होंने छात्रों की मांगों के समर्थन में जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। 20 दिनों के लंबे अनशन के बाद जब उनका स्वास्थ्य लगातार बिगड़ने लगा, तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। वांगचुक के बिगड़ते स्वास्थ्य ने पूरे देश का ध्यान इस मुद्दे की तरफ खींचा। उनके अस्पताल में भर्ती होने के तुरंत बाद सीजेपी प्रमुख अभिजीत दिपके भी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए, जिसने आंदोलन की आग को और भड़का दिया।

राष्ट्रपति ने मंजूर किया प्रधान का इस्तीफा

प्रह्लाद जोशी को मिला शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री की सलाह पर यह फैसला लिया और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को उनके मौजूदा विभागों के साथ शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा। प्रधान ने अपने इस्तीफे को राष्ट्रहित और युवाओं के प्रति सम्मान से जुड़ा निर्णय बताया।

कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के बाद शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी को शनिवार को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। यह घटनाक्रम परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के विरोध प्रदर्शनों के बीच हुआ है। राष्ट्रपति कार्यालय ने शनिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के माध्यम से इस नियुक्ति की पुष्टि की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने धर्मेंद्र प्रधान का केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। यह स्वीकृति संविधान के अनुच्छेद 75(2) के तहत की गई है। इसी बीच, राष्ट्रपति ने केंद्रीय मंत्रिमंडल मंत्री प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है, जबकि वे खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के केंद्रीय मंत्री के रूप में अपना मौजूदा कार्यभार भी संभालते रहेंगे।

अधिकारियों ने कहा कि दोहरी प्रभार व्यवस्था का उद्देश्य शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में बिना किसी बाधा के निरंतरता सुनिश्चित करना है। राष्ट्रपति के विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया है कि यह परिवर्तन तत्काल प्रभाव से लागू होगा, जिससे नई व्यवस्था बिना किसी देरी के प्रभावी हो सकेगी। प्रधानमंत्री की सलाह पर इस्तीफा स्वीकार करके और साथ ही अतिरिक्त प्रभार सौंपकर राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रधान के पद छोड़ने और प्रल्हाद जोशी के नेतृत्व में अंतरिम व्यवस्था को औपचारिक रूप दे दिया है। शिक्षा मंत्रालय के किसी भी दीर्घकालिक पुनर्गठन के संबंध में आगे की जानकारी उचित समय पर घोषित किए जाने की उम्मीद है।

जोशी के पास पहले से हैं ये मंत्रालय

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद वरिष्ठ मंत्रिमंडल मंत्री प्रल्हाद जोशी अब खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की जिम्मेदारियों के अलावा केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का भी कार्यभार संभालेंगे। बता दें कि इस्तीफे के बाद प्रधान ने कहा कि राष्ट्रसेवा मेरे जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस्तीफे के बाद उनके घर पर नेताओं का तांता लग गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी, दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह समेत भाजपा और एनडीए के कई बड़े नेता और मंत्री उनके घर पहुंचे और उनसे बातचीत की।

नॉर्मल हुई राजधानी: मध्य दिल्ली में इंटरनेट बहाल, सभी मेट्रो स्टेशन के खुले प्रवेश द्वार; सबने ली राहत की सांस

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा आंदोलन वापस लेने के बाद जंतर मंतर और मध्य दिल्ली के आसपास के क्षेत्रों में इंटरनेट सेवा बहाल कर दी गई है। सरकार से अपनी मांगों पर आश्वासन मिलने के बाद सीजेपी ने यह निर्णय लिया। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने भी अपने सभी स्टेशनों पर नियमित यात्री सेवाएं फिर से शुरू कर दी हैं। डीएमआरसी ने बताया कि दिल्ली मेट्रो तंत्र के सभी मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार अब खुले हैं।

प्रशासन ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक को लेकर युवाओं के विरोध प्रदर्शन के दौरान कई दिनों तक क्षेत्र में मोबाइल इंटरनेट सेवा के लिए जैमर का उपयोग किया था। सुरक्षा प्रतिबंधों और 18 प्रमुख मध्य दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर चरणबद्ध बंद के बाद यह निर्णय लिया गया। इनमें राजीव चौक, केंद्रीय सचिवालय, मंडी हाउस, आईटीओ और नई दिल्ली जैसे स्टेशन शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने नागरिकों को नई दिल्ली क्षेत्र की ओर यात्रा से बचने की सलाह दी थी। पुलिस ने भारी भीड़ और यातायात जाम के कारण यह सलाह दी। पुलिस ने एक्स पर एक बयान में कहा कि यात्रियों को देरी से बचने और परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक

'कॉकरोचों की जीत' से 'सरकार की दुर्लभ हार' तक, दुनिया में चर्चा में आया प्रधान का इस्तीफा?

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय से चल रहा विरोध प्रदर्शन आखिरकार खत्म हो गया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को अपना आंदोलन तुरंत प्रभाव से वापस लेने का बड़ा एलान किया। यह घोषणा केंद्र सरकार के साथ तीसरे दौर की बातचीत के बाद हुई। इससे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

नीट पेपर लीक के खिलाफ दिल्ली में बीते करीब डेढ़ महीने से ज्यादा समय से चल रहे प्रदर्शनों में शनिवार को बड़ा मोड़ आया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने युवाओं की मांग को मानते हुए अपने पद से इस्तीफे का एलान कर दिया। इतना ही नहीं उनके इस फैसले के बाद युवाओं के आंदोलन का नेतृत्व कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने केंद्र सरकार के साथ बैठक की। इसमें उसकी सभी तीन मांगों को मान लिया गया, जिसके बाद सीजेपी ने प्रदर्शनकारियों को धन्यवाद दिया और जंतर-मंतर से जाने की अपील की। इस पूरे घटनाक्रम को दुनियाभर में प्रमुखता से कवर किया गया। आइये जानते हैं कि अमेरिका से लेकर ब्रिटेन तक किस संस्थान ने इस पर क्या कहा है...

1. **सीएनएन-** अमेरिकी मीडिया संस्थान सीएनएन ने इन प्रदर्शनों पर विस्तृत रिपोर्टिंग करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को युवा प्रदर्शनकारियों की एक 'बड़ी जीत' और मोदी सरकार के लिए एक 'दुर्लभ हार' करार दिया। सीएनएन ने इन प्रदर्शनों को केवल शिक्षा व्यवस्था या पेपर लीक तक सीमित न मानकर इसे भारत के युवाओं में व्याप्त बेरोजगारी, वित्तीय बोझ और राजनीतिक व्यवस्था के खिलाफ एक बड़े आक्रोश के रूप में पेश किया है।

सीएनएन के मुताबिक, कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में हो रहे ये लगातार प्रदर्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के लिए एक दुर्लभ और बढ़ती हुई चुनौती पेश कर रहे थे। नेटवर्क का कहना है कि अपने तीसरे कार्यकाल वाले पीएम मोदी आमतौर पर विरोध प्रदर्शनों से नहीं झुकते हैं, और आलोचक लंबे समय से उनकी सरकार पर असंतोष और विपक्ष को कुचलने का आरोप लगाते रहे हैं।

सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रदर्शनकारी युवा उन मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं, जिन्होंने पहले मोदी की पार्टी- भाजपा को वोट दिया था, लेकिन वे आधुनिक भारत में अवसरों की कमी के कारण अब काफी गुस्से में हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि संसद की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की ओर से लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल ने युवाओं के गुस्से को और भड़का दिया और आंदोलन को व्यापक समर्थन दिलाया।

उच्च शिक्षा के शिक्षकों-कर्मचारियों को मिलेगा डेढ़ करोड़ का दुर्घटना बीमा कवर, पीएनबी के साथ होगा एमओयू

एजेंसी न्यूज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 26 जुलाई को आगरा में उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों को दोहरा तोहफा देंगे। एक तरफ वे मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना का शुभारंभ करेंगे। वहीं, इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग पीएनबी के साथ एमओयू भी करेगा। इसमें शिक्षकों व कर्मचारियों को डेढ़ करोड़ तक का दुर्घटना बीमा कवर मिलेगा।

पीएनबी के साथ होने वाले एमओयू के तहत शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को 1.50 करोड़ तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, 3 करोड़ तक का हवाई दुर्घटना बीमा, 60 हजार तक का अस्पताल नकद लाभ तथा 12 लाख तक का टर्म लाइफ बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

कृषि कानून से लेकर प्रधान की विदाई तक: बीते 12 साल में मोदी सरकार ने कब-कब पीछे खींचे कदम?

एजेंसी समाचार

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक विवाद के बाद उपजे छात्र आंदोलन और जन-आक्रोश के आगे झुकते हुए आखिरकार धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। 2014 से लेकर 2026 तक का राजनीतिक इतिहास गवाह है कि चाहे भूमि कानून हो, कृषि बिल या लैटरल एंट्री विवाद, जनता और राजनीतिक सहयोगियों का दबाव बनने पर शक्तिशाली मोदी सरकार को भी कई बार अपनी नीतियां और फैसले वापस लेने पड़े हैं।

नरेंद्र मोदी सरकार को सत्ता में आए 12 साल से ज्यादा हो चुके हैं। इस दौरान सरकार ने कई बड़े और विवादित फैसले लिए। कुछ फैसले लागू हुए, कुछ पर लंबी राजनीतिक लड़ाई चली और कुछ ऐसे भी रहे, जिन पर भारी विरोध के बाद सरकार को अपना कदम पीछे खींचना पड़ा। अब 25 जुलाई 2026 को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसी कड़ी में नया अध्याय बन गया है।

नीट-यूजी पेपर लीक और परीक्षा की विश्वसनीयता पर उठे सवालों के बाद देश भर में छात्रों का आंदोलन तेज हुआ। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में आंदोलन ने प्रधान के इस्तीफे को अपनी प्रमुख मांग बनाया। विपक्ष भी इस मांग के साथ खड़ा हो गया। आखिरकार प्रधान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा सौंप दिया। लेकिन क्या इसे सीधे-सीधे 'मोदी सरकार झुक गई' कहना सही होगा?

यही इस पूरी कहानी का सबसे दिलचस्प सवाल है। क्योंकि प्रधान ने अपने इस्तीफे को सरकार की हार के तौर पर पेश नहीं किया। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि पिछले दिनों की घटनाओं से वह बेहद दुखी हैं और छात्रों के भविष्य को लंबे राजनीतिक और कानूनी विवाद में फंसने से बचाने के लिए उन्होंने इस्तीफा दिया है। यानी राजनीतिक तौर पर आंदोलन इसे अपनी जीत बता रहा है, जबकि सरकार की ओर से इसे जिम्मेदारी लेने और स्थिति को सामान्य करने के कदम के रूप में देखा जा सकता है।

नीट-यूजी 2026 परीक्षा तीन मई को हुई थी। परीक्षा के बाद पेपर से जुड़ी सामग्री के कथित तौर पर परीक्षा से पहले प्रसारित होने की शिकायत सामने आई। शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर सीबीआई ने 12 मई को मामला दर्ज किया और इसे आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, सबूत नष्ट करने और सार्वजनिक परीक्षा में अनुचित साधनों से जुड़े आरोपों के तहत जांच में लिया।

विवाद इतना बढ़ा कि नीट-यूजी 2026 की परीक्षा रद्द करनी पड़ी और दोबारा परीक्षा कराने का फैसला हुआ। करीब 22-23 लाख छात्रों पर इसका असर पड़ा। यानी यह सिर्फ पेपर लीक का मामला नहीं रहा, बल्कि लाखों छात्रों के भविष्य, उनकी तैयारी, फीस, करियर और मेडिकल कॉलेज में दाखिले से जुड़ा संकट बन गया।

जिलों में बनेंगे सड़क, पुल व फ्लाईओवर

बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 8000 करोड़ की परियोजनाएं मंजूर

एजेंसी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर और यातायात तंत्र को और मजबूत बनाने की दिशा में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने बुनियादी ढांचे के कायाकल्प के लिए कुल 8000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इस योजना के धरातल पर उतरने से विभिन्न जिलों में सड़क, पुल और फ्लाईओवर का जाल बिछेगा। इससे आवागमन सुगम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। विभाग के मुताबिक इस कार्य की गति और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए चरणबद्ध तरीके से फंड जारी किया जाएगा। योजना की पहली किस्त के रूप में 3500 करोड़ रुपये का आवंटन किया जाएगा।

पुलिस ने कॉपर गबन मामले का खुलासा, छह आरोपित गिरफ्तार

हाथरस । उत्तर प्रदेश के हाथरस जनपद में सिकंदराराऊ थाना पुलिस ने शनिवार को लाखों के कॉपर गबन मामले का खुलासा करते हुए छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 52 लाख रुपये की 26 कॉपर की सिल्लियां और दो तमंचे बरामद किए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक रामानंद कुशवाहा ने बताया कि बीते माह 23 जून को हरदोई जिले के निवासी पुष्पेंद्र सिंह ने सिकंदराराऊ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 21 जून की शाम को राजेश कुमार नामक व्यक्ति एक ट्रक कंपनी का कॉपर लेकर गया था। 22 जून को जब माल फर्म तक नहीं पहुंचा तो ट्रांसपोर्ट कंपनी ने सुबह 10 बजे पुष्पेंद्र को सूचित किया। जीपीएस ट्रैकिंग से पता चला कि ट्रक सिकंदराराऊ के पुठखेड़ा गांव के सामने खड़ा है, जिसमें ड्राइवर नहीं है और अधिकांश माल गायब है। इस शिकायत पर मामला दर्ज कर थाना पुलिस को जांच में लगाया गया।

लीलौर झील बनेगी आंवला की नई पर्यटन पहचान

लगभग तीन करोड़ रुपये की परियोजना का हुआ भूमिपूजन

जागरण मोर्चा कार्यालय

आंवला। उत्तर प्रदेश सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि आंवला विधानसभा क्षेत्र निरंतर विकास की नई इबारत लिख रहा है। जनहित और समृद्धि के संकल्प के साथ क्षेत्र में पर्यटन, आधारभूत सुविधाओं और रोजगार सृजन को प्राथमिकता देते हुए कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आंवला विधानसभा क्षेत्र स्थित महाभारत कालीन लीलौर झील के ईको पर्यटन विकास कार्य का शनिवार को भूमिपूजन किया गया। लगभग तीन करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित होने वाली यह परियोजना क्षेत्र के पर्यटन विकास की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि परियोजना के अंतर्गत लीलौर झील परिसर में मल्टी पर्पज़ हॉल, फूड कोर्ट, आधुनिक शौचालय, सौंदर्यीकरण सहित विभिन्न पर्यटन विकास कार्य कराए जाएंगे। इससे स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

भूमि पूजन करते कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह व अन्य

धर्मपाल सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार पर्यटन स्थलों के संरक्षण, विकास और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। लीलौर झील की यह परियोजना न केवल क्षेत्र की प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण में सहायक होगी, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विकास कार्य पूर्ण होने के उपरांत लीलौर झील आंवला विधानसभा क्षेत्र की प्रमुख पर्यटन पहचान बनकर उभरेगी और दूर-दराज से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करेगी।

मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य विकास की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। आंवला विधानसभा क्षेत्र में सड़क, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत

पर्यटन विकास से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति : धर्मपाल सिंह

मल्टी पर्पज़ हॉल, फूड कोर्ट और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा पर्यटन स्थल

सुविधाओं के क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र की तस्वीर बदल रही है। दरअसल उक्त झील महाभारत कालीन सरोवर है। जिसमें अज्ञातवास के दौरान पांडव पानी पीने पहुंचे थे। यक्ष द्वारा प्रश्न पूछने पर जवाब न दे पाने के कारण चारो भाई मूर्छित हो गये। युधिष्ठिर द्वारा यक्ष को प्रश्नों के जवाब देने पर सभी भाईयों को होश आया था। भूमिपूजन कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति रही।

दुकान से समान लेने गया बालक लापता,पिता ने थाने में दी तहरीर

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र से एक 10 वर्षीय बालक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिलने पर पिता ने पुलिस से शिकायत कर रिपोर्ट दर्ज कराई है। व्यास स्कूल, बग्गा फील्ड, पहाड़ी वाली गली में किराये पर रहने वाले कृष्णपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 24 जुलाई को वह अपनी पत्नी के साथ काम पर गए थे। शाम करीब छह बजे दोनों घर लौटे तो बेटी और एक पुत्र घर पर मिले। पूछने पर बेटी ने बताया कि छोटा भाई देव किसी दुकान पर सामान लेने गया है। काफी देर तक देव के घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल

दुकान से सामान लेने गए 20 वर्षीय

- **शाम तक घर नहीं लौटा देव, परिजनों ने काफी तलाश के बाद पुलिस से लगाई गुहार**

सका। इसके बाद कृष्णपाल इज्जतनगर थाने पहुंचे और बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।पुलिस के अनुसार, लापता बालक का नाम देव है। उसकी उम्र करीब 10 वर्ष, लंबाई लगभग चार फीट, रंग गोरा है। घटना के समय उसने नीले रंग की टी-शर्ट और हाफ नेकर पहन रखी थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बालक की तलाश शुरू कर दी है।

संक्षेप

महिला आयोग की सदस्य ने सुनीं पीड़िताओं की समस्या, 10 दिन में निस्तारण के निर्देश

औरैया । उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में राज्य महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता ने शनिवार को विकास भवन सभागार में आयोजित जनसुनवाई में महिला उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों की सुना। उन्होंने अधिकारियों को सभी मामलों का 10 दिन के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान अधिकांश शिकायतें महिला उत्पीड़न से जुड़ी रहीं।

महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता ने पीड़ित महिलाओं की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं और बालिकाओं को त्वरित न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में 'मिशन शक्ति' अभियान प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं और बालिकाओं से जुड़े प्रत्येक मामले में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। साथ ही पिछली बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत करने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र महिलाओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के भी निर्देश दिए। बैठक में डिप्टी कलेक्टर एवं उप जिलाधिकारी अरसला नाज, जिला विद्यालय निरीक्षक कमलेश पांडेय, बेसिक शिक्षा अधिकारी संजीव कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेंद्र त्रिपाठी, जिला समाज कल्याण अधिकारी रवींद्र कुमार शशि, डीसी मनरेगा राम दुलार, जिला प्रोबेशन अधिकारी अशोक कुमार, महिला थानाध्यक्ष पूजा राठौर, संरक्षण अधिकारी रीना देवी, वन स्टॉप सेंटर की परामर्शदाता स्मृति सिंह सहित महिला कल्याण विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

हाथरस : मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 214 बेटियों का विवाह संपन्न, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद

हाथरस । उत्तर प्रदेश के हाथरस जनपद में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत अलीगढ़ रोड स्थित कैला फार्म हाउस में 214 बेटियों का सामूहिक विवाह वैदिक रीति-रिवाज और सौहार्दपूर्ण वातावरण में शनिवार को संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि, विधायक अंजुला सिंह माहौर, विधायक वीरेंद्र सिंह राणा, राज्य महिला आयोग की सदस्य मीना कुमारी, जिलाधिकारी अतुल वत्स तथा पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रही है। इससे गरीब परिवार सम्मानपूर्वक अपनी बेटियों का विवाह कर पा रहे हैं। उन्होंने नवदंपतियों को 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' तथा बाल विवाह रोकने की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सामाजिक समरसता, महिला सम्मान और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत का माध्यम बन चुकी है। नवविवाहित जोड़ों पर पुष्पवर्षा कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

बैटरी चोरी के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

जागरण मोर्चा कार्यालय

आंवला। कस्बा स्थित छोटी बाजार चांदनी चौक पर ई-रिक्शा की बैटरी चोरी कर रहे एक युवक को स्थानीय लोगों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। सूचना पर

- **ई-रिक्शा की बैटरी चोरी करते युवक को दबोचा, पुलिस ने भेजा जेल**
- **छोटी बाजार स्थित चांदनी चौक पर वारदात के दौरान रंगे हाथ पकड़ा गया आरोपी**

पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई बैटरी बरामद कर ली। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा है। पुलिस के अनुसार, मोहल्ला

पुरैना ढाल निवासी आकाश पुत्र नरेश चन्द्र ने शुक्रवार को तहरीर देकर बताया कि वह छोटी बाजार स्थित चांदनी चौक पर कार्य कर रहा था। इसी दौरान मोहल्ला खेड़ा निवासी अजीत पुत्र विद्याराम उसके ई-रिक्शा की बैटरी चोरी कर ले जा रहा था। आकाश ने स्थानीय लोगों की मदद से आरोपी को बैटरी सहित पकड़ लिया और थाना आंवला ले आया। पुलिस ने शनिवार को आरोपी को जेल भेजा है।

प्रसव के बाद महिला की मौत, पति ने डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधन पर दर्ज कराया मुकदमा

जागरण मोर्चा कार्यालय

समय पर उपचार नहीं मिलने और लापरवाही का आरोप

बरेली। प्रसव के बाद एक महिला की मौत के मामले में निजी अस्पताल के डॉक्टर और प्रबंधन के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित पति का आरोप है कि महिला की हालत बिगड़ने के बावजूद चिकित्सकीय सहायता समय पर उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे उसकी जान चली गई। पुलिस ने अब रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीलीभीत जिले के बिलसंडा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम टेड़ा श्रीराम निवासी सतीश वर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 24 जून को प्रसव पीड़ा होने पर उन्होंने अपनी पत्नी रुबी देवी को हरूनगला

स्थित महेशनाथ अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां डॉक्टर दीपक यादव ने जांच के बाद ऑपरेशन की आवश्यकता बताई, जिसके बाद प्रसव कराया गया। शिकायत के मुताबिक ऑपरेशन के बाद अस्पताल की ओर से जच्चा और बच्चा दोनों को स्वस्थ बताया गया और महिला को आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया। परिजनों का आरोप है कि काफी देर तक उन्हें मरीज से मिलने नहीं दिया गया। जब मिलने की अनुमति मिली तो महिला को अत्यधिक रक्तस्राव की स्थिति में पाया गया। इसकी जानकारी अस्पताल कर्मियों को दी गई, लेकिन समय पर आवश्यक उपचार नहीं किया गया।

सतीश वर्मा का कहना है कि देर रात से लेकर अगली सुबह तक उन्होंने कई बार डॉक्टर को बुलाने का अनुरोध किया, लेकिन कोई चिकित्सक मौके पर नहीं पहुंचा। उनका आरोप है कि इलाज में हुई कथित लापरवाही के कारण उनकी पत्नी की मौत हो गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कासगंज-ऐशबाग एक्सप्रेस को रविवार मिलेगा हरी झंडी, इज्जतनगर मंडल को नई रेल सेवा की सौगात

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल को रविवार से एक नई रेल सेवा की सौगात मिलने जा रही है। कासगंज-ऐशबाग-कासगंज एक्सप्रेस (15311/15312) का शुभारंभ 26 जुलाई को उद्घाटन विशेष ट्रेन संख्या 05018 को हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा। नई रेल सेवा शुरू होने से बरेली, बदायूं, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और लखनऊ के बीच यात्रा पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक होगी। उझानी रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा, बदायूं के सांसद आदित्य यादव, बिल्सी विधायक हरीश चंद्र शाक्य और विधान परिषद सदस्य वागीश पाठक मौजूद रहेंगे। वहीं पूरनपुर रेलवे स्टेशन पर केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, विधायक बाबूराम पासवान और विधान

कासगंज ऐशबाग एक्सप्रेस को रविवार
कासगंज ऐशबाग एक्सप्रेस को रविवार

परिषद सदस्य डॉ. सुधीर गुप्ता उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे।.इज्जतनगर मंडल की मंडल रेल प्रबंधक वीणा सिन्हा, अपर मंडल रेल प्रबंधक मनोज कुमार, मंडल के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी कार्यक्रम के साक्षी बनेंगे। उद्घाटन विशेष ट्रेन उझानी से दोपहर 12 बजे रवाना होकर बदायूं, बरेली, इज्जतनगर, पीलीभीत, पूरनपुर, मैलानी, गोला गोकरननाथ,

उझानी और पूरनपुर में होंगे उद्घाटन समारोह, नई ट्रेन से बरेली सहित कई जिलों के यात्रियों को मिलेगी राहत

लखीमपुर, सीतापुर, सिधौली और मोहिबुल्लापुर होते हुए रात 9:10 बजे ऐशबाग जंक्शन पहुंचेगी। ट्रेन 16 एलएचबी कोचों के साथ संचालित होगी, जिसमें सामान्य द्वितीय श्रेणी, नॉन-एसी चेयर कार, वातानुकूलित चेयर कार, एसएलआर और पावर कार शामिल हैं। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि नई ट्रेन शुरू होने से छात्रों, किसानों, व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही क्षेत्रीय व्यापार, शिक्षा, पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

ईयरफोन लगाकर रेलवे ट्रैक पर टहल रहे किशोर की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

जागरण मोर्चा कार्यालय

आंवला। भमोरा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में एक किशोर की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि किशोर कानों में ईयरफोन लगाए रेलवे ट्रैक के किनारे टहल रहा था, जिससे उसे ट्रेन के आने का आभास नहीं हो सका। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भमोरा थाना क्षेत्र के ग्राम नितोई निवासी भूपेंद्र (17) पुत्र नेकसू शनिवार सुबह रेलवे ट्रैक के किनारे टहल रहा था। इसी दौरान कासगंज से लालकुआं जा रही

भूपेन्द्र का फाइल फोटो

ट्रेन वहां से गुजरी और वह उसकी चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मकरंदपुर रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर अफसर हुसैन ने बताया कि

कासगंज-लालकुआं ट्रेन से हुआ हादसा, परिवार में मचा कोहराम

शनिवार सुबह करीब 8:25 बजे कासगंज-लालकुआं ट्रेन के गार्ड कुलदीप गुप्ता ने सूचना दी कि घटपुरी और मकरंदपुर रेलवे स्टेशन के बीच एक युवक ट्रेन से कट गया है। सूचना मिलते ही भमोरा पुलिस को मेमो भेजा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों की मदद से मृतक की पहचान कराई। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बरेली बदायूं रोड के नितोई गांव के समीप सड़क किनारे धंसा टैंकर

कांवड़ यात्रा सिर पर, हाईवे पर खतरे का मंजर बरकरार

जागरण मोर्चा कार्यालय

आंवला। सावन माह और कांवड़ यात्रा शुरू होने में अब कुछ ही दिन शेष हैं। शासन स्तर पर कांवड़ मार्गों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार निरीक्षण और आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं, लेकिन बरेली-बदायूं मार्ग, आंवला-बदायूं मार्ग चौडीकरण के चलते बदहाल स्थिति में हैं। बरेली-बदायूं राष्ट्रीय राजमार्ग के भमोरा-नितोई के बीच सड़क किनारे एक टैंकर धंस गया।

निर्माणाधीन मार्ग पर कई स्थानों पर सड़क किनारे गहरे गड्ढे और कटाव बने हुए हैं। हैरानी की बात यह है कि यात्रियों को सतर्क करने के लिए कहीं भी चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग, रिफ्लेक्टर अथवा अन्य संकेतक नहीं लगाए गए हैं। ऐसे में दिन के साथ-साथ रात्रि में दुर्घटना की आशंका और अधिक बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कांवड यात्रा का समय नजदीक है। आंवला

और बरेली क्षेत्र के शिवभक्त कछला गंगा घाट से जल लाकर विभिन्न मंदिरों में जलाभिषेक करते है। आंवला बदायूं रोड़ और बरेली बदायूं रोड़ पर चौडीकरण कार्य के चलते मरम्मत कार्य चल रहा है। जिससे शिवभक्तों को भारी समस्याओं का सामना करना पडेगा। सबसे अधिक परेशानी नंगे पैर चलने वाले शिवभक्तों को होगी। सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए तो कांवड़ यात्रा के दौरान हजारों श्रद्धालुओं और अन्य राहगीरों को गंभीर खतरे का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि शासन के निर्देश पर हाल ही में लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने कांवड़ मार्गों का निरीक्षण कर सड़क की गुणवत्ता, पुल-पुलियों की स्थिति और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया था। निरीक्षण के दौरान कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश भी दिए गए थे। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले निर्माण एजेंसी द्वारा चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग, रिफ्लेक्टर और रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि सुरक्षा मानकों का पालन न केवल कांवड़ यात्रियों, बल्कि प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों के लिए भी आवश्यक है।

कांवड़ यात्रा को लेकर गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने रूट डायवर्जन प्लान किया जारी

जागरण मोर्चा कार्यालय

गाजियाबाद । आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने शहर में आज रूट डायवर्जन प्लान जारी कर दिया है। 29 जुलाई से भारी मालवाहक वाहनों पर प्रतिबंध लागू होगा, जबकि 5 अगस्त से 12 अगस्त तक शहर के अधिकांश प्रमुख मार्गों पर हल्के वाहनों, बसों और ऑटो के संचालन में व्यापक बदलाव रहेगा। गाजियाबाद के डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन ने शनिवार को बताया कि 29 जुलाई से मालवाहक वाहन शहर में प्रतिबंधित रहेगे। जिन वाहनों को हरिद्वार, अमरोहा, मुरादाबाद, लखनऊ आदि स्थानों पर जाना है, वे रोड नंबर-56 चौधरी चरण सिंह मार्ग, गाजीपुर मंडी, एनएच-नौ से होकर डासना इंटरसेक्शन से ईस्टर्न पेरिफ़ेरल एक्सप्रेसवे और अक्षरधाम से दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से होकर जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि बागपत की ओर दिल्ली जाने वाले भारी मालवाहक वाहन ट्रॉनिका सिटी, सोनिया विहार और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से होकर जाएंगे। हापुड़, बुलंदशहर की ओर से आने वाले वाहन डासना पुल, लालकुआं, आत्मराम स्टील प्लांट तिराहा से सीधे शहर की ओर न आकर एनएच-नौ से होकर जाएंगे। लोनी बॉर्डर से लोनी कस्बे की ओर भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। संतोष मेडिकल कट सिद्धार्थ विहार से मेरठ तिराहा की ओर भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। गौर ग्रीन, खोड़ा, कालापत्थर, छिजारसी, कनावनी पुस्ता से एनएच-नौ की ओर इंदिरापुरम क्षेत्र की ओर भारी वाहन नहीं जा सकेंगे। गंगनहर पटरी, कांवड़ मार्ग, पाइपलाइन मार्ग, एनएच-34 और डीएमई पर भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। हापुड़, भोजपुर से आने वाले वाहन मोदीनगर और डीएमई की ओर नहीं जा सकेंगे। बता दें कि हरिद्वार से मेरठ होकर आने वाले शिव भक्त गाजियाबाद से होकर अन्य स्थानों को गुजरते हैं। हर वर्ष कांवड यात्रा लेकर प्रसाशन बड़े स्तर पर तैयारियां करता है।

भाकियू (टिकैत) के पदाधिकारियों ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

जागरण मोर्चा कार्यालय

बहेड़ी। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) तराई क्षेत्र से जुड़े तमाम पदाधिकारी अपने किसान साथियों के साथ पैदल मार्च करते हुए तहसील मुख्यालय पहुंचे और विभिन्न मांगों से संबंधित एक ज्ञापन एसडीएम गोपाल शर्मा को सौंपा। ज्ञापन में दिल्ली के जंतर मंतर पर चल रहे धरने के दौरान छात्रों पर लाठीचार्ज करने के आरोपियों पर कार्रवाई, पेपर लीक होने से आहत होकर आत्मदाह करने वाले छात्रों के परिवार वालों को उचित मुआवजा, संसद मार्च के समय लोगों पर दर्ज हुए मुकदमे वापिस लिए जाने की मांग के साथ बहेड़ी चीनी मिल पर किसानों के बकाया 160 करोड़ की रकम जल्द दिलवाने तथा मुंडिया मुकर्रमपुर स्थित मिल की आराजी को जल्द से जल्द नीलाम कराए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों में चौधरी अजीत सिंह, चौधरी सुरेन्द्र सिंह, वंश सिंह, योगेश पाल, इंद्रजीत कश्यप, धर्मवीर कश्यप शोएब अहमद, महेंद्र पाल गंगवार, महाराणा सिंह समेत कई अन्य लोग शामिल रहे।

अवैध निर्माण पर बीडीए का सख्त रुख, कई इलाकों में उपाध्यक्ष ने किया औचक निरीक्षण

बिना स्वीकृत मानचित्र निर्माण करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई, हर निर्माण स्थल पर डिस्प्ले बोर्ड लगाना अनिवार्य

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने अवैध निर्माणों के खिलाफ अभियान तेज करते हुए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निर्माणाधीन भवनों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान डोहरा रोड, पीलीभीत बाईपास रोड, सतीपुर चौराहा, 100 फुटा रोड, मिनी बाईपास और रामपुर रोड समेत कई स्थानों पर चल रहे निर्माण कार्यों की मौके पर जांच की गई।निरीक्षण के दौरान बीडीए की उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राधिकरण क्षेत्र में बिना स्वीकृत मानचित्र के किसी भी प्रकार का निर्माण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण शुरू करने से पहले प्रत्येक भवन स्वामी को बीडीए से मानचित्र स्वीकृत कराना अनिवार्य है और निर्माण कार्य स्वीकृत मानचित्र व प्रचलित भवन उपविधियों के अनुरूप ही कराया जाए। उपाध्यक्ष ने सभी निर्माण स्थलों पर प्रमुख स्थान पर डिस्प्ले बोर्ड लगाने के भी निर्देश दिए। इस बोर्ड पर स्वीकृत मानचित्र संख्या, स्वीकृति की तिथि और अन्य आवश्यक विवरण अंकित होंगे, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि निर्माण कार्य वैध रूप से स्वीकृत है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां स्वीकृत मानचित्र से विचलन पाया जाए, वहां नियमानुसार कंपाउंडिंग की कार्रवाई की जाए। जबकि ऐसे निर्माण, जिन्हें नियमों के तहत स्वीकृति नहीं मिल सकती, उनके खिलाफ तत्काल सीलिंग, ध्वस्तीकरण और अन्य विधिक कार्रवाई की जाए। बीडीए ने नागरिकों से अपील की है कि वे भवन निर्माण शुरू करने से पहले मानचित्र अवश्य स्वीकृत कराएं और सभी निर्माण कार्य निर्धारित नियमों के अनुरूप ही करें, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई का सामना न करना पड़े।

संक्षेप

चहारदीवारी तक सिमटकर रह गया मिनी स्टेडियम का ख्वाब

जागरण मोर्चा कार्यालय

बहेड़ी। सुदूर स्थित गाँव सबरहा मल्लपुर में करीब चार साल पहले जब मिनी स्टेडियम के निर्माण की आधारशिला रखी गई थी तब वहाँ के ग्रामीणों के साथ साथ क्षेत्र भर के लोगों को यह आस बंधी थी कि खेल के शौकीन उनके अपने बच्चों के लिए खेल की विभिन्न विधाओं में पारंगत होने का मौका मिलेगा और यहाँ की नर्सरी से निकलकर बच्चे खेल के क्षेत्र में प्रदेश तथा देश स्तर पर अपना नाम रोशन कर सकेंगे। दुर्भाग्य वश, अब तक ऐसा कुछ भी नहीं हो सका। करीब तीन एकड़ जमीन पर स्टेडियम के नाम पर महज चहारदीवारी खड़ी कराकर जिम्मेदारों ने अपने कर्तव्य की इति श्री कर ली। हद तो यह कि, चहारदीवारी खड़ी किए जाने के बाद से ही कथित स्टेडियम को उपेक्षित कर दिया गया।
खिलाड़ियों के चेंज होने के लिए न तो कोई कमरा बना और न ही धूप और बारिश से बचाने के लिए कोई टिन शेड बनाया गया। पूरे मैदान में बस घास ही घास खड़ी है।
लोगों में जिम्मेदारों की खामोशी को लेकर रोष है पर कुछ कर पाने में अपने को असहाय महसूस कर रहे हैं।

पुलिस विभाग में तैनात हेड कांस्टेबल ने की आत्महत्या

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के थाना नंदग्राम में तैनात हेड कांस्टेबल ने अपने घर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। शव घर में सीढ़ियों की रेलिंग से लटका हुआ मिला। शुरुआती जांच में पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है।
एसीपी मसूरी सुनील कुमार ने शनिवार को बताया कि हेड कांस्टेबल 28 वर्षीय पवन राठी मूलरूप से बिजनौर के थाना चांदपुर के ग्राम मीरपुर के रहने वाले थे और वर्तमान में आकाश नगर में किराए के मकान में रह रहे थे। वर्तमान में उनकी ड्यूटी नंदग्राम थाने में थी। उनकी पत्नी हेड कांस्टेबल अनुराधा पुलिस मुख्यालय, गाजियाबाद में तैनात हैं। अनुराधा भी बिजनौर की रहने वाली है।
दोनों की छह वर्ष पहले शादी हुई थी। अनुराधा के अनुसार वह सुबह दस बजे ड्यूटी पर गई थी। शाम को जब वह घर लौटी तो उन्होंने देखा कि पवन ने घर की सीढ़िया पर लगी लोहे की ग्रीन से रस्सी के सहारे फांसी लगा ली है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया घरेलू कलह सामने आ रहा है। हालांकि, सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

भर्ती परीक्षाओं में धांधली के विरोध में भीम आर्मी का प्रदर्शन,राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

पेपर लीक, भर्ती घोटालों और जंतर-मंतर लाठीचार्ज को लेकर युवाओं ने उठाई आवाज, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की मांग

जागरण मोर्चा कार्यालय

भर्ती परीक्षा में धांधली का विरोध करते भीम आर्मी कार्यकर्ता

बरेली। प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं के विरोध में शनिवार को भीम आर्मी भारत एकता मिशन के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। दामोदर पार्क में सभा आयोजित करने के बाद कार्यकर्ताओं और अभ्यर्थियों ने कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकाला। इसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर परीक्षा प्रणाली में सुधार और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की गई। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि नीट, जेईई, रेलवे, एसएससी, शिक्षक भर्ती और पुलिस भर्ती जैसी प्रमुख परीक्षाओं में बार-बार सामने आ रहे पेपर लीक और गड़बड़ियों से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। वर्षों की मेहनत के बावजूद अभ्यर्थियों को निष्पक्ष अवसर नहीं मिल पा रहा है, जिससे परीक्षा प्रणाली पर विश्वास कमजोर पड़ता जा रहा है। ज्ञापन में 20 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की स्वतंत्र एजेंसी या न्यायिक जांच कराने, संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने और आंदोलन से जुड़े छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग की गई। साथ ही केंद्र सरकार से परीक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा, शिक्षा माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच कराने की भी मांग उठाई गई। इसके अलावा सभी सरकारी भर्तियों और प्रवेश परीक्षाओं के लिए सुरक्षित एवं पारदर्शी परीक्षा प्रणाली लागू करने, समयबद्ध भर्ती कैलेंडर जारी करने, उत्तर पुस्तिकाएं और उत्तर कुंजी उपलब्ध कराने तथा प्रभावित अभ्यर्थियों को उचित राहत देने की मांग भी रखी गई। धरना और मार्च शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि युवाओं से जुड़े मुद्दों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को प्रदेशव्यापी स्तर पर आगे बढ़ाया जाएगा।

दिखेगा तो बिकेगा: आकर्षक सजावट से ग्राहकों का दिल जीत रहे फल विक्रेता

जागरण मोर्चा कार्यालय

देखेगा तो बिकेगा आकर्षण

बरेली। शहर के बाइपास स्थित मुख्य पीलीभीत रोड पर एक फल विक्रेता ने अपने अमरूदों को जिस खूबसूरती से सजाया, उसने राहगीरों का ध्यान सहज ही अपनी ओर खींच लिया। आकर्षक दृश्य देखकर उसे कैमरे में कैद करने से खुद को रोक पाना मुश्किल था। विक्रेता ने अमरूदों के बीच-बीच में ताजी हरी पत्तियां बिछाकर उन्हें इस तरह सजाया था कि फल बिल्कुल बाग से अभी-अभी तोड़े हुए प्रतीत हो रहे थे। यह अनोखी प्रस्तुति न केवल फलों की ताजगी को दर्शा रही थी, बल्कि ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित भी कर रही थी। बदलते समय के साथ अब फल विक्रेता भी ग्राहकों को लुभाने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। कहीं फलों को वाटरफॉल स्टाइल में सजाया जा रहा है तो कहीं रंग-बिरंगी और व्यवस्थित सजावट से ठेलों को आकर्षक बनाया जा रहा है। इसके साथ ही साफ-सफाई, हाइजीन और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इतना ही नहीं, कई विक्रेता रेडी-टू-ईट कटे हुए फलों को मसाला लगाकर पारदर्शी डिब्बों में सलीके से प्रदर्शित करते हैं, जिससे ग्राहकों का भरोसा बढ़ता है और बिक्री में भी इजाफा होता है। वास्तव में बाजार का यह नया मंत्र साफ दिखाई देता है– ''दिखेगा तो बिकेगा।''

कांवड़ यात्रा को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था बदलेगी, 30 जुलाई से लागू होगा डायवर्जन प्लान

जागरण मोर्चा कार्यालय

श्रावण मास में भारी वाहनों के प्रवेश पर रहेगी रोक, जलाभिषेक वाले सोमवार को विशेष यातायात व्यवस्था लागू

कावड़ यात्रा को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था

बरेली। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा-2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षित एवं निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस ने विस्तृत डायवर्जन प्लान जारी किया है। यह व्यवस्था 30 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि में शहर के कई प्रमुख मार्गों पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा, जबकि रोडवेज बसों और अन्य हल्के वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। यातायात पुलिस के अनुसार बड़ी संख्या में कांवड़िये कछला घाट, गढ़मुक्तेश्वर और हरिद्वार से गंगाजल लेकर बरेली के प्रमुख शिवालयों में जलाभिषेक करने पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि प्रत्येक सोमवार को होने वाले जलाभिषेक के मद्देनजर शुक्रवार रात्रि से सोमवार रात्रि तक विशेष ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। इस दौरान संबंधित मार्गों पर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित की जाएगी और आवश्यकता के अनुसार यातायात को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जाएगा। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले निर्धारित डायवर्जन मार्गों की जानकारी अवश्य प्राप्त करें और पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

पुलिस मॉडर्न स्कूल में अलंकरण समारोह, सिद्धांत हेड बॉय और अनुषा बनीं हेड गर्ल

जागरण मोर्चा कार्यालय

नव-निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों ने अनुशासन और विद्यालय की गरिमा बनाए रखने का लिया संकल्प

बरेली। पुलिस लाइंस स्थित पुलिस मॉडर्न स्कूल में शनिवार को अलंकरण समारोह का आयोजन उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। समारोह में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. किरन देवी ने छात्र नेतृत्व टीम की घोषणा करते हुए कक्षा 12 के छात्र सिद्धांत विश्वकर्मा को हेड बॉय और छात्रा अनुषा आर्या को हेड गर्ल की जिम्मेदारी सौंपी। दोनों को सैश और बैज पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की विभिन्न जिम्मेदारियों के लिए कैप्टन, वाइस कैप्टन, एक्टिविटी इंचार्ज और डिसिप्लीन इंचार्ज का भी चयन किया गया। चयनित छात्र-छात्राओं को औपचारिक रूप से उनके पदों की जिम्मेदारी सौंपते हुए सम्मानित किया गया। इसके बाद सभी छात्र प्रतिनिधियों ने विद्यालय के अनुशासन, मर्यादा और मूल्यों का पालन करने तथा अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करने की शपथ ली। समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच नव-निर्वाचित प्रतिनिधियों का उत्साहवर्धन किया। समारोह के अंत में प्रधानाचार्या डॉ. किरन देवी ने सभी छात्र-प्रतिनिधियों को नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि वे अपने नेतृत्व से विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों का भी आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ मौजूद रहा।

कारगिल विजय दिवस पर सेना की ताकत से रूबरू हुए छात्र, आधुनिक हथियारों ने बढ़ाया उत्साह

दो दिवसीय सैन्य प्रदर्शनी में 1 … नों ने दी अभियानगत जानकारी

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय आर्टिलरी इक्विपमेंट एवं हथियार प्रदर्शनी के दूसरे दिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भारतीय सेना की आधुनिक सैन्य क्षमता को करीब से देखा। जिले के 15 विद्यालयों से पहुंचे विद्यार्थियों ने सेना के अत्याधुनिक हथियारों, निगरानी प्रणालियों और रक्षा उपकरणों का अवलोकन किया तथा सैनिकों से उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की।

रक्षा जनसंपर्क अधिकारी शांतनु ने बताया कि प्रदर्शनी में भारतीय सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले आधुनिक आर्टिलरी सिस्टम, संचार उपकरण, सर्विलांस सिस्टम, वायु रक्षा संसाधन और अन्य विशेष सैन्य उपकरण प्रदर्शित किए गए। सेना के जवानों ने विद्यार्थियों को विभिन्न हथियार प्रणालियों की विशेषताओं, उनकी उपयोगिता और युद्ध के समय उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रदर्शनी के दौरान छात्रों ने सैनिकों से संवाद कर सीमाओं की सुरक्षा, सैन्य अभियानों की चुनौतियों और सेना के अनुशासित जीवन के बारे में भी जाना। आयोजन का उद्देश्य युवाओं, एनसीसी कैडेटों, पूर्व सैनिकों तथा नागरिक प्रशासन के अधिकारियों को भारतीय सेना की तकनीकी प्रगति और अभियानगत तैयारियों से परिचित कराना था।

रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि इस तरह के आयोजन युवाओं में देशभक्ति की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ उन्हें सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए भी प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष 26 जुलाई को मनाया जाने वाला कारगिल विजय दिवस ऑपरेशन विजय में भारतीय सैनिकों की ऐतिहासिक सफलता और उनके अदम्य साहस का प्रतीक है। बरेली में आयोजित यह प्रदर्शनी भी कारगिल के वीर शहीदों के शौर्य, त्याग और राष्ट्रसेवा को समर्पित रही।

फतेहगंज पूर्वी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 10 गैर जमानती वारंटी गिरफ्तार

जागरण मोर्चा कार्यालय

फतेहगंज पूर्वी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहे आरोपियों को दबिश देकर पकड़ा, न्यायालय में किया जाएगा पेश

बरेली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर वांछित अपराधियों और वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना फतेहगंज पूर्वी पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) में वांछित 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपी काफी समय से गिरफ्तारी से बच रहे थे। पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी फरीदपुर के पर्यवेक्षण में गठित पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर वारंटियों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार सभी आरोपियों के विरुद्ध न्यायिक मजिस्ट्रेट, फरीदपुर की अदालत से गैर जमानती वारंट जारी किए गए थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अजीत, सुजीत उर्फ सुरजीत, दुर्गपाल, दशरथ, सुरेंद्रपाल, धनपाल, बुद्धपाल सिंह, प्रमोद, जमालुद्दीन और रियाजुद्दीन शामिल हैं। सभी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक लक्ष्मी नारायण सिंह, बाल किशोर, जितेंद्र सिंह, इंद्रपाल सिंह तथा कांस्टेबल जनैश्वर सिंह, रितिक पुनिया, राहुल, अभिषेक तोमर और पंकज सागर की टीम शामिल रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वारंटियों और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

फूलन देवी की पुण्यतिथि पर सपाइयों ने दी श्रद्धांजलि

जागरण मोर्चा कार्यालय

सपा कार्यालय पर फूलन देवी कोश्रद्धांजलिदेते कार्यकर्ता

शाहजहांपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर शनिवार को बिजलीपुरा स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में पूर्व सांसद फूलन देवी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस दौरान पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए तथा श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम के तहत आयोजित गोष्ठी की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खान ने की। गोष्ठी में वक्ताओं ने फूलन देवी के जीवन, संघर्ष और राजनीतिक योगदान पर प्रकाश डाला। जिलाध्यक्ष तनवीर खान ने कहा कि फूलन देवी का जन्म 10 अगस्त 1963 को उत्तर प्रदेश के गोरहा का पूर्वा गांव में एक मल्लाह परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने जीवन में अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया और समाज के वंचित वर्गों की आवाज बुलंद की। उन्होंने बताया कि 25 जुलाई 2001 को दिल्ली स्थित उनके आवास पर उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पूर्व विधायक राजेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने वर्ष 1996 में फूलन देवी को मिर्ज़ापुर लोकसभा सीट से पार्टी का उम्मीदवार बनाया था, जहां से वह भारी मतों से जीतकर संसद पहुंचीं। पूर्व मंत्री रोशन लाल वर्मा ने कहा कि वर्ष 1994 में मुलायम सिंह यादव सरकार ने फूलन देवी को जेल से रिहा किया था। उन्होंने कहा कि उनके संघर्ष ने पिछड़े और दलित समाज के लोगों को संगठित होने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव रामसूरत यादव, विजय सिंह, सैयद रिजवान अहमद, नीरज मिश्रा, अतिउल्ला सिद्दीकी, चौधरी रामकुमार भोजवाल, संजीव वर्मा, महेंद्र पाल सिंह यादव सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

सोनम किन्नर और साथी पर जानलेवा हमला, सिर में गोली लगने से घायल

जागरण मोर्चा कार्यालय

सरकारी चिकित्सालय में इलाज के दौरान घायल किन्नर

शाहजहांपुर। मिर्ज़ापुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम पिडरा मोड़ के पास बदमाशों ने सोनम किन्नर और उसके साथी राहुल पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में सोनम किन्नर के सिर में गोली लगने की सूचना है, जबकि राहुल भी घायल हो गया। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। सोनम किन्नर की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दीक्षा भंवरे ने बताया उन्हें रात्रि करीब 8 बजे थाना मिर्ज़ापुर पर पीआरवी द्वारा सूचना दी गई कि दो किन्नर पक्षों के मध्य फायरिंग हुई है। सूचना प्राप्त होने पर स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची। मौके पर जाँच करने पर ज्ञात हुआ कि सोनम पक्ष एवं चाँदनी पक्ष के मध्य नेग माँगने तथा क्षेत्र के बँटवारे को लेकर पूर्व से विवाद चला आ रहा था। उक्त विवाद के दौरान चाँदनी पक्ष द्वारा सोनम पक्ष के सोनम एवं दीपक पर फायरिंग की गई, जिससे दोनों घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजा गया, जहाँ चिकित्सकों द्वारा गनशॉट इंजरी की पुष्टि की गई है। घटनास्थल पर फील्ड यूनिट को बुलाकर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। प्रकरण में तहरीर प्राप्त कर अग्रिम कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है तथा हमलावरों की तलाश में टीमें लगा दी गई हैं। फिलहाल हमले के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किए जाने का दावा किया गया है।

आगामी त्योहारों को लेकर शाहजहांपुर पुलिस अलर्ट, एसपी ने सदर बाजार में किया पैदल गश्त

सदर बाजार में फ्लैग मार्च करता पुलिस बल

शाहजहांपुर, 25 जुलाई। आगामी त्योहारों के मद्देनजर जनपद में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर ने शनिवार को सदर बाजार थाना क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी नगर तथा सदर बाजार थाना पुलिस बल मौजूद रहा। पैदल गश्त के दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्रमुख बाजारों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों, मुख्य मार्गों और संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को सतर्क एवं मुस्तैद रहकर ड्यूटी करने, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन जांच की तथा यातायात व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया और निर्भीक होकर अपने दैनिक कार्य करने की अपील की। एसपी ने नागरिकों से आग्रह किया कि यदि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, लावारिस वस्तु या अराजक तत्वों की जानकारी मिले तो तुरंत निकटतम पुलिस थाने या पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आगामी त्योहारों के दौरान लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहने, असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने और आमजन को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

संक्षेप

ससुराल आए युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत, रेलवे ट्रैक पर मिला शव

शाहजहांपुर। थाना रोजा क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिलने से शुक्रवार सुबह सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आने से होना माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार, रोजा रेलवे स्टेशन और पंडित रामप्रसाद बिस्मिल रेलवे स्टेशन के बीच जिंदीनगर गांव के पास रेलवे

इच्छा राम का फाइल फोटो

ट्रैक पर एक युवक के पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की तो उसकी पहचान हरदोई जिले के थाना लोनार क्षेत्र के ग्राम सोनेपुर निवासी इच्छाराम (35) के रूप में हुई। बताया गया कि इच्छाराम पिछले तीन-चार दिनों से थाना रोजा क्षेत्र के बिलिंदापुर गांव स्थित अपनी ससुराल में आए हुए थे। परिजनों के अनुसार वह शराब पीने के आदी थे। आशंका जताई जा रही है कि गुरुवार देर रात नशे की हालत में वह घर से निकलकर रेलवे ट्रैक पर पहुंच गए, जहां किसी ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सेवानिवृत्ति सचिव को नहीं मिला फंड का पैसा डी एम से शिकायत

खुदागंज - विकास क्षेत्र के ग्राम बाजपुर कुमरखा निवासी रजनीश कुमार ने जिलाधिकारी कोसोंपे शिकायती पत्र में बताया कि उनके पिता श्री कृष्णा राठौर ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर तैनात थे जो 30 सितंबर 2016 को सेवानिवृत हुए थे जिनकी मृत्यु 8 अक्टूबर 2023 को हो चुकी है परंतु अभी तक उनके अवकाश नकदीकरण ग्रेजुएट बीमा फंड आदि का भुगतान 357000 नहीं कराया गया है पीड़ित ने बताया कि वह कई बार संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में पत्र दे चुका है उन्होंने जिला अधिकारी को पत्र देकर अभिलंब भुगतान कराए जाने की मांग की है इस संबंध में जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने जिला पंचायत राज अधिकारी को भुगतान कराए जाने के निर्देश दिए हैं

मरम्मत के बाद फिर धंसी ईदगाह रोड, गुणवत्ता पर उठे सवाल

जागरण मोर्चा कार्यालय

मरम्मत के कुछ दिन बादकी दुर्घटना को दावत देता ईदगाह रोड

शाहजहांपुर। शहर के कन्नौजिया-ईदगाह मार्ग पर सड़क एक बार फिर धंस गई है। कुछ दिन पहले बने गड्ढे की मरम्मत कराई गई थी, लेकिन कुछ ही दिनों में उसी मार्ग पर दोबारा गड्ढा उभर आने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर बने गड्ढों के कारण आए दिन वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग हादसों का कारण बन सकता है। नागरिकों का आरोप है कि गड्ढों की केवल खानापूर्ति के तौर पर मरम्मत की जाती है, जिससे थोड़े ही समय बाद सड़क फिर धंस जाती है। राहगीरों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की स्थायी और गुणवत्तापूर्ण मरम्मत नहीं कराई गई तो बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है। उन्होंने नगर निगम और संबंधित विभाग से पूरे मार्ग की तकनीकी जांच कराकर स्थायी समाधान कराने तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। शहरवासियों का कहना है कि विकास के दावों के बीच प्रमुख मार्गों की बदहाल स्थिति आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि संबंधित विभाग इस समस्या का स्थायी समाधान कब तक सुनिश्चित करता है।

तीसरे दिन और उग्र हुआ प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे व्यापारी हिंदू संगठन व स्कूली छात्र

जागरण मोर्चा कार्यालय

खुदागंज में शांति मार्च निकालते व्यापारी व हिंदू संगठन के कार्यकर्ता

खुदागंज । रामलीला ग्राउंड की बाउंड्री टूटने का विरोध रुकने का नाम नहीं ले रहा है इसके विरोध के चलते तीसरे दिन भी धरना प्रदर्शन जारी रहा खुदागंज का बाजार पूरी तरह से बंद रहा वहीं वार्ता को पहुंचे उप जिलाधिकारी द्वारा की गई वार्ता असफल रही बुधवार को खुदागंज के रामलीला मैदान की दीवार कुछ दबंगों द्वारा तोड़ देने के बाद से नगर वासियो में आक्रोश फैल है और वह रामलीला मैदान में ही धरने पर बैठ गये जहां तीसरे दिन भी धरना जारी रहा आंदोलन में हिस्सा लेने के लिए निगोही के ब्लॉक प्रमुख भानु प्रताप सिंह एबीवीपी के पूर्व प्रदेश संगठन मंत्री सत्यभान सिंह पूर्व चेयरमैन सुधीर सिंह सहित बड़ी संख्या में व्यापारी बा अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे दोपहर बाद उन्होंने नगर में शांति मार्च निकाला कमेटी के पदाधिकारी से वार्ता करने पहुंची एसडीएम नीलिमा सिंह ब नायव तहसीलदार ने बात की परंतु वार्ता असफल रही मौके पर पहुंचे विधायक वीर विक्रम सिंह प्रिंस ने भी संबंध में प्रदर्शनकारियों से बात की परंतु कोई बात नहीं बनी मेला कमेटी के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया कि यदि दीवार का निर्माण शीघ्र नहीं कराया गया तो वह मेला कमेटी के पदाधिकारी के साथ इस्तीफा देंगे फिर प्रशासन खुद मेल करवाएगा प्रदर्शन कारियो व लोगों के रुकने खाने की व्यवस्था हेतु धरना स्थल पर ही भोजन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की गई लोगों ने कहा जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं होता वह धरना स्थल से नहीं हटेंगे

बाजार बंद से क्षेत्रवासी परेशान

खुदागंज का बाजार बंद होने से क्षेत्र वासियों को जरूरत की चीज ना मिलने से बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है बाजार आने वाले लोग शाम को बैरन लौट जाते हैं परंतु बाजार बंद होने से उन्हें केवल निराशा ही हाथ लगते हैं जिसके चलते क्षेत्र वासियो में आक्रोश फैल रहा है ।

महिला आयोग की सदस्य ने सुनीं की समस्याएं

जागरण मोर्चा कार्यालय

महिलाओं की समस्याएं सुनती राज्य महिला आयोग की सदस्य सुचिता कुमारी

शाहजहांपुर, राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती सुजीता कुमारी ने शनिवार को शाहजहांपुर का दौरा कर महिला जनसुनवाई, अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक तथा ब्लॉक बंडा में आयोजित जागरूकता चौपाल में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने महिलाओं से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। विकास भवन सभागार में आयोजित महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का शुभारंभ जिला प्रोबेशन अधिकारी अश्वनी कुमार ने किया। जनसुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं की समस्याएं, आर्थिक सहायता, सुरक्षा, शिक्षा और बच्चों की सुपुर्दगी सहित विभिन्न मामलों पर सुनवाई की गई। कुल 14 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 6 घरेलू हिंसा, 2 जमीन विवाद, 2 गिरफ्तारी, 1 बच्चों की सुपुर्दगी, 2 लड़ाई-झगड़े तथा 1 आटा चक्की हटाए जाने से संबंधित मामला शामिल था। राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी ने कहा कि महिला कल्याण विभाग महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने महिलाओं से बिना किसी संकोच के अपनी शिकायत दर्ज कराने की अपील की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी अश्वनी कुमार, डिप्टी सीएमओ डॉ. मोहम्मद आसिफ, महिला थाना प्रभारी रश्मि, एडीओ समाज कल्याण, जिला समाज कल्याण अधिकारी संजीव, जिला सूचना अधिकारी बाबूराम, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (क्वड्डइ) के पीएलवी, पत्रकारगण तथा महिला कल्याण विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जिला प्रोबेशन अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इसके बाद ब्लॉक बंडा परिसर में जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। यहां महिला कल्याण, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, दिव्यांगजन सशक्तिकरण तथा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग सहित विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर अपनी योजनाओं की जानकारी दी। राज्य महिला आयोग की सदस्य ने स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली।

बेवजह पत्रकारों को हिरासत में लेना पड़ा भारी, एसओजी प्रभारी लाइन हाजिर

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहाँपुर, ग्रामीण भारत खबरें । पत्रकारों को कथित रूप से बिना पर्याप्त आधार के हिरासत में लेने के मामले में पुलिस विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एसओजी प्रभारी श्यामवीर सिंह को लाइन हाजिर कर दिया है। पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने पूरे प्रकरण की जांच के भी आदेश दिए हैं। यह कार्रवाई पत्रकारों के विरोध प्रदर्शन और दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग के बाद की गई। आपको बता दें 23 जुलाई की शाम अपने घर जा रहे पत्रकार प्रभाकर मिश्रा और विवेक मिश्रा को एसओजी टीम द्वारा कथित रूप से हिरासत में लिए जाने की घटना के बाद जिलेभर के पत्रकारों में आक्रोश फैल गया था। घटना के विरोध में 24 जुलाई को विभिन्न पत्रकार संगठनों ने मतभेद भुलाकर एकजुटता दिखाई और करीब तीन किलोमीटर लंबा विरोध मार्च निकालते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। पत्रकारों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की थी। विरोध के दौरान पत्रकारों ने पुलिस विभाग के आधिकारिक मीडिया ग्रुप से खुद को अलग कर नाराजगी जताई और पुलिस से संबंधित खबरों के बहिष्कार का भी निर्णय लिया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने पत्रकारों से वार्ता कर मामले की जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिया था। इसी क्रम में एसओजी प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया गया। पत्रकार संगठनों ने इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए इसे संघर्ष की पहली जीत बताया है। उनका कहना है कि केवल लाइन हाजिर करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कर अन्य जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका भी तय की जानी चाहिए तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।पत्रकारों का कहना है कि भविष्य में भी पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों से जुड़े किसी भी मुद्दे पर वे एकजुट होकर लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाते रहेंगे। उनका मानना है कि यह कार्रवाई पत्रकारों की एकता और शांतिपूर्ण विरोध का परिणाम है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच पत्रकारों ने पुलिस-प्रशासन और मीडिया के बीच संवाद की कमी का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना है कि लंबे समय से पुलिस अधीक्षक द्वारा महत्वपूर्ण घटनाओं पर स्वयं मीडिया को आधिकारिक बयान नहीं दिया जाता, जबकि अधिकांश मामलों में अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से ही जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। पत्रकारों का आरोप है कि घटना की जानकारी लेने के दौरान कुछ पुलिस अधिकारियों द्वारा अभद्र व्यवहार भी किया गया। हालांकि, पूरे घटनाक्रम के बाद पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने पत्रकारों से संवाद स्थापित करते हुए भविष्य में बेहतर समन्वय बनाए रखने और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया है। पत्रकारों को उम्मीद है कि जांच निष्पक्ष होगी और पूरे प्रकरण में जिम्मेदारी तय कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जंतर-मंतर और शाहजहांपुर पत्रकार उत्पीड़न के विरोध में कैंडिल मार्च

कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि देते कांग्रेस कार्यकर्ता

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। जंतर-मंतर पर छात्रों के साथ कथित बर्बरता और शाहजहांपुर में सम्मानित पत्रकारों के साथ पुलिस द्वारा आधी रात में किए गए कथित दुर्व्यवहार के विरोध में शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव भवन से शहीद स्मारक तक कैंडिल मार्च निकाला। इसके बाद शहीद स्मारक पर महात्मा गांधी के चित्र के समक्ष सत्याग्रह कर विरोध दर्ज कराया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान छात्रों और पत्रकारों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्र एकता और मजबूत विपक्ष की जीत है। उन्होंने कहा कि छात्रों, युवाओं और लोकतांत्रिक संस्थाओं के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन करते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प दोहराया।

वीआईपी ग्रुप की बैठक में संगठन विस्तार, रक्तदान शिविर व स्मारिका प्रकाशन का निर्णय

जागरण मोर्चा कार्यालय

माल्यार्पण और स्वागत के बाद वीआईपी ग्रुप के नवीन पदाधिकारी

शाहजहांपुर। वीआईपी ग्रुप विथ हेल्पिंग हैंड्स की बैठक रविवार को संगठन के संरक्षक डॉ. रवि मोहन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन विस्तार के साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिला प्रभारी वर्षा गोस्वामी एवं जिलाध्यक्ष नीतू गुप्ता की मौजूदगी में नए पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से मनोनयन किया गया। संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से रंजना तिवारी को कोषाध्यक्ष, राजेश शुक्ला को संयुक्त महासचिव (पुवायां), अनूप गुप्ता को संयुक्त महासचिव (जलालाबाद), जितेंद्र प्रसाद को संयुक्त महासचिव (तिलहर), विवेक वर्मा एवं कोमल खन्ना को सचिव तथा कौशल शुक्ला और रश्मि भारती को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। बैठक में वरिष्ठ सदस्य संजय अग्रवाल ने अगले माह रक्तदान शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सभी सदस्यों ने मंजूरी दी। जिला प्रभारी वर्षा गोस्वामी ने व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाने पर जोर दिया, जबकि जिलाध्यक्ष नीतू गुप्ता ने बरसात के दौरान जरूरतमंदों की सहायता के लिए विशेष सेवा अभियान चलाने का सुझाव दिया। इसके अलावा सावन माह में महासचिव सतीश सक्सेना के प्रतिष्ठान पर भंडारे के आयोजन का भी निर्णय लिया गया। मुख्य संरक्षक चंद्रशेखर खन्ना धीरू ने संगठन की उपलब्धियों और सामाजिक गतिविधियों को संकलित करते हुए स्मारिका प्रकाशित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति मिली। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों और युवाओं में बढ़ते मानसिक तनाव एवं प्रतिस्पर्धा को देखते हुए व्यक्तित्व विकास और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कार्यशालाओं का आयोजन आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रम सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और सामाजिक मूल्यों के विकास में सहायक होंगे। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, शिक्षा और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को और अधिक सक्रियता से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। महानगर अध्यक्ष दीपमाला रस्तोगी ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। बैठक में ग्रुप क्रिएटर अभिनय गुप्ता, ज्योति गुप्ता, विनायक अग्रवाल, अनुज देव गुप्ता, संजय अग्रवाल, रिद्धि बहल, डॉ. दीपा सक्सेना, कौशलेन्द्र मिश्रा, जितेंद्र प्रसाद, सचिन बाथम, अरविंद कुमार, लक्ष्य गुप्ता सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

शाहजहांपुर में पत्रकारों ने निकाला पुलिस के खिलाफ विरोध मार्च

एसपी ने माना एसओजी से हुई गलती, उपमुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाने वाली खबर चलाने पर उठा ले गई थी एसओजी पुलिस

जागरण मोर्चा कार्यालय

विकास भवन सभागार मेंधरना देते पत्रकार

शाहजहांपुर। जनपद में दो पत्रकारों को कथित रूप से एसओजी पुलिस द्वारा हिरासत में लेने के मामले ने शुक्रवार को जिले में तूल पकड़ लिया। जिलेभर के पत्रकारों ने प्रेस क्लब में बैठक के बाद कलेक्ट्रेट तक मार्च निकाला और जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपने पहुंचे। जिलाधिकारी के उपलब्ध न होने पर पत्रकार विकास भवन सभागार में धरने पर बैठ गए। बाद में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) की पहल पर पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे और पत्रकारों से वार्ता की। वार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक ने स्वीकार किया कि एसओजी टीम से गलती हुई है और गलत फीडबैक के आधार पर कार्रवाई की गई। उन्होंने एसओजी प्रभारी के खिलाफ 24 घंटे के भीतर कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद पत्रकारों ने फिलहाल अपना धरना समाप्त कर दिया। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि तय समय में कार्रवाई नहीं होने पर व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा। मामला 23 जुलाई की शाम का है। आरोप है कि हिंदी खबर टीवी चैनल के पत्रकार प्रभाकर मिश्रा और नेटवर्क-10 नेशनल न्यूज चैनल के पत्रकार विवेक मिश्रा शाहजहांपुर से पुवायां जा रहे थे। इसी दौरान चिनौर के पास एसओजी प्रभारी और उनकी टीम ने दोनों पत्रकारों को बिना कारण बताए वाहन में बैठा लिया तथा उनके मोबाइल फोन भी अपने कब्जे में ले लिए। करीब तीन घंटे तक दोनों पत्रकारों से किसी का संपर्क नहीं हो सका। साथी पत्रकारों के हस्तक्षेप के बाद उन्हें छोड़ा गया। पत्रकारों का आरोप है कि डिप्टी सीएम को काले झंडे दिखाने के मामले में बिना किसी साक्ष्य के उन्हें अपराधियों की तरह रास्ते से उठाया गया। इसे प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए पत्रकारों ने एसओजी प्रभारी एवं संबंधित टीम को तत्काल निलंबित करने, दोनों पत्रकारों से पुलिस प्रशासन द्वारा लिखित रूप से माफी मांगने तथा भविष्य में किसी भी पत्रकार के खिलाफ कार्रवाई से पहले मान्यता प्राप्त पत्रकार संगठन को सूचना देने की मांग की। ज्ञापन में यह भी चेतावनी दी गई कि यदि 24 घंटे के भीतर कार्रवाई नहीं की गई तो पत्रकार आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। साथ ही मांगें पूरी होने तक पुलिस प्रशासन से संबंधित खबरों के बहिष्कार का भी निर्णय लिया गया है।धरना-प्रदर्शन और मार्च में बलराम शर्मा, कमल सिंह, अंबुज मिश्रा, आशीष त्रिपाठी, विवेक सैंगर, साजिद खान, आरिफ सिद्दीकी, अजय यादव, प्रेम शंकर गंगवार, हरिओम त्रिवेदी, आनंद शर्मा, सुशील शुक्ला, शिव कुमार, सिशांत शुक्ला, अमित सक्सेना, संजय श्रीवास्तव, अरविंद त्रिपाठी, राजू मिश्रा, संतोष उपाध्याय, प्रभाकर मिश्रा, आदर्श मिश्रा, पंकज सक्सेना, शुभम पांडेय, अरविंद कनौजिया, अभिषेक चौहान, प्रियांशु मिश्रा सहित जिले के सैकड़ों पत्रकार मौजूद रहे।

फिल्म 'रामायण' में रावणके रोलमें नजर आने वाले हैं यश

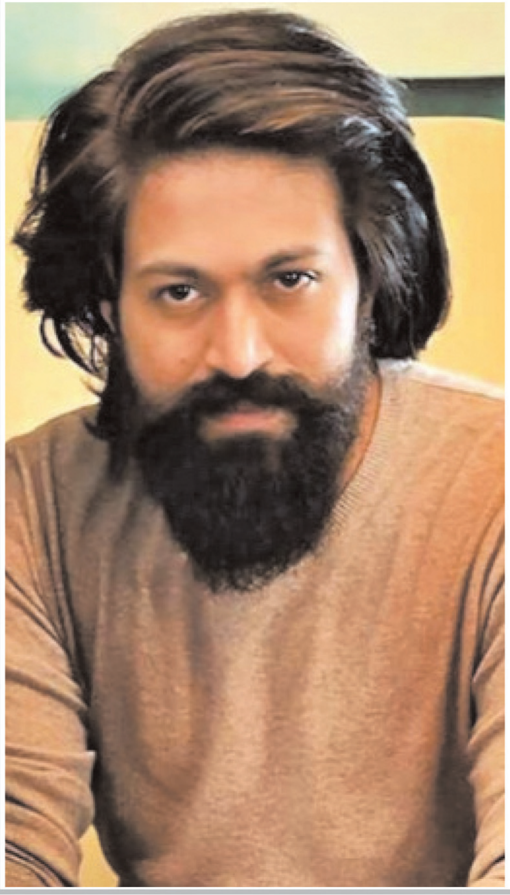

रणबीर कपूर स्टारर 'रामायण' का लोगों को बड़ी ही बेसब्री से इंतजार है। फिल्म में को लेकर निर्देशक नितेश तिवारी और निर्माता नमित मल्होत्रा ने फैंस से बातचीत की और फिल्म से जुड़े कई दिलचस्प किस्से शेयर किए हैं। यश फिल्म में रावण के रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनका किरदार काफी दमदार होने वाला है. फिल्म में रणबीर कपूर राम के रोल में नजर आने वाले हैं. लेकिन हाल ही में यश ने फिल्म के अपने को-स्टार की तारीफ में कसीदे पढ़ दिए हैं। बातचीत के दौरान उन्होंने फिल्म में अपने रोल को लेकर भी कहा कि रावण के रोल के लिए उन्होंने अपना सौ प्रतिशत दिया है. उन्होंने कहा कि ये रोल लोगों के बीच सौ सालों से मशहूर हैं, ऐसे में हर एक्टर पर इन्हें निभाने के लिए प्रेशर बढ़ जाता है कि कहीं कोई गलती न हो जाए। आज भी हर साल दशहरे पर उसका पुतला जलाया जाता है. इस रोल को समझने के लिए मैंने खुद भी काफी कुछ सीखा है. मेरी उम्मीद यही रही कि लोगों को रावण का एक अलग रूप देखने को मिले। बता दें कि यश ने ये भी कहा कि सिर्फ रावण का रोल गेटअप कर लेना ही काफी नहीं, उसकी सोच उसके विचारों को समझना उसकी तरह बिहेव करना एक्टर के लिए काफी चैलेंजिंग होता है। गौरतलब है कि 'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के रोल में नजर आने वाले हैं. फिल्म दिवाली के मौके पर इसी साल 2026 में रिलीज होने वाली है।

फैनकी हरकत देख हैरान रह गयीं काजल

काजल अग्रवाल साउथ की चर्चित अदाकारा हैं। वे तेलुगु इंडस्ट्री के अलावा तमिल और हिंदी भाषाओं में भी अपने अभिनय का दम दिखा रही हैं। फिलहाल, इन दिनों वे फिल्म द इंडिया स्टोरी को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म आज शुक्रवार को रिलीज हुई है। इस बीच अभिनेत्री ने एक पुराना किस्सा साझा किया है, जो हैरान करने वाला है। काजल ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इस दौरान उन्होंने अपने साथ हुए एक कड़वे अनुभव के बारे में भी बताया। काजल ने बताया कि एक फैन किस तरह उनकी वैनिटी वैन में घुस आया था और अपनी शर्ट उतारकर अभिनेत्री का टैटू दिखाने लगा। इस घटना से वे काफी असहज हो गईं और हैरान रह गईं। काजल अग्रवाल ने अपना कड़वा अनुभव साझा करते हुए बताया, %कुछ दिनों पहले, मैं एक फिल्म की शूटिंग कर रही थी। पहले दिन का शॉट पूरा होने के बाद फिल्म का असिस्टेंट डायरेक्टर एक आदमी बिना मेरी इजाजत के मेरी वैनिटी वैन में घुस आया। आते ही उसने अपनी शर्ट उतारी और मुझे दिखाया कि उसने अपनी छाती पर मेरे नाम का टैटू बनवाया है। मैं इस अचानक हुई घटना से हैरान रह गई। मुझे उसकी तारीफ से खुशी हुई, लेकिन जब मैं अकेली थी, तो बिना इजाजत मेरे कमरे में आना और ऐसा करना ठीक नहीं था। इसलिए मैंने उसे धीरे से चेतावनी दी। फिल्म द इंडिया स्टोरी का निर्देशन चेतन डीके ने किया है। इसमें काजल के अलावा श्रेयस तलपड़े, अश्विनी भांडे, हार्दिका जोशी, मुरली शर्मा, मनीष वाधवा, अतुल तिवारी और कमलेश सावंत जैसे सितारे हैं। फिल्म में खाद्य पदार्थों में मिलावट, प्रदूषण, कृषि में रसायनों के उपयोग और उसके नेगेटिव असर को दिखाया गया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज की गई है। द इंडिया स्टोरी में काजल अग्रवाल ने एक वकील की भूमिका अदा की है। इस फिल्म के अलावा वे नितेश तिवारी की मेगा बजट फिल्म रामायण में भी नजर आएंगी। इसमें उन्हें मंदोदरी की भूमिका में देखा जाएगा।

कष्टदायक स्मृतियों से उबरने के उपाय

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

मानव जीवन क्षणभंगुर है, फिर भी हम प्रायः अतीत के दुःखों और स्मृतियों के बोझ तले दबे रहते हैं। बाल्यावस्था की निर्मल हँसी, नेत्रों की वह स्वाभाविक चमक और सहज प्रसन्नता समय के साथ कहीं विलुप्त-सी हो जाती है। उसके स्थान पर क्रोध, संताप और कुंठा का आवरण छा जाता है। जब जीवन इतना संक्षिप्त है, तो हम इसे विषाद में क्यों व्यतीत करें? कष्टदायक स्मृतियों से उबरने का प्रथम उपाय है-अतीत को स्वप्नवत् देखना। जो बीत चुका है, वह पुनः लौटकर नहीं आता। यदि हम अपने अतीत को एक चलचित्र की भाँति देखें, तो उससे उत्पन्न पीड़ा का प्रभाव कम होने लगता है। केवल एक क्षण के लिए अतीत को विस्मृत कर वर्तमान में स्थित हो जाना ही जीवन को पुनः प्रस्फुटित कर देता है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थितियाँ आती-जाती रहती हैं; यह परिवर्तन ही जीवन का स्वभाव है। अतः यह स्मरण रखना कि हम पूर्व में भी कठिनाइयों से उबरे हैं, हमें वर्तमान संकटों से पार पाने का आत्मविश्वास प्रदान करता है। द्वितीय उपाय है - आत्मबल और शौर्य का जागरण। मनुष्य के भीतर अपार ऊर्जा और सामर्थ्य निहित है, किंतु वह प्रायः स्वयं उस पर विश्वास नहीं करता। जब व्यक्ति यह संकल्प करता है कि मैं प्रत्येक परिस्थिति का सामना कर सकता हूँ, तभी उसके भीतर सुप्त शक्ति जाग्रत होती है। यह आंतरिक विश्वास ही उसे परिस्थितियों का प्रबंधन करने में समर्थ बनाता है। तृतीय उपाय है-जीवन की अनित्यता का बोध। चाहे व्यक्ति सफलता के शिखर पर हो अथवा असफलता के गर्त में, अंततः प्रत्येक को मृत्यु का वरण करना है। यह बोध जीवन के प्रति एक नवीन दृष्टिकोण प्रदान करता है। जब हम अपने जीवन और घटनाओं के साक्षी बन जाते हैं, तब राग-द्वेष का प्रभाव क्षीण हो जाता है और एक सहज शांति का अनुभव होता है। जीवन एक नाटक की भाँति है, जिसका पटाक्षेप निश्चित है; अतः उसमें अत्यधिक आसक्ति अनावश्यक है। चतुर्थ और अंतिम उपाय है - एक उच्चतर शक्ति पर विश्वास। मनुष्य कभी भी पूर्णतः एकाकी नहीं होता। एक करुणामयी, दयालु सत्ता सदैव उसके साथ होती है, उसका मार्गदर्शन करती है। चाहे उसे ईश्वर कहा जाए, चेतना या उच्चतर आत्मा उसका अस्तित्व निर्विवाद है। इस विश्वास से मन को आश्रय और स्थिरता प्राप्त होती है। अंततः, जीवन का सार बौद्धिक समझ में नहीं, अपितु अनुभव में निहित है। प्रेम, आनंद और शांति को शब्दों में नहीं बाँधा जा सकता; उन्हें केवल जिया जा सकता है।

अंततः जीवन का सार बौद्धिक समझ में नहीं, अपितु अनुभव में निहित है। प्रेम, आनंद और शांति को शब्दों में नहीं बाँधा जा सकता; उन्हें केवल जिया जा सकता है।

असफलताएं और रिजेक्शन नहीं मिले होते, तो शायद इतनी मजबूत नहीं बन पातीं-कृति सेनन

कृति सेनन ने हर मुश्किल का सामना किया, लेकिन सपने से समझौता नहीं किया। दिल्ली की इंजीनियरिंग स्टूडेंट, जिसने सपनों के दम पर बॉलीवुड तक का सफर तय किया कृति ने शुरुआती पढ़ाई दिल्ली

सफलता के पीछे माता-पिता का भरोसा सबसे बड़ी ताकत रहा। वह बताती हैं कि उनकी मां अपनी जिंदगी में बहुत कुछ करना चाहती थीं। कृति मानती हैं कि परिवार का साथ नहीं होता तो वह शायद कभी फिल्मों में आने की हिम्मत नहीं जुटा पातीं।

पब्लिक स्कूल (डीपीएस), आर.के. पुरम से की। इसके बाद जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री हासिल की। कृति सेनन ने इंटरव्यू में बताया था कि बचपन में उनका पूरा ध्यान पढ़ाई पर रहता था। वह पढ़ाई में अच्छी थीं, लेकिन बेहद शर्मीली भी थीं। वह कहती हैं,मुझे स्टेज पर जाने से भी डर लगता था। डांस करना पसंद था, लेकिन एक्टिंग, थिएटर या ड्रामा में मैंने कभी हिस्सा नहीं लिया। फिल्मों में आने का तो मैंने कभी सोचा ही नहीं था। स्कूल के बाद इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू हुई। जिंदगी तय रास्ते पर चल रही थी। किसी को अंदाजा नहीं था कि यही लड़की आगे चलकर बॉलीवुड की बड़ी स्टार बनेगी। इंजीनियरिंग के दौरान एक दिन किसी ने कृति से कहा, तुम्हारी हाइट अच्छी है, मॉडलिंग क्यों नहीं ट्राय करती? पहली प्रतिक्रिया थी- नहीं... ये मेरे बस की बात नहीं। लेकिन फिर उन्होंने सोचा कि कोशिश करने में नुकसान नहीं है। अगर कुछ नहीं हुआ, तो कम से कम कॉन्फिडेंस बढ़ जाएगा। यही फैसला उनकी जिंदगी का बड़ा टर्निंग पॉइंट बन गया। कृति के पास प्रोफेशनल पोर्टफोलियो नहीं था। उनकी छोटी बहन नूपुर ने घर पर ही कुछ तस्वीरें खींचीं। आज उन तस्वीरों को देखकर कृति खुद हंस पड़ती हैं। वह कहती हैं, आज भी जब वो तस्वीरें देखती हूं तो हंसी आती है कि कितनी अजीब थीं। उन्होंने वही तस्वीरें एक वेबसाइट पर चल रहे फ्रेश फेस कॉन्टेस्ट में भेज दीं। इनाम था- मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी से मुफ्त पोर्टफोलियो शूट। कृति को सिर्फ इतना पता था कि डब्बू रत्नानी से फोटोशूट महंगा होता है। फैशन और मॉडलिंग की दुनिया के बारे में उन्हें कुछ भी नहीं मालूम था। किस्मत ने साथ दिया...वह कॉन्टेस्ट जीत गईं। यहीं से मॉडलिंग का पहला कॉन्ट्रैक्ट मिला और फिल्मों तक जाने वाली राह खुली। आज भी कृति मानती हैं कि अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने 100 प्रतिशत नहीं दिया, तो यह बात उन्हें लंबे समय तक परेशान करती है। कृति मानती हैं कि उनके अंदर यह आदत हमेशा से रही है। अगर वह गिरती हैं, तो दोबारा उठकर कोशिश करती हैं। वह कहती हैं, मैं आसानी से हार नहीं मानती। शायद यही वजह है कि हर बार गिरने के बाद मैंने खुद को एक और मौका दिया। धीरे-धीरे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया। यही जिद आगे चलकर उन्हें मॉडल से अभिनेत्री और फिर नेशनल अवॉर्ड विजेता कलाकार बनाने वाली थी। पहले रैंप शो की डांट और शुरुआती असफलताओं के बाद कृति सेनन ने हार नहीं मानी। मॉडलिंग आगे बढ़ रही थी, लेकिन फिल्मों का रास्ता अभी भी धुंधला था। इसी बीच उन्होंने मुंबई आने का फैसला किया। यह आसान नहीं था, क्योंकि वह कभी घर से दूर नहीं रही थीं। मुंबई पहुंचकर उन्हें सबसे ज्यादा अनजान दुनिया ने परेशान किया। कृति कहती हैं, मुझे समझ ही नहीं आता था कि शुरुआत कहां से करूं। किससे मिलूं, किस प्रोडक्शन हाउस में जाऊं, कौन-सी फिल्म करनी चाहिए और कौन-सी नहीं। मुझे कुछ भी नहीं पता था। कृति मानती हैं कि शुरुआती दिनों में उनकी मॉडलिंग एजेंसी ने उनका काफी साथ दिया। कृति की सफलता के पीछे उनके माता-पिता का भरोसा सबसे बड़ी ताकत रहा। वह बताती हैं कि उनकी मां अपनी जिंदगी में बहुत कुछ करना चाहती थीं। कृति मानती हैं कि परिवार का साथ नहीं होता तो वह शायद कभी फिल्मों में आने की हिम्मत नहीं जुटा पातीं। सपनों के रास्ते में सिर्फ संघर्ष नहीं आया...लोगों की सोच भी सामने आई। कृति बताती हैं कि उनके एक दोस्त ने उनसे कहा था, अगर तुम मॉडलिंग या फिल्मों में गई, तो बाद में शादी करने में दिक्कत होगी। मुंबई आकर कृति सेनन ने सोचा था कि मेहनत करेंगी और धीरे-धीरे रास्ता बन जाएगा। कृति बताती हैं कि कई फिल्मों के लिए उन्होंने ऑडिशन दिए। फिल्म में नए चेहरे की तलाश थी। उन्हें बुलाया गया...उन्होंने तैयारी की...ऑडिशन दिया...उम्मीद भी जगी...लेकिन आखिर में रोल किसी स्टार किड या स्थापित कलाकार को मिल गयाहर बार उम्मीद टूटती थी, लेकिन अगली सुबह फिर नए ऑडिशन की तैयारी शुरू हो जाती थी। रिजेक्शन से ज्यादा मुश्किल था... इंतजार। कई-कई महीने गुजर जाते थे, जब कोई ऑडिशन नहीं आता था। फोन नहीं बजता था। कृति कहती हैं कि उस समय लगता था जैसे जिंदगी रुक गई हो, क्योंकि इंडस्ट्री में कोई उन्हें जानता तक नहीं था। यही वजह थी कि उन्हें हर फिल्म, हर ऑडिशन और हर किरदार के लिए खुद को बार-बार साबित करना पड़ता था।

पहले रैंप शो के बाद मैं ऑटो में बैठकर पूरे रास्ते रोती रही थी... पहले फोटोशूट के बाद भी घर जाकर रोई थी। हिट फिल्म के बाद भी 15 महीने काम नहीं मिला। कई बार ऐसा हुआ कि जिस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया, आखिर में वह किसी स्टार किड को मिल गई। कई-कई महीने तक कोई ऑडिशन नहीं आता था। मैं मां को दिन में दस-दस बार फोन करके रोती थी। आज कृति सेनन बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उनके नाम नेशनल अवॉर्ड, कई सुपरहिट फिल्में और अपना प्रोडक्शन हाउस है। लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का रास्ता रिजेक्शन, अकेलेपन, तानों और आत्मविश्वास की लड़ाई से होकर गुजरा है। यह कहानी उस लड़की की है, जिसने कभी एक्टिंग का सपना नहीं देखा था, लेकिन रास्ता चुना तो पीछे मुड़कर नहीं देखा।

भगवान राम का किरदार निभाना आसान नहीं-रणबीर कपूर

फिल्म रामायण: मैं अपनी बेटी को यह फिल्म दिखाने ले जाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह बड़े पर्दे पर उसकी पहली फिल्म होगी।

फिल्म रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। नितेश तिवारी निर्देशित इस फिल्म का भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट पिछले दिनों भारत में आयोजित हुआ था। अब कल गुरुवार को अमेरिका के सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में भी इवेंट रखा गया, जहां रणबीर कपूर, सुपरस्टार यश पहुंचे। इस दौरान रणबीर कपूर ने कहा कि वे अपनी बिटिया राहा को यह फिल्म दिखाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। रणबीर कपूर ने कॉमिक-कॉन में अपना डेब्यू किया। वे यश, डायरेक्टर नितेश तिवारी और प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा के साथ रामायण के भव्य लॉन्च के लिए बॉलरूम 20 के बड़े स्टेज पर मौजूद रहे। एक घंटे तक चली इस प्रेजेंटेशन में स्टार्स ने अपनी फिल्म के बारे में बताया और अपने किरदारों पर खुलकर बात की। फैंस के साथ बातचीत के दौरान रणबीर ने फिल्म की रिलीज को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की। उन्होंने कहा कि वे बेटी राहा कपूर की वजह से भी इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हैं। रणबीर कपूर ने फिल्म रामायण को लेकर बात की और कहा कि उन्हें इंतजार है कि बेटी राहा कपूर यह फिल्म देखे। बड़े पर्दे पर यह राहा की पहली फिल्म होगी। दरअसल, इवेंट में रणबीर से बच्चों को अपने धर्म और संस्कृति के बारे में सिखाने के लिए उन्हें यह फिल्म दिखाने ले जाने के बारे में पूछा गया। इस पर अभिनेता ने माना कि वे भी उस फैन की तरह ही उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं अपनी बेटी को यह फिल्म दिखाने ले जाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह बड़े पर्दे पर उसकी पहली फिल्म होगी। अवॉर्ड जीतने वाले वीएफके स्टूडियो डीएनईजी ने भारतीय फिल्म इतिहास के सबसे बड़े सिनेमैटिक प्रोजेक्ट और दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे यादगार महागाथाओं में से एक रामायण की एक शानदार पहली झलक दिखाई। बता दें कि रामायण में साई पल्लवी को माता सीता की भूमिका में देखा जाएगा। यश रावण के रोल में नजर आएंगे। सनी देओल हनुमान के रोल में और रवि दुबे लक्ष्मण के रोल में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत हंस जिमर और ए.आर. रहमान ने तैयार किया है। इवेंट में रणबीर कपूर ने यश की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, मैं यश को कुछ समय से जानता हूं और उनके काम का बहुत बड़ा फैन हूं। रावण के किरदार के लिए ऐसे एक्टर की जरूरत थी, जिसकी पर्सनैलिटी और स्टारडम बहुत जबर्दस्त हो। यश इन सभी मामलों में सबसे आगे हैं। बातचीत के दौरान अभिनेता यश ने भगवान राम के किरदार में रणबीर कपूर की एक्टिंग की तारीफ की। उन्होंने कहा कि रणबीर ने इसके लिए बहुत मेहनत की है। इस रोल को चुनौतीपूर्ण बताते हुए यश ने कहा, भगवान राम का किरदार निभाना आसान नहीं है। रणबीर कपूर ने जिस तरह से इसे निभाया है, वह शानदार है। उन्होंने बहुत मेहनत की है और जब आप रामायण देखेंगे तो आप राम का एक सुंदर चित्रण देखेंगे।

सैयाराके बाद अहान पांडे की नयी उड़ान

ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सैयारा' की ऐतिहासिक सफलता के बाद बॉलीवुड के नए ओवरनाइट सेंसेशन अहान पांडे एक बार फिर पर्दे पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। 'सैयारा' के बाद वह अगली बड़ी फिल्म यशराज फिल्म्स के बैनर तले कर रहे हैं. अनटाइटल्ड फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर कर रह हैं. फिल्म रोमांटिक-एक्शन ड्रामा की जिसकी रिलीज डेट लॉक कर दी गई है। फिल्ममेकर आदित्य चोपड़ा और निर्देशक अली अब्बास जफर ने इस अनटाइटल्ड फिल्म की थिएट्रीकल रिलीज डेट अगले साल के लिए लॉक की है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की रिलीज डेट 26 मार्च 2027 की तय की है. 26 मार्च को गुड फ्राइडे है। यह आदित्य चोपड़ा और अली अब्बास जफर की साथ में पांचवीं फिल्म होगी.आदित्य और अली इससे पहले साथ में 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'गुंडे', 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं. इनमें 'गुंडे', 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफल साबित हुई थीं. पिछले कुछ महीनों से फिल्म की शूटिंग यूनाइटेड किंगडम में चल रही है. शूटिंग के दौरान सेट से कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट और बढ़ गई।

हमारा दिमाग आधुनिक है, लेकिन सोच सदियों पुरानी-जावेद अख्तर

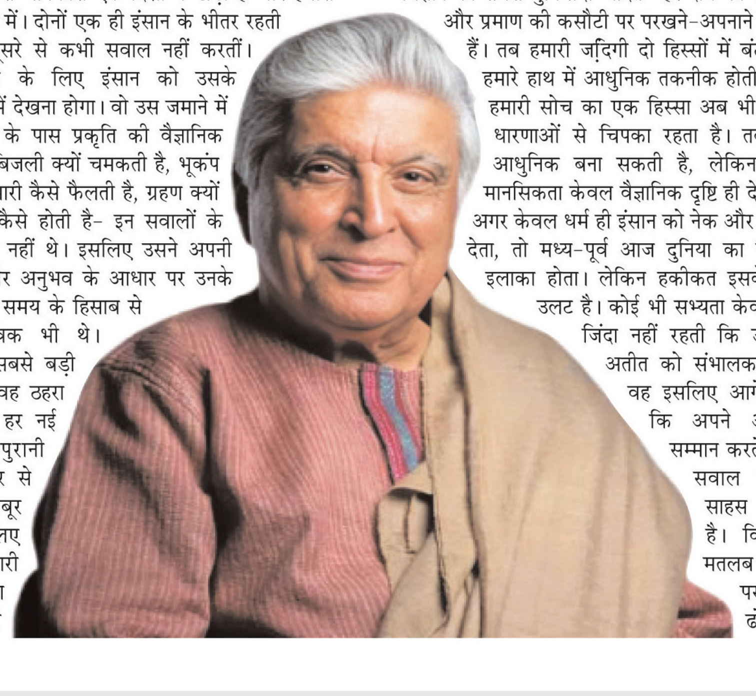

इंसान ने शायद अपनी पूरी तारीख में कभी इतनी तरक्की नहीं की, जितनी पिछले सौ-दो सौ सालों में की है। उसने समंदर की गहराइयां नाप लीं, आसमान की ऊंचाइयां छू लीं, चांद पर कदम रख दिया और अरबों किलोमीटर दूर मौजूद ग्रहों तक अपने यान भेज दिए। उसने परमाणु की बनावट समझ ली, इंसानी जीनोम को पढ़ लिया और ऐसी मशीनें बना लीं जो सीख भी सकती हैं और फैसले भी कर सकती हैं। लेकिन इन सब उपलब्धियों के बीच एक सवाल अब भी हमारे सामने खड़ा है- क्या हमारी सोच भी उतनी ही आगे बढ़ी है, जितनी हमारी तकनीक? यहीं इक्कीसवीं सदी का सबसे बड़ा विरोधाभास दिखाई देता है। हमारा दिमाग आधुनिक है, लेकिन हमारी मानसिक दुनिया का एक हिस्सा अब भी सदियों पुराने यकीनों पर चलता है। ऐसा लगता है कि एक ही इंसान के भीतर दो अलग-अलग दुनिया रहती हैं। एक दुनिया प्रयोगशाला की है, जहां हर बात का आधार गणना, प्रयोग और प्रमाण है। दूसरी दुनिया परंपराओं, प्रतीकों और उन धारणाओं की है जिन्हें हमने विरासत में पाया है। जरा इस विडंबना पर गौर कीजिए। एक वैज्ञानिक वर्षों की मेहनत, गणित, भौतिकी और हजारों प्रयोगों के सहारे अंतरिक्ष यान को लाखों किलोमीटर दूर किसी ग्रह या उपग्रह पर ठीक उसी जगह पहुंचा देता है, जहां उसे पहुंचाना निर्धारित किया गया है। अगर रॉकेट की कामयाबी विज्ञान, गणना और प्राकृतिक नियमों पर निर्भर है, तो फिर किसी दूसरी अलौकिक व्यवस्था की जरूरत कहां से आ जाती है? और अगर वह अलौकिक व्यवस्था ही निर्णायक है, तो फिर विज्ञान की इतनी लंबी तैयारी और इतने कठोर परीक्षणों का अर्थ क्या रह जाता है? 21वीं सदी के पहले ऐसा कभी हुआ ही नहीं कि आपका ज्ञान और आपकी आस्था एक-दूसरे के विरोधी हैं और दोनों आप ही के अंदर हैं। शायद यही हमारे समय का सबसे बड़ा बौद्धिक अंतर्विरोध है- हमारी जानकारी एक दिशा में खड़ी है और हमारी आस्था दूसरी दिशा में। दोनों एक ही इंसान के भीतर रहती हैं, लेकिन एक-दूसरे से कभी सवाल नहीं करतीं। धर्मों को समझने के लिए इंसान को उसके ऐतिहासिक संदर्भ में देखना होगा। वो उस जमाने में जन्मा, जब इंसान के पास प्रकृति की वैज्ञानिक व्याख्या नहीं थी। बिजली क्यों चमकती है, भूकंप क्यों आते हैं, महामारी कैसे फैलती है, ग्रहण क्यों लगता है, बारिश कैसे होती है- इन सवालों के जवाब उसके पास नहीं थे। इसलिए उसने अपनी समझ, कल्पना और अनुभव के आधार पर उनके उत्तर खोजे। अपने समय के हिसाब से वे उत्तर स्वाभाविक भी थे। लेकिन ज्ञान की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह ठहरा हुआ नहीं रहता। हर नई खोज हमें पुरानी धारणाओं पर फिर से सोचने के लिए मजबूर करती है। इसलिए समय के साथ हमारी समझ का बदलना भी उतना ही स्वाभाविक है। समस्या तब पैदा होती है, जब हम इक्कीसवीं सदी के विज्ञान का लाभ तो पूरी तरह उठाना चाहते हैं, लेकिन उसी विज्ञान की सबसे बुनियादी आदत- हर दावे को सवाल, तर्क और प्रमाण की कसौटी पर परखने-अपनाने से हिचकते हैं। तब हमारी जिंदिगी दो हिस्सों में बंट जाती है। हमारे हाथ में आधुनिक तकनीक होती है, लेकिन हमारी सोच का एक हिस्सा अब भी मध्ययुगीन धारणाओं से चिपका रहता है। तकनीक हमें आधुनिक बना सकती है, लेकिन आधुनिक मानसिकता केवल वैज्ञानिक दृष्टि ही दे सकती है। अगर केवल धर्म ही इंसान को नेक और नैतिक बना देता, तो मध्य-पूर्व आज दुनिया का सबसे शांत इलाका होता। लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। कोई भी सभ्यता केवल इसलिए जिंदा नहीं रहती कि उसने अपने अतीत को संभालकर रखा है। वह इसलिए आगे बढ़ती है कि अपने अतीत का सम्मान करते हुए उससे सवाल पूछने का साहस भी रखती है। विरासत का मतलब उसे सिर पर उठाकर ढोना नहीं, बल्कि उसे समझना, परखना और हर दौर की नई रोशनी में देखना है। जो धारणाएं तर्क, अनुभव और प्रमाण की कसौटी पर खरी उतरती हैं, उन्हें बचाने के लिए किसी आग्रह की जरूरत नहीं होती; वे अपने दम पर जीवित रहती हैं। लेकिन किसी विचार को केवल इसलिए सच मानते रहना कि वह सदियों पुराना है, अतीत का सम्मान नहीं, उसके बोझ तले दब जाना है। सभ्यता की पहचान इस बात से नहीं होती कि वह अपने पूर्वजों की हर बात दोहराती रहे, बल्कि इस बात से होती है कि वह उनकी विरासत में अपने विवेक का भी इजाफा करे। मैं खुद नास्तिक हूं। मेरी कोई धार्मिक आस्था नहीं है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मुझे दूसरों की आस्था से आपत्ति है। आपत्ति तब होती है, जब निजी विश्वास सार्वजनिक निर्णयों की जगह लेने लगते हैं। आधुनिक समाज की असली चुनौती विज्ञान और आस्था के बीच कोई युद्ध खड़ा करना नहीं है। चुनौती यह है कि दोनों की सीमाएं साफ-साफ समझी जाएं। आस्था व्यक्ति का निजी अधिकार है, लेकिन जहां ज्ञान, शिक्षा, चिकित्सा, कानून या सार्वजनिक नीति का सवाल हो, वहां फैसले विश्वास से नहीं, प्रमाण, तर्क और परीक्षण के आधार पर होने चाहिए। निजी जीवन को आस्था सहारा दे सकती है, लेकिन समाज को आगे बढ़ाने का काम विवेक और ज्ञान ही करते हैं। आज के दौर में अध्यात्म अमीरों के लिए एक तरह का ट्रैंक्विलाइजर बन गया है। यह टिप्पणी अध्यात्म पर नहीं, उसके बाजारीकरण पर है। यही वजह है कि आज के तथाकथित गुरु और बुद्ध में फर्क साफ दिखाई देता है। गौतम बुद्ध महल छोड़कर सत्य की तलाश में जंगल गए थे। आज के अनेक गुरु जंगल से निकलकर महलों में पहुंच जाते हैं।

डकैती के आरोप में जेल में बंद विचाराधीन बंदी की बीमारी से मौत

गमगीन खड़े मृतक के परिजन। -जागरण मोर्चा

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। डकैती के आरोप में जेल में बंद एक विचाराधीन कैदी शुक्रवार देरशाम मौत हो गई।वह संभल जिले का रहने वाला था। जेल प्रशासन की सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। सूचना पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। संभल जिले के थाना बनियाठेर के गांव जनेटा निवासी ओमवीर (58) पुत्र मोहर सिंह को थाना इस्लामनगर क्षेत्र में 19 मई को हुई डकैती के आरोप में 25 मई को मुठभेड़ के बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया था। 26 मई को उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था। जेलर मोहम्मद खालिद ने बताया कि ओमवीर लंबे समय से लीवर की बीमारी से ग्रसित था। मेडीकल रिपोर्ट के अनुसार उसका लीवर 80 फीसदी तक क्षतिग्रस्त हो गया था। उसका लखनऊ के एक अस्पताल में इलाज भी हुआ था, लेकिन उसकी हालत में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। शुक्रवार को उसकी हालत अचानक बिगड़ गई। जिस पर जेल प्रशासन ने उसे जिला अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विचाराधीन कैदी की मौत की सूचना पर परिजन भी यहां पहुंच गए। पुलिस ने शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

श्रद्धालुओं से भरे वाहन को दूध लदी पिकअप ने मारी टक्कर, दो की मौत

नौ लोग हुए घायल, चार की हालत गंभीर; चालक मौके से फरार

जागरण मोर्चा कार्यालय

घटनास्थल पर खड़ी गाड़ी व जांच करती पुलिस। -जागरण मोर्चा

बिसौली। क्षेत्र के बैन गांव से फकावली-आसफपुर की ओर जा रहे श्रद्धालुओं से भरे वाहन को डीपाल स्कूल के सामने तेज रफ्तार दूध से लदी पिकअप ने टक्कर मार दी। भीषण हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हो गए। टक्कर के बाद पिकअप चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

हादसे में देहमूं, बिल्सी निवासी मुंशीलाल (36) पुत्र नेक्सों और कटोरी (65) पत्नी लीलाधर की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं फूल सिंह (40), उनकी पत्नी सर्वेश (38), पुत्र गौरव (9), अखिलेश (18), शिवम (16), मुंशीलाल की पत्नी बॉबी (35), पुत्र संजू (18), वाहन चालक हेमसिंह (32) पुत्र केवल निवासी बैन थाना बिल्सी तथा अंशुमान पुत्र दुर्गेश निवासी बैन घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस व एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसौली में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद फूल सिंह, हेमसिंह, गौरव और संजू की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल बदायूं रेफर कर दिया, जबकि अन्य घायलों का इलाज सीएचसी में चल रहा है।

हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और फरार पिकअप चालक की तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षेप समाचार

शराब के नशे में मारपीट और पुलिस पर हमला करने वाले चार गिरफ्तार

आरोपियों को जेल भेजती थाना फैजगंज पुलिस। -जागरण मोर्चा

आसफपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना फैजगंज बेहटा पुलिस को एक और सफलता मिली है। प्रभारी निरीक्षक सुभाष कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शराब के नशे में मारपीट कर रहे और पुलिस कार्रवाई के दौरान सरकारी कार्य में बाधा डालने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार, शनिवार को गंगपुर सराय गांव में दो पक्षों के बीच शराब के नशे में विवाद और मारपीट की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक सुभाष कुमार के निर्देशन में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी उग्र हो गए और पुलिस टीम से भी अभद्रता करते हुए हमला कर दिया। इसके बावजूद पुलिस ने संयम और सतर्कता का परिचय देते हुए स्थिति पर शीघ्र नियंत्रण पा लिया और चारों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में निर्सार पुत्र हुसैन (48 वर्ष), रणधीर पुत्र वीरेंद्र सिंह (40 वर्ष), मोहम्मद रज्जू (50 वर्ष) निवासी वार्ड संख्या-2 कस्बा करवा तथा परवेज आलम (25 वर्ष) निवासी ग्राम औरंगी शामिल हैं।

थाना समाधान दिवस का बहिष्कार, लेखपालों का कोतवाली पर प्रदर्शन

बिसौली। शनिवार को थाना समाधान दिवस के दौरान राजस्व निरीक्षकों और लेखपालों ने बहिष्कार करते हुए कोतवाली गेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस विरोध के पीछे इस्लामनगर थाना क्षेत्र में राजस्व टीम पर हुए हमले के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई न होने का मामला बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव निठाया की मढ़ैया में बीते दिनों राजस्व विभाग की टीम कब्जा हटाने पहुंची थी। टीम में राजस्व निरीक्षक बलवीर सिंह और लेखपाल अनुज कुमार शामिल थे। उनके साथ थाना इस्लामनगर की पुलिस भी मौजूद थी। आरोप है कि मौके पर दबंगों ने पुलिस के सामने ही राजस्व टीम पर हमला कर दिया और अभद्रता करते हुए उन्हें मौके से खदेड़ दिया। लेखपाल संघ के अध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि उप जिलाधिकारी द्वारा जमीन को कब्जामुक्त कराने के निर्देश दिए गए थे। इसके तहत 13 जुलाई को टीम पुलिस के साथ कार्रवाई करने पहुंची थी, लेकिन वहां दबंगों ने हमला कर दिया। घटना की जानकारी तत्काल एसडीएम को दी गई और थाने में आरोपियों के खिलाफ तहरीर भी दी गई, लेकिन अब तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। इसी बात से आक्रोशित होकर शनिवार को राजस्व निरीक्षकों और क्षेत्र के सभी लेखपालों ने थाना समाधान दिवस का बहिष्कार किया और कोतवाली गेट पर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि यदि सरकारी कर्मचारियों के साथ ही इस तरह की घटनाएं होंगी और कार्रवाई नहीं होगी, तो कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े होंगे। लेखपालों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

धान की रोपाई करते समय करंट लगने से मजदूर की मौत, परिवार में कोहराम

बदायूं। शनिवार दोपहर धान की रोपाई के दौरान टयूबवेल के पाइप में करंट उतरने से एक मजदूर की मौत हो गई। आनन-फानन में साथी मजदूर उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के गांव आरिफपुर नवादा निवासी रतन (21) पुत्र ननकू शनिवार को अन्य मजदूरों व परिजनों के साथ ठेके पर धान की रोपाई कर रहा था। दोपहर करीब 1 बजे सभी मजदूर खेत मालिक राजवीर निवासी खेड़ा नवादा के टयूबवेल पर खाना खा रहे थे। इसी दौरान रतन आराम करने के लिए टयूबवेल के पास लेट गया। किसी तरह उसके पैर टयूबवेल के पाइप से छू गए। बताया जा रहा है कि टयूबवेल के पाइप में करंट उतर आया। करंट की चपेट में आकर रतन बुरी तरह झुलस गया। साथी मजदूर उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उझानी से लखनऊ तक सीधी रेल सेवा कल से, बी.एल. वर्मा दिखाएंगे हरी झंडी

प्रेस वार्ता के द्वारा जानकारी देते केंद्रीय मंत्री बी एल वर्मा व मौजूद अन्य भाजपा नेता।

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। जनपद को एक और बड़ी रेल सौगात मिलने जा रही है। केंद्रीय राज्यमंत्री बी.एल. वर्मा 26 जुलाई को उझानी रेलवे स्टेशन से उझानी-बदायूँ-ऐशबाग (लखनऊ) उद्घाटन विशेष रेलगाड़ी (05018) को दोपहर 12 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह ट्रेन बदायूँ होते हुए बरेली, पीलीभीत, लखीमपुर और सीतापुर मार्ग से रात 9:10 बजे ऐशबाग पहुंचेगी। इसके साथ ही कासगंज-ऐशबाग इंटरसिटी एक्सप्रेस (15312/15311) का नियमित संचालन भी शुरू होगा। नई सेवा से बदायूँ और उझानी क्षेत्र के लोगों को लखनऊ के लिए सीधी, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा।

फसल की रखवाली कर रहे किसान को बाइक सवार ने मारी टक्कर, मौत

बदायूं। धान की रखवाली कर रहे किसान को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। जिससे उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। किसान की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। हजरतपुर थाना क्षेत्र के गांव सुकुटिया निवासी जसवंत (58) पुत्र झांझन शुक्रवार शाम खेत पर धान की फसल की रखवाली करने को गए थे। फसल की रखवाली के लिए वह सड़क किनारे बैठे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक सवार ने उनको टक्कर मार दी। जिसमें उनकी मौत हो गई। बताया जाता है कि टक्कर मारने वाला उनके पड़ोसी गांव चंगासी का रहने वाला है। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस बाइक सवार की तलाश में जुटी है।

पुलिस ने 12 घंटे में किया गंगा एक्सप्रेस-वे लूट का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, कैन्टर बरामद

जागरण मोर्चा कार्यालय

पुलिस लाइन सभागार में लूट का खुलासा करते एसपी सिटी व सीओ उझानी।

बदायूं। थाना मूसाझाग क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेस-वे पर हुए कैन्टर लूट कांड का पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए लूटा गया कैन्टर भी बरामद कर लिया है, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

घटना 24 जुलाई की सुबह की है, जब बिहार से आ रहा कैन्टर ग्राम मैरी मजर के पास गंगा एक्सप्रेस-वे पर बोलेरो सवार सात बदमाशों ने रुकवा लिया। बदमाशों ने चालक और हेल्पर के साथ मारपीट कर उनके मोबाइल फोन छीन लिए और कैन्टर लेकर फरार हो गए। इसके बाद दोनों को जंगल क्षेत्र में छोड़ दिया गया। मामले में चालक जराफत निवासी हापुड़ की तहरीर पर थाना मूसाझाग में मुकदमा दर्ज किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए जनपद रामपुर की थाना गंज पुलिस के सहयोग से घटना का खुलासा किया। पुलिस ने हसीन निवासी तालकपुर (रामपुर) और हारून निवासी अहेरीपुर (इटावा) को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से लूटा गया कैन्टर भी बरामद कर लिया गया। पूछताछ में सामने आया कि इस वारदात में अन्नू, भूरे, मुकुल, गुड्डू और आरिस समेत कुल सात लोग शामिल थे। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उनको जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी हसीन के खिलाफ पहले से भी कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें गैंगस्टर एक्ट समेत अन्य धाराएं शामिल हैं।

उझानी में कॉलेज गई छात्रा लापता, जांच में जुटी पुलिस

जागरण मोर्चा कार्यालय

कोचिंग साथी युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप परिजनों ने पुलिस से लगाई गुहार

बदायूं। क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब कॉलेज जाने के लिए घर से निकली एक छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। मामले को लेकर परिजनों ने कोतवाली उझानी में तहरीर देकर बेटी की सकुशल बरामदगी की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना मूसाझाग क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले व्यक्ति की बेटी उझानी के एक मोहल्ला में अपने मामा के घर रहकर पढ़ाई कर रही थी। बताया जाता है कि मंगलवार सात जुलाई की सुबह करीब 9:45 बजे वह रोज की तरह कॉलेज जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन इसके बाद वह न तो कॉलेज पहुंची और न ही वापस घर लौटी।

काफी समय बीत जाने के बाद जब छात्रा घर नहीं पहुंची तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। उन्होंने उसकी तलाश शुरू की और मोबाइल नंबर पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

परिजनों द्वारा की गई पड़ताल में सामने आया कि छात्रा के साथ कोचिंग में पढ़ने वाला युवक राहुल यादव, निवासी ग्राम डकुरी घसियारी थाना अलापुर, भी उसी समय से गायब है। इस पर छात्रा के पिता ने आरोप लगाया है कि युवक उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है।

पीड़ित पिता ने कोतवाली उझानी में प्रभारी निरीक्षक को तहरीर देकर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पुलिस से बेटी की जल्द से जल्द सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। छात्रा की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है तथा मोबाइल लोकेशन के आधार पर भी खोजबीन की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा करने का दावा किया गया है।

युवक को कार ने मारी टक्कर, मौत

बदायूं। धान की फसल में खाद लगाकर लौट रहे एक युवक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रुप से घायल हो गया। परिवार वाले उसे नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव फकीराबाद निवासी विनोद (22) पुत्र राजपाल खेतीबाड़ी करता था। वह शुक्रवार शाम खेत पर अपनी धान की फसल में खाद लगाने गया था। खाद लगातक वह पैदल अपने घर लौट रहा था। तभी रास्ते में तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रुप से घायल हो गया। परिवार वाले आनन-फानन में उसे नजदीकी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जागरण मोर्चा कार्यालय

आरोपी को कोर्ट में पेश करने ले जाती पुलिस।

बदायूं। थाना फैजगंज बेहटा पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने तथा उसकी अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद उसकी अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी। इस मामले में 27 अप्रैल को थाना फैजगंज बेहटा में मुकदमा दर्ज किया गया था। प्रभारी निरीक्षक सुभाष सिंह के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने शुक्रवार को आरोपी नदीम अली उर्फ मोंटी (25 वर्ष) निवासी ग्राम परसियापुर, थाना अजीमनगर, जनपद रामपुर को औरछी के पास फलों के ठेले के पास से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ।

आक्रोश काम के बदले रुपये मांगने का आरोप, सिपाहियों को हटाने व निलंबन की उठी मांग

इस्लामनगर थाने में भाजपा कार्यकर्ताओं का हंगामा, इंस्पेक्टर पर रिश्वतखोरी के आरोप

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। जिले के इस्लामनगर थाना परिसर में शनिवार को उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता वहां पहुंच गए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बिना रुपये लिए थाने में कोई काम नहीं किया जाता है।

भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कस्बा चौकी पर तैनात कुछ सिपाही कई वर्षों से जमे हुए हैं और क्षेत्र में खुलेआम वसूली कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन सिपाहियों के खिलाफ पहले भी कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे क्षेत्र की जनता में भी आक्रोश व्याप्त है।

इंस्पेक्टर इस्लामनगर पर रिश्वतखोरी का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता। -जागरण मोर्चा

कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि जब वे अपने कुछ कार्यों के लिए थाने पहुंचे तो उनसे भी रुपये की मांग की गई। इससे नाराज होकर उन्होंने थाने में विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन कार्यकर्ता कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे।

हंगामे के दौरान कार्यकर्ताओं ने उच्च अधिकारियों से मांग की कि इस्लामनगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जितेंद्र पवार को तत्काल हटाया जाए और संबंधित सिपाहियों को निलंबित किया जाए। उनका कहना था कि जब तक कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

> कुछ कार्यकर्ता थाना दिवस में आए थे उन्होंने अपनी शिकायत दर्ज कराते हुए विरोध जताया कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया गया है की निष्पक्ष तरीका से जनता का काम किया जाएगा कोई भी कर्मचारी अगर रिश्वत मांगता है या लेता है तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।
>
> -जितेंद्र पवार, इंस्पेक्टर इस्लामनगर

गौरतलब है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा द्वारा हाल ही में इंस्पेक्टर जितेंद्र पवार को इस्लामनगर थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। मामले को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से जांच की बात कही जा रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि राजस्व की टीम ने बेबस दो बच्चियों की जमीन तो नाप कर दे दी लेकिन पुलिस प्रशासन कब्जा नहीं लेने दे रहा है। थाना पुलिस पर रुपये लेकर आरोपियों का बचाव करने का भी आरोप लगाया है। भाजपा कार्यकर्ता शनिवार को थाने में चल रहे थाना दिवस के मौके पर पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने कस्बा चौकी पर तैनात तीन सिपाही जो सालों से यहां जमे हुए हैं उनके द्वारा रिश्वतखोरी का आरोप लगाते हुए इंस्पेक्टर पर बिना पैसे लेकर काम न करने का आरोप लगाया। इस पूरे मामले का वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है देखना होगा कि इस मामले में तेजतर्रार एसएसपी क्या कार्रवाई करती हैं।

पीएम किसान सम्मान निधि से जिले के किसानों को बड़ी राहत

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना जनपद के किसानों के लिए आर्थिक संबल का मजबूत आधार बनकर उभरी है। जिलाधिकारी अवनीश राय ने बताया कि वर्ष 2017 से अब तक जनपद के 4,27,839 किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से लगभग 1882.02 करोड़ रुपये की धनराशि सीधे हस्तांतरित की गई है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत किसानों को प्रतिवर्ष तीन समान किस्तों में आर्थिक सहायता दी जाती है, जिससे उन्हें खेती-किसानी के कार्यों, बीज, उर्वरक एवं अन्य कृषि निवेशों के लिए समय पर धन उपलब्ध हो सके। पारदर्शी डीबीटी प्रणाली के कारण किसानों को बिना किसी मध्यस्थ के सीधे लाभ मिल रहा है।

सम्मान निधि पाने वाले जिले के किसान। -जागरण मोर्चा

विधानसभा क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार दातागंज में 1,11,740 किसानों को 491.65 करोड़ रुपये, बिसौली में 92,045 किसानों को 404.95 करोड़ रुपये, सदर बदायूँ में 84,224 किसानों को 370.42 करोड़ रुपये, सहसवान में 57,543 किसानों को 253.15 करोड़ रुपये, बिल्सी में 51,532 किसानों को 226.73 करोड़ रुपये तथा शेखूपुर में 30,755 किसानों को 135.12 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है।

डीएम ने बताया कि प्रशासन और कृषि विभाग द्वारा पात्र किसानों का सत्यापन, ई-केवाईसी, आधार सीडिंग और भू-अभिलेखों का मिलान लगातार कराया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि यह योजना किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। समय पर आर्थिक सहायता मिलने से कृषि उत्पादन बढ़ा है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, हत्या का आरोप

जागरण मोर्चा कार्यालय

मृतका का फाइल फोटो।

बदायूं। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत गई। मायके पक्ष को सूचना मिली तो वह महिला की ससुराल पहुंच गए। उन्होंने गला दबाकर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वजीरगंज थाना क्षेत्र के फैंसी कॉलोनी निवासी प्रमोद ने अपनी बेटी पूजा (35) की शादी करीब 15 साल पहले सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मोहल्ला साईं मंदिर कालोनी नवादा निवासी जितेंद्र के पुत्र मोहित शर्मा के साथ की थी। पूजा के भाई गौरव ने बताया कि शादी के बाद से ससुराल वाले उसकी बहन को आए दिन प्रताड़ित करते थे। कई बार ससुरालियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माने। शुक्रवार को भी ससुराल वालों ने उसे काफी प्रताड़ित किया।

और जमकर उसके साथ मारपीट की। भाई का आरोप है कि ससुराल वालों ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और फरार हो गए। मृतका के बच्चों की सूचना पर मायके वाले उसकी ससुराल पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुहागरात पर दूल्हे को जहरीले सांप ने डसा, मौत

मेहंदी सूखने से पहले उजड़ गया दुल्हन रश्मि का सुहाग

जागरण मोर्चा कार्यालय

युवक की मौत के बाद रोते बिलखते परिजन। -जागरण मोर्चा

बदायूं। उघैती थाना क्षेत्र के गांव रियोनाई निवासी बबलू मौर्य की मौत के बाद पत्नी रश्मि का रो-रोकर बुरा हाल है। एक दिन पहले ही वह विदा होकर अपने ससुराल आई थी।

शादी के घर में शहनाइयां गूंज रही थीं। नई नवेली दुल्हन रश्मि ससुराल में नई जिंदगी के सपने संजो रही थी। पूरा परिवार शादी की रस्मों में व्यस्त था। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि सुहागरात से पहले ही मौत दरवाजे पर दस्तक दे देगी। बदायूं के उघैती थाना क्षेत्र के रियोनाई गांव में जहरीले सांप के डसने से दूल्हे बबलू मौर्य की मौत हो गई। देखते ही देखते शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। दुल्हन की मेहंदी का रंग फीका पड़ने से पहले ही उसकी मांग का सिंदूर उजड़ गया। संभल के गांव लौहरपुरा गई थी बबलू की बारात बबलू मौर्य की बारात बुधवार को संभल जिले के गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र के गांव लौहरपुरा गई थी। गुरुवार दोपहर वह अपनी पत्नी रश्मि को विदा कराकर घर लौटा। दिनभर घर में नवविवाहित जोड़े के स्वागत और शादी की रस्में चलती रहीं। रात में परिवार ने परंपरा के अनुसार नवदंपती के लिए कमरे में जमीन पर बिस्तर लगाया। देर रात किसी समय जहरीले सांप ने बबलू की गर्दन पर डस लिया। सुबह उसकी हालत बिगड़ती देख परिजन पहले सहसवान के एक निजी अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने सर्पदंश की पुष्टि की। इसके बाद उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद डॉक्टर उसे बचा नहीं सके और मृत घोषित कर दिया। अचानक हुए इस हादसे को परिवार स्वीकार नहीं कर सका। परिजन अंतिम उम्मीद के सहारे बबलू के शव को लेकर सपेरों और झाड़-फूंक करने वाले तांत्रिकों के पास भी पहुंचे। घंटों तक कोशिशें होती रहीं, लेकिन कोई चमत्कार नहीं हुआ। आखिरकार परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए अंतिम संस्कार कर दिया। पत्नी रश्मि का रो-रोकर बुरा हाल बबलू की मौत के बाद पत्नी रश्मि का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस आंगन में एक दिन पहले तक बैंड-बाजे, मंगलगीत और हंसी-खुशी का माहौल था, वहां अब सिर्फ सिसकियां और मातम पसरा है।

संक्षेप समाचार

यज्ञ, संस्कार और अध्यात्म भारतीय संस्कृति की हैं अमूल्य धरोहर : वर्मा

उझानी के मुहल्ला अहीर टोला स्थित शिक्षक स्वर्गीय जय सिंह यादव की चौपाल पर दीप प्रज्वलित करतीं मातृशक्तियां व देवकन्याएं।। -जागरण मोर्चा

उझानी। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार से आई ज्योति कलश रथ यात्रा का मोहल्ला अहिर टोला स्थित शिक्षक जय सिंह यादव की चौपाल पर विराट दीपयज्ञ और पांच कुण्डीय यज्ञ हुआ। मातृशक्तियों एवं देवकन्याओं ने परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष, 24 सौ तीर्थों के जल एवं रज से युक्त शक्ति कलश, युग ऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा सौ वर्षों से प्रज्ज्वलित अखंड दीप का पूजन किया। लोकमंगल की कामना से यज्ञ भगवान को गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र की विशेष आहुतियां समर्पित कीं। मुख्य वक्ता जिला समन्वयक शाहजहांपुर सूरज वर्मा ने कहा कि यज्ञ, संस्कार और आध्यात्म भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि गौ, गंगा, गायत्री और गीता जीवनदायिनी है। मानव में देवत्व जगातीं, सन्मार्ग दिखातीं हैं। गायत्री शक्तिपीठ के नत्थूलाल शर्मा ने कहा कि यज्ञ त्याग, सेवा, सहयोग और लोकमंगल का श्रेष्ठ माध्यम है। यज्ञ से वातावरण के साथ मन और विचार भी पवित्र होते हैं।संस्कारवान व्यक्ति ही परिवार, समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का आधार बनता है।गायत्री परिवार के संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि बच्चों में यज्ञ, संस्कार और आध्यात्म का बीजारोपण समय की मांग है। संस्कारों से युक्त नई पीढ़ी ही श्रेष्ठ समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण करेगी। उन्होंने वेदमंत्रोच्चालण कर पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ संपन्न कराया। प्रज्ञा मंडल के पंकज कुमार और भवेश शर्मा ने विराट दीपयज्ञ संपन्न कराया। जिला समन्वयक नरेंद्र पाल शर्मा ने बताया गायत्री शक्तिपीठ पर 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पर्व, 2 अगस्त को ज्योति कलश रथ यात्रा के समापन पर पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ होगा। वरिष्ठ ट्रस्टी सुखपाल शर्मा, दया शर्मा, ममता ने पूजन कराया। रथ चालक राकेश कुमार सिंह ने प्रज्ञा सुनाए। मुख्य यजमान आर्येंद्र सिंह-मुन्नी देवी ने मां गायत्री का पूजन, ध्रुव यादव-मोना यादव ने अखंड ज्योति, भुवनेश शर्मा और धीरेंद्र सोंलंकी-सपना ने गुरु पूजन पूजन किया।इस मौके पर ममता शर्मा, साधना सोलंकी, धीरेन्द्र यादव, विजेंद्र यादव, राम सिंह प्रजापति, धर्मेंद्र यादव बहादुर, नक्षत्रपाल सिंह, गौरव, जितेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह, शेर सिंह, वैभव शर्मा, विवेक अग्रवाल, सुजाता माहेश्वरी आदि मौजूद रहीं।

छात्रों के संघर्ष की जीत: केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा ऐतिहासिक : आबिद रजा

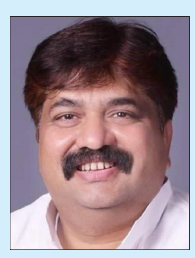

बदायूं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री आबिद रजा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देशभर के छात्रों और युवाओं की ऐतिहासिक जीत बताया है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक मंत्री का इस्तीफा नहीं, बल्कि लाखों छात्रों के संघर्ष, उनकी आवाज और लोकतांत्रिक अधिकारों की जीत है। आबिद रजा ने कहा कि बीते कई महीनों से प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था की खामियों को लेकर छात्रों में भारी आक्रोश था। छात्रों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाया, लेकिन उनकी आवाज को लंबे समय तक अनदेखा किया गया। अंतत : विपक्ष के दबाव और जनभावनाओं के कारण सरकार को झुकना पड़ा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से छात्रों और युवाओं के हितों की लड़ाई लड़ती रही है। पार्टी ने संसद से लेकर सड़क तक परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। पूर्व मंत्री ने कहा कि केवल इस्तीफा देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार, परीक्षा संचालन में पारदर्शिता और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में छात्रों के हितों की अनदेखी हुई तो समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी। आबिद रजा ने युवाओं से अपील की कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास बनाए रखें। उन्होंने केंद्र सरकार से शिक्षा व्यवस्था को राजनीति से ऊपर उठाकर निष्पक्ष और विश्वसनीय बनाने की मांग की।

लेखपालों के हंगामे के बाद हरकत में आई पुलिस, आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

बदायूं। लेखपालों के हंगामे और विरोध प्रदर्शन के बाद इस्लामनगर पुलिस बैकफुट पर आती नजर आई। आनन-फानन में पुलिस ने राजस्व टीम के साथ अभद्रता और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। शनिवार को थाना इस्लामनगर में आयोजित समाधान दिवस के दौरान कानूनगो बलवीर सिंह ने उपजिलाधिकारी बिल्सी के समक्ष प्रार्थना-पत्र देकर पूरे प्रकरण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्राम चंदोई की मढ़ैया में प्राची पुत्री स्व. वेद प्रकाश की करीब 6 .30 बीघा जमीन पर पिछले लगभग 25 वर्षों से उरमान सिंह जाटव निवासी निठारा का कब्जा चला आ रहा था। इस भूमि विवाद में न्यायालय का निर्णय प्राची के पक्ष में होने के बाद राजस्व विभाग को कब्जा दिलाने की कार्रवाई करनी थी। बताया गया कि 13 जुलाई को राजस्व टीम मौके पर कब्जा दिलाने पहुंची थी। इसी दौरान प्रतिपक्ष के हरिनारायण समेत तीन लोगों ने सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए टीम के साथ अभद्रता की और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के बाद लेखपालों में रोष फैल गया और उन्होंने कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किया। मामले को तूल पकड़ता देख पुलिस हरकत में आई और कानूनगो की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अकेली रह रही महिला के घर में घुसे आरोपी को मौके से पकड़कर पुलिस को सौंपा, रुपये लेकर छोड़ने का आरोप

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। जिले की कानून व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। वजीरगंज थाना पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए पीड़ित पक्ष ने कहा है कि घर में घुसकर उत्पात मचाने वाले आरोपी को पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय रुपये लेकर छोड़ दिया। इसके बाद से आरोपी लगातार पीड़ित परिवार को प्रताड़ित कर रहा है, लेकिन पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है।

वजीरगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले किसान ने थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि उसकी पुत्रवधू एक मकान में अकेले रहती है। 20 जुलाई की रात को मोहल्ले का ही रहने वाला एक युवक घर में घुस आया। जिसे परिवार के लोगों ने मौके पर पकड़ कर पीट दिया और पुलिस के हवाले कर दिया। डायल 112 पुलिस रहेडिया चौकी ले गई, जहां रातों-रात चौकी प्रभारी यशपाल सिंह ने अपनी पुलिस टीम के साथ आरोपी के परिजनों से मोटी रकम लेकर रात में ही छोड़ दिया। साथ ही महिला से एक प्रार्थना पत्र लेकर पीड़ित परिवार को ही फ़साने की साजिश रच डाली। पीड़ित परिवार के एक व्यक्ति को चौकी में बिठाकर पीटा गया।

हैरान करने वाली बात तो यह है कि इस मामले की जान जानकारी उच्च अधिकारियों को छोड़ो लेकिन थाना प्रभारी को भी नहीं दी गई। चौकी प्रभारी दोनों पक्षों में फैसला करने का दबाव बनाते रहे। किसी तरह यह मामला थाने पहुंचा तो थाना प्रभारी अश्वनी कुमार ने चौकी इंचार्ज को फटकार तो लगायी लेकिन बाद में चौकी इंचार्ज ने जो पढ़ा दिया उसी के आधार पर वह शांत हो गए। इसका मतलब है कि चौकी इंचार्ज ने कहा कि मोटी रकम मिल गई है। शांति बनाये रखो। फिर क्या छह दिन बाद भी पीड़ित न्याय को तरस रहा है।

> इस तरह का कोई प्रकरण मेरे संज्ञान में नहीं है। अगर ऐसा कोई मामला है तो . जांच कराई जाएगी। इस तरह की लापरवाही करने वाले कर्मचारियों को छोड़ा नहीं जाएगा। जांच में दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।
>
> -अंकिता शर्मा, एसएसपी बदायूं

आरोपी पक्ष का नया दाव, आरोपी कि शादी के कर दिए फोटो वायरल

हद उस समय हुई ज़ब आरोपी ने अपने भाई की साली से शादी कर रातों रात कर ली और शादी के फोटो पीड़ित पक्ष को भेज दिए। आरोपी ने पीड़ित परिवार सहित दावत में आने का कार्ड सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिए। पीड़ित परिवार का गांव में रहना अब दूभर हो गया है। पीड़ित परिवार अब गांव से पलायन भी कर सकता है। इसकी मुख्य वजह थाना पुलिस बनी है।

ऑपरेशन के पैसों को लेकर हंगामा, मरीज से मारपीट के आरोप में रामा हॉस्पिटल का घेराव

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। शहर के इंद्रा चौक स्थित रामा हॉस्पिटल शनिवार को उस समय विवादों में घिर गया, जब पथरी के ऑपरेशन को लेकर पहुंचे एक मरीज और उसके परिजनों ने डॉक्टर व अस्पताल स्टाफ पर मारपीट का आरोप लगाया। घटना के बाद बड़ी संख्या में परिजन और स्थानीय लोग अस्पताल पहुंच गए और घेराव कर विरोध-प्रदर्शन किया।

पीड़ित देव पाठक निवासी बदायूं के मुताबिक, वह अपने माता-पिता के साथ पथरी का ऑपरेशन कराने अस्पताल पहुंचे थे। आरोप है कि डॉक्टर ने ऑपरेशन के लिए करीब 40 हजार रुपये खर्च बताया। जब उन्होंने फीस में कुछ रियायत की बात कही तो डॉक्टर नाराज हो गए और कथित तौर पर उनकी फाइल फेंकते हुए अपमानजनक टिप्पणी की। देव का आरोप है कि उनके पिता द्वारा विरोध जताने पर मामला और बिगड़ गया। इसके बाद डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ ने मुख्य गेट बंद कर दिया और उनके साथ मारपीट की। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित परिवार ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से होमगार्ड जवान की मौत, परिवार में कोहराम

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। अलापुर थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से एक होमगार्ड जवान की मौत हो गई। वह हजरतपुर से रात की डयूटी करके वापस अपने घर लौट रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। होमगार्ड जवान की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। उसहैत थाना क्षेत्र के गांव बबई भटपुरा निवासी हरिराम (50) पुत्र रामस्वरुप होमगार्ड विभाग में तैनात थे। वह रोजाना शाम को हजरतपुर थाने में डयूटी करने जाते थे। शनिवार तड़के करीब 5 बजे वह डयूटी करके बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान म्याऊं-उसहैत मार्ग पर गांव ढका के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। राहगीरों ने उन्हें जब घायलावस्था में पड़े देखा तो नजदीकी अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम को भिजवाया। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी है।

बिसौली में सपा कार्यकर्ताओं ने मनाई फूलन देवी की पुण्यतिथि, किया माल्यार्पण

जागरण मोर्चा कार्यालय

बिसौली। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग भारत सरकार के पूर्व कोऑर्डिनेटर सतीश प्रेमी के कैंप कार्यालय पर पूर्व सांसद फूलन देवी की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके योगदान को याद किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सतीश प्रेमी ने कहा कि फूलन देवी महिला सशक्तिकरण की सशक्त प्रतीक थीं। उन्होंने अपने जीवन में अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष करते हुए समाज के वंचित वर्गों की आवाज बुलंद की। वह सामाजिक न्याय की ऐसी योद्धा थीं, जिन्होंने शोषण के विरुद्ध डटकर मुकाबला किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने उन्हें संसद में भेजकर सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया था।

इस अवसर पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने भी फूलन देवी के संघर्षपूर्ण जीवन और समाज के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में ई. पंकज यादव, सुबोध यादव, हेमेंद्र यादव, विकास यादव, विनोद यादव, गौरव प्रधान, राजकुमार सागर, प्रभात कुमार, छविराम जाटव, रविंद्र यादव, विशाल, कपिल देव, अमित यादव सहित अनेक सपा कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, 14 छात्राओं को साइकिल व महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित

जागरण मोर्चा कार्यालय

कार्यक्रम में मौजूद लोग। -जागरण मोर्चा

बिसौली। वृंदा कोल्ड स्टोरेज परिसर में शनिवार को स्वर्गीय डा. अजय अग्रवाल (बगिया वालों) की 14वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके सामाजिक योगदान को याद किया।

देव शयन एकादशी के शुभ अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में समाजसेवा की भावना के तहत जरूरतमंदों को सहायता सामग्री वितरित की गई। आयोजन के दौरान 14 जरूरतमंद छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से साइकिलें प्रदान की गईं, जबकि 14 महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई मशीनें भेंट की गईं।

कार्यक्रम का आयोजन केशव अग्रवाल द्वारा अपने पिता स्व. डा. अजय अग्रवाल की स्मृति में किया गया। उन्होंने कहा कि उनके पिता सदैव समाजसेवा और जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित करते रहे, उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यह प्रयास किया गया है।

इस मौके पर ममता रानी, केशव अग्रवाल, डा. विभूति अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, रवि प्रकाश अग्रवाल, सुमित मिश्रा, प्रनय अग्रवाल, हर्षित अग्रवाल, जतिन अग्रवाल, विष्णु कांत अग्रवाल, कृष्ण कांत अग्रवाल, विपिन कांत अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, शोभित अग्रवाल, रचित अग्रवाल सहित कई समाजसेवी, गणमान्य नागरिक और लाभार्थी परिवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन श्रद्धांजलि अर्पित करने और समाजहित में कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

ऊना हिमाचल एक्सप्रेस की चपेट में आकर पांच भैंसों की मौत

आसफपुर। कोतवाली बिसौली क्षेत्र के गांव सेटा खेड़ा निवासी किसान एवं मजदूर सोमपाल पुत्र गुलाब सिंह की पांच भैंसें शनिवार शाम करीब चार बजे ऊना हिमाचल एक्सप्रेस की चपेट में आकर कट गईं। हादसे में पांचों भैंसों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से किसान परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और उन्हें लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार, सोमपाल खेती के साथ मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनकी आजीविका का प्रमुख साधन पशुपालन भी है। शनिवार को वह रोज की तरह अपनी पांचों भैंसों को चराने के लिए खेत पर ले गए थे। इसी दौरान क्षेत्र में हल्की बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण कुछ देर के लिए उनका ध्यान भैंसों से हट गया।

आयोजन कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ

राजकीय मेडिकल कॉलेज में मनाया गया तृतीय कॉलेज दिवस

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। राजकीय मेडिकल कॉलेज में शनिवार को तृतीय कॉलेज दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। यह आयोजन संस्थान की उपलब्धियों के उत्सव के साथ-साथ भविष्य की नई योजनाओं के संकल्प का प्रतीक बना। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में के.एम. विश्वविद्यालय, मथुरा के कुलपति एवं पूर्व प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एन.सी. प्रजापति ने शिरकत की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) शिव कुमार, उप-प्रधानाचार्य डॉ. नेहा सिंह एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विपिन कुमार भी मंच पर मौजूद रहे। प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) शिव कुमार ने अपने संबोधन में कॉलेज की स्थापना से अब तक की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि संस्थान ने अल्प समय में शिक्षा, चिकित्सा सेवा एवं शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कॉलेज डायरी का विमोचन भी किया और भविष्य में सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं के विस्तार की जानकारी दी। समारोह का मुख्य आकर्षण मेधावी छात्र सम्मान रहा, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को कुल 19 प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। इनमें 18 सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर, एक सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट तथा एक स्वर्ण पदक शामिल रहा। एमबीबीएस की सभी प्रोफेशनल परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर 2021 बैच की छात्रा मिताली गर्ग को "एन. सी. प्रजापति गोल्ड मेडल अवार्ड" से सम्मानित किया गया। उनके नाम की घोषणा होते ही सभागार तालियों से गूंज उठा। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एन.सी. प्रजापति ने कहा कि चिकित्सा सेवा एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विपिन कुमार ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में चिकित्सक, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

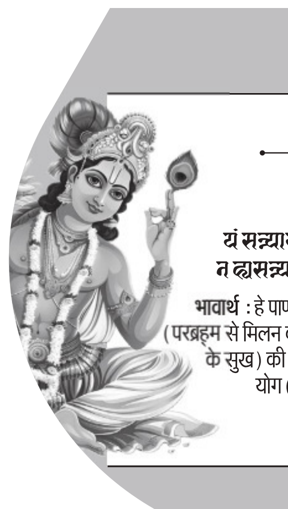

गीता सार

यं सन्न्यासमिति प्राहुर्योगं तं विद्धि पाण्डव।
न ह्यसन्न्यस्तसङ्कल्पो योगी भवति कश्चन॥

भावार्थ : हे पाण्डुपुत्र! जिसे संन्यास कहते हैं, उसे ही तू योग (परब्रह्म से मिलन कराने वाला) समझ, क्योंकि इंद्रिय-सुख (शरीर के सुख) की इच्छा का त्याग किये बिना कभी भी कोई मनुष्य योग (परमात्मा) को प्राप्त नहीं हो सकता है।

भारत आएंगे तारिक रहमान!

नई दिल्ली में सितंबर में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया है। दोनों पड़ोसी देशों के बीच आई कड़वाहट को दूर करने और रिश्तों को पुनः सामान्य करने की दिशा में इसे भारत का एक अहम कूटनीतिक कदम माना जा रहा है। भारत इस साल 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट की मेजबानी कर रहा है। भले ही बांग्लादेश ब्रिक्स का सदस्य या ऑब्जर्वर देश नहीं है, लेकिन भारत ने उसे विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। बांग्लादेश की उप-विदेश मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने गुरुवार को ढाका में इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि भारतीय पक्ष का निमंत्रण पत्र विदेश मंत्रालय को मिल गया है और अंतिम

फैसले के लिए इसे प्रधानमंत्री कार्यालय भेज दिया गया है। अगर तारिक रहमान यह न्योता स्वीकार करते हैं, तो फरवरी 2026 में उनकी पार्टी बीएनपी की सरकार बनने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा होगा। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तारिक रहमान के बीच पहली द्विपक्षीय बातचीत का रास्ता भी खुलेगा। इससे पहले, फरवरी में रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने गए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के जरिए भी पीएम मोदी ने उन्हें भारत आने का न्योता भेजा था। हालांकि, सत्ता संभालने के बाद रहमान ने अपने पहले विदेशी दौरों के लिए भारत के बजाय मलेशिया और चीन को चुना था। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली लगभग 15 महीने की अंतरिम सरकार के दौरान दोनों देशों के रिश्ते अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे। अगस्त 2024 में सत्ता गंवाने के बाद से पूर्व पीएम शेख हसीना भारत में रह रही हैं, और उनके प्रत्यर्पण की ढाका की लगातार मांग द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़ी अड़चन बनी हुई है। तारिक रहमान की चीन यात्रा को उनकी 'बांग्लादेश फर्स्ट' नीति का हिस्सा माना गया, जो शेख हसीना की भारत को प्राथमिकता देने वाली विदेश नीति से बिल्कुल अलग है। शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से दोनों देशों के बीच उच्च-स्तरीय संपर्क लगभग ठप पड़ा है। ऐसे में रहमान का भारत आना कई मायनों में अहम साबित हो सकता है। गंगा जल संधि (1996) की वैधता 31 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रही है। डेडलाइन से पहले दोनों देशों को इसके रिन्यूअल ड्राफ्ट पर चर्चा करनी है और उसे अंतिम रूप देना है। दोनों देश आपसी रिश्तों को फिर से मजबूत करने के लिए बड़े बदलाव कर रहे हैं। भारत ने हाल ही में बीजेपी नेता दिनेश त्रिवेदी को ढाका में अपना नया उच्चायुक्त नियुक्त किया है, जो एक राजनीतिक नियुक्ति है और यह दर्शाता है कि भारत इस रिश्ते को कितनी अहमियत दे रहा है। वहीं, बांग्लादेश भी नई दिल्ली में वर्तमान दूत रियाज हमीदुल्लाह की जगह असदुल्लाह आलम सियाम को अपना नया उच्चायुक्त बनाने की तैयारी कर रहा है।

सोनम वांगचुक ने खत्म किया अनशन

अब सीजेपी आंदोलन का क्या होगा?

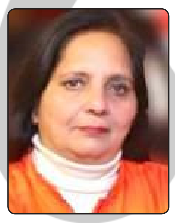

नौशाबा परवीन

एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने 23 जुलाई की देर रात 26 दिनों के बाद अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी। 59-वर्षीय वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थन में भूख हड़ताल शुरु की थी, जिसके युवा सदस्य केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की भी मांग कर रहे हैं। एक्स पर अपनी पोस्ट में वांगचुक, जो 'सोनम सर' के नाम से अधिक विख्यात हैं, ने कहा कि 'विभिन्न शर्तों पर लंबी वार्ता' और साथ ही 'देश में आशंकित हिंसा' को रोकने के लिए वह अपनी भूख हड़ताल खत्म कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने कहा था कि वह 11 किलो वजन खोने के बाद 'अब भी जिंदा' हैं। वह नई दिल्ली के जंतर मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे थे, जहां से उन्हें 18 जुलाई 2026 को जबरन उठाकर अस्पताल पहुंचाया गया।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने एक्स पर लिखा, "हम चिंतामुक्त और एहसानमंद हैं कि सोनम सर ने 26 दिनों के बाद अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी है।" लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा, "कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन उस समय तक जारी रहेगा, जब तक धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं हो जाता।" गौरतलब है कि नीट-यूजी का मई में पेपर लीक हुआ था। यही पेपर 2024 में भी लीक हुआ था, जिसका मास्टरमाइंड बिहार का संजीव मुखिया बताया गया था, जो 11 माह तक फरार रहा, फिर जब गिरफ्तार किया गया तो तीन माह तक उसके खिलाफ अदालत में आरोप-पत्र ही नहीं दाखिल किया गया, जिससे उसे जमानत मिल गई और अब सीबीआई का कहना है कि उसके खिलाफ कोई आरोप बनता ही नहीं है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कह रहे हैं कि पेपर लीक केस फास्ट-ट्रैक अदालतों में चलाए जाएंगे। जब सही से जांच नहीं होगी तो फास्ट-ट्रैक अदालतें ही क्या करेंगी? निरंतर पेपर लीकों की एक लंबी सूची है, जिनमें कोई जवाबदेही स्थापित नहीं की गई है। मध्य प्रदेश के 2013 व्यापम घोटाले में तो राजनेताओं, अधिकारियों और बिचौलियों ने रिश्वत लेकर मेडिकल व इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं तथा सरकारी नौकरियों में भारी धांधली की थी, योग्य छात्रों के स्थान पर डमी उम्मीदवार बैठाए और ओएमआर शीट में हेरफेर की। हजारों करोड़ रूपये के इस घोटाले से जुड़े 30 से ज्यादा गवाहों, आरोपियों व संदिग्ध व्यक्तियों की रहस्यमय और अप्राकृतिक परिस्थितियों में मौतें भी हुईं, जिससे देशभर में सनसनी फैली। लेकिन हुआ क्या? जांच और अदालती प्रक्रिया अभी भी जारी है; बस पटवारी भर्ती परीक्षा-2008 में दिसंबर 2025 में सीबीआई विशेष अदालत, इंदौर ने 10 लोगों को 5-5 साल के कारावास की सजा अवश्य सुनाई है। लेकिन पेपर लीक और परीक्षा व भर्ती से संबंधित घोटाले जारी रहे। दरअसल, वांगचुक ने सीजेपी के 20 जून से चल रहे आंदोलन के समर्थन में भूख हड़ताल की थी, जिसकी मुख्य मांगें हैं कि पेपर लीक की नैतिक जिम्मेदारी

लेते हुए धर्मेंद्र प्रधान अपने पद से इस्तीफा दें, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को भंग किया जाए, जिन 21 छात्रों ने पेपर लीक के कारण आत्महत्या की है, उनके परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए और जो लोग परीक्षाओं में अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए। क्या सरकार ने इन मांगों को मान लिया है जो वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी है? वांगचुक से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने अस्पताल में मुलाकात की और चंद चीजों का आश्वासन दिया। मांगें मानने और आश्वासन देने में अंतर होता है। वैसे वांगचुक के बिगड़ते हुए स्वास्थ्य को मद्देनजर रखते हुए समाज के सभी वर्गों की महत्वपूर्ण शख्सियतों ने वांगचुक से अपनी भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की थी। हालांकि गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सरकार ने विपक्ष के नेताओं को तो वांगचुक से मिलने नहीं दिया। लेकिन 23 जुलाई को केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा व डा. जितेंद्र सिंह उनसे मिले और उन्हें आश्वासन दिया कि परीक्षा सुधारों और पेपर लीक पर जवाबदेही की जो छात्रों की मांगें हैं उन्हें संबोधित किया जाएगा। सरकार ने इस बात का भी आश्वासन दिया है कि जिन युवाओं व छात्रों ने 20 जुलाई को संसद मार्च में हिस्सा लिया था या जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया उनके खिलाफ मामले दर्ज नहीं होंगे। लेकिन इस बारे में कोई बात सामने नहीं आयी कि जिन पुलिसकर्मियों व सादे कपड़ों में रहस्यमय व्यक्तियों ने कील लगी लाठियां निहत्थे छात्रों पर बरसाईं और छात्राओं के कपड़े फाड़े व उनके प्राइवेट पार्ट्स पर लाठी मारी, जिससे 100 से अधिक छात्र अस्पताल पहुंचे तो उनके खिलाफ क्या कार्यवाही होगी? प्रदर्शन स्थल पर पत्थरों से भरा ट्रक कौन और क्यों लाया था? कहने का अर्थ यह है कि छात्रों की जो मुख्य मांगें हैं उन पर सरकार ने न कोई वायदा किया है और न ही कोई आश्वासन दिया है। प्रश्न प्रासंगिक है कि वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल क्यों समाप्त की। इसके कुछ मुख्य कारण ये प्रतीत होते हैं- वांगचुक शांतिप्रिय व्यक्ति हैं, उनको डर था कि कहीं पूरे देश में अशांति व हिंसा न फैल जाए। इसलिए उन्होंने जनता से सतर्क व शांतिपूर्ण रहने की अपील भी की। दूसरा यह कि वांगचुक की सेहत निरंतर बद से बदतर होती जा रही थी। प्रधानमंत्री सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के 65 सांसदों ने उनसे अपनी भूख हड़ताल समाप्त करने व अपनी सेहत को प्राथमिकता देने का आग्रह किया था। शंकराचार्य से लेकर फिल्मी हस्तियां व देश के प्रमुख खिलाड़ी भी उनसे यही अपील कर रहे थे। इसलिए यह भी मुमकिन है कि जन भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्होंने अपनी भूख हड़ताल खत्म करने का फैसला लिया हो, विशेषकर अपने परिवार के कहने पर। वैसे इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि वांगचुक पर सरकार ने अपनी तरह से कोई दबाव बनाया हो, जैसा कि सरकारें अक्सर किया करती हैं। वांगचुक को पहले भी एनएसए के तहत जेल भेजा जा चुका है। हाल ही में जिलाधिकारी, लेह का 28 फरवरी 2007 का एक पत्र भी वायरल किया गया, जिसमें अन्य बातों के अतिरिक्त यह भी कहा गया है- "आप (वांगचुक) के चीन व अन्य जगहों पर राष्ट्रविरोधी संपर्क हैं, जिनका राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए शोषण किया गया है या किया जा सकता है।"

इमेज

श्रीरामचरितमानस

गईं समीप महेस तब हँसि पूछी कुसलात।
लीन्हि परीछा कवन बिधि कहहु सत्य सब बात॥

भावार्थ : जब पास पहुंचीं, तब श्री शिवजी ने हंसकर कुशल प्रश्न करके कहा कि तुमने रामजी की किस प्रकार परीक्षा ली, सारी बात सच-सच कहो॥

मानुषी/बागवानी

15 मिनट का किचन गार्डेन बेहद व्यस्त लोगों के लिए

अनु आर.

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी के पास समय नहीं है, किसी भी काम के लिए। यही वजह है कि किचन गार्डेन तो हर कोई बनाना चाहता है, लेकिन यह सोचकर अपनी इच्छा मार लेता है कि इसके लिए हर दिन घंटों का समय कहां से लाएं। दरअसल यह सही नहीं है। अगर व्यवस्थित तरीके से योजनाएं बनाई जाएं, तो 15 मिनट भी अगर हर दिन निकाले जा सकें, तो उससे हम अपना किचन गार्डेन तैयार कर सकते हैं। ये सब कैसे हो सकता है आइये इस पर बात करें। अकसर लोग शुरुआत में ही बहुत सारे गमले खरीद लेते हैं, इसलिए कुछ ही दिनों बाद उनके लिए किचन गार्डेन बेहद मुश्किल हो जाता है और उत्साह खत्म हो जाता है। इसलिए बेहतर है कि शुरुआत सिर्फ पांच-छह गमलों से करें और जब नियमित देखभाल की आदत बन जाए, तो धीरे-धीरे फिर पौधे बढ़ाते रहे। शुरू के पांच छह गमलों के लिए धनिया, पुदीना, हरी मिर्च, पालक, मेथी और तुलसी को चुनें। इससे एक तो हर दिन रसोई के लिए काम की चीजें मिल जाएंगी, जिससे व्यस्त भी रहेंगी और धीरे-धीरे इससे उत्साह भी बढ़ेगा। यदि बागवानी को रोज की दिनचर्या का हिस्सा बना लिया जाए तो यह बोझ नहीं लगेगी। सुबह या शाम केवल 15 मिनट इसके लिए पर्याप्त हैं।

पहले 5 मिनट पौधों का निरीक्षण करें, फिर देखें कि कहीं कोई पत्ती पीली तो नहीं पड़ रही। किसी पौधे पर कीट तो नहीं है या गमले की मिट्टी तो बहुत सूखी नहीं है। अगले पांच मिनट केवल जरूरत वाले पौधों को पानी दें। मानसून के दिनों में तो अकसर पानी देने की भी जरूरत नहीं होती। पानी देने के पहले गमले की मिट्टी को छूकर देख लें। अगर नमी हो तो पानी देने की कोई जरूरत नहीं है। पानी तभी दें, जब मिट्टी सूखी हो। आखिर के पांच मिनट में सूखी पत्तियां हटाएं, खरपतवार निकालें और अगर किसी पौधे को सहारा देना हो तो दें। ये छोटी-छोटी आदतें बड़े नुकसान से बचाती हैं। जब पहले पांच छह गमलों के बाद अपने किचन गार्डेन में और पौधा बढ़ाएं तो करी पत्ता, लेमन ग्रास, एलोवेरा, अजवाइन और गिलोय को चुनें। एक तो इन्हें देखभाल कम करनी पड़ती है और दूसरा फायद यह कि ये भी रोजमर्रा के लिए बेहद उपयोगी है। इसके साथ ही पौधों को पानी देने के लिए स्मार्ट तरीका अपनाएं।

तिथि विशेष

जल सुरक्षा जागरुकता दिवस

जल जीवन का आधार है, लेकिन यही जल कई बार जानलेवा भी साबित हो सकता है। हर वर्ष दुनिया भर में लाखों लोग डूबने की घटनाओं में अपनी जान गंवा देते हैं, जिनमें बच्चों की संख्या अधिक होती है। इसी

गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए 25 जुलाई को जल सुरक्षा जागरुकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को पानी से जुड़े खतरों के प्रति सचेत करना और बचाव के उपायों की जानकारी देना है। भारत जैसे देश में, जहां मानसून के दौरान नदियां उफान पर होती हैं और कई क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बन जाती है, जल सुरक्षा का महत्व और भी बढ़ जाता है। गांवों और शहरों में खुले कुएं, तालाब, नहरें और जलभराव वाले स्थान दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। अक्सर लोग बिना सुरक्षा उपायों के पानी में उतर जाते हैं, जिससे हादसे हो जाते हैं। जल सुरक्षा के लिए सबसे जरूरी है सावधानी और जागरुकता। बच्चों को कम उम्र से ही तैराकी सिखाना चाहिए और उन्हें पानी के पास अकेला नहीं छोड़ना चाहिए। गहरे पानी में जाते समय लाइफ जैकेट का उपयोग करना अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा, बाढ़ या तेज बहाव वाले पानी में प्रवेश करने से बचना चाहिए। सरकार और विभिन्न संस्थाएं भी समय-समय पर जागरुकता अभियान चलाती हैं, लेकिन आम नागरिकों की भागीदारी के बिना यह प्रयास अधूरा है। स्कूलों में जल सुरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण और प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) की जानकारी दी जानी चाहिए। अंततः, जल सुरक्षा केवल एक दिन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि रोजमर्रा की आदत बननी चाहिए। थोड़ी सी सतर्कता और सही जानकारी से हम कई अनमोल जिंदगियों को बचा सकते हैं।

खेल-खिलाड़ी

जापान ओपन में सिंधु की ऐतिहासिक जीत

सारिम अन्ना

सात साल पहले वर्ल्ड चैंपियनशिप्स जीतने के बाद पीवी सिंधु ने अपने प्रभावी करियर में एक और मील का पत्थर शामिल किया कि वह जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। सिंधु पिछले दो वर्ष के दौरान कोई भी खिताब न जीत सकीं थीं। लोगों की जबानें खुलने लगी थीं कि उनका करियर खत्म हो गया है और अब शादी करने के बाद उन्हें खेल से रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। लेकिन 19 जुलाई 2026 को टोक्यो में खिताबी जीत हासिल करके उन्होंने बैडमिंटन संसार को बता दिया कि वह क्यों भारत की महानतम चपियनों में से एक हैं। दो बार ओलंपिक पदक (रजत व कांस्य) जीतने वाली सिंधु ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जापान की ही अकाने यामागुची को महिला एकल के फाइनल में 21-17, 21-17 से पराजित करके जापान ओपन का सुपर-750 खिताब अपने नाम किया।

इमेज

यह जीत उस समय आई जब सिंधु अपने 31वें जन्मदिवस के बाद दो सप्ताह ऊपर गुजार चुकी थीं। इसी के साथ उनका 595-दिन का खिताबी सूखा भी समाप्त हो गया। सिंधु का यह पहला सुपर-750 खिताब है। यामागुची के खिलाफ सिंधु ने अभी तक 30 मैच खेले हैं, जिनमें यह उनकी 16वीं जीत है। मैच के बाद भावुक हुईं सिंधु ने बताया, "मैं बहुत खुश हूं। इस समय मेरे पास शब्द नहीं हैं क्योंकि 19 महीने बाद मुझे खिताबी जीत हासिल हुई है।" गौरतलब है कि हाल के वर्षों में भारत की इस सबसे सफल शटलर के लिए खिताब आना कठिन हो गया था। इससे पहले उनकी अंतिम खिताबी जीत सय्यैद मोदी सुपर-300 में 1 दिसंबर 2024 को आई थी, जब उन्होंने अपने करियर का 20वां खिताब जीता था। पांच बार वर्ल्ड चैंपियनशिप्स के पदक जीतने वाली सिंधु के पास अब अपने डेढ़ दशक से अधिक के करियर में खिताबों का प्रभावी संग्रह हो गया है, जिनमें एक वर्ल्ड चैंपियनशिप, 6 बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल्स, 3 सुपर सीरीज खिताब, 6 ग्रौं प्री क्राउन, 4 इंटरनेशनल चैलेंज/सीरीज टाइटल्स और एक राष्ट्रकुल खेल स्वर्ण पदक शामिल है। इसके बावजूद सिंधु के लिए कम ही जीत इतनी ख़ुशी लायी होंगी जितनी उन्हें टोक्यो में मिली। खिताब तक पहुंचने के लिए सिंधु की राह आसान न थी। उन्होंने फाइनल में वर्तमान विश्व चैंपियन यामागुची को पराजित किया। सिंधु के अनुसार, "वास्तव में मेरी आंखों में आंसू

थे क्योंकि यह जीत हासिल करना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। मैं बहुत अधिक फोकस कर रही थी और अपने ऊपर मेहनत भी बहुत कर रही थी। मैं विश्वास करती रही कि मैं यह कर सकती हूं। हालांकि बहुत से लोग सवाल कर रहे थे कि 'क्या हो रहा है? क्या वह खत्म को गई है?' लेकिन फिर भी मैं अपने ऊपर विश्वास करती रही।" वैसे इस प्रतियोगिता में किस्मत ने भी सिंधु का आखिरकार साथ दिया। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी अन से-यंग, जिन्हें सिंधु 10 मुकाबलों में एक बार भी पराजित नहीं कर सकी हैं, ने प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया क्योंकि उनके लेफ्ट फुट की चोट फिर से उभर आयी थी, ठीक सिंधु के विरुद्ध क्वार्टरफाइनल मुकाबले से पहले। सेमीफाइनल के दूसरे गेम में चेन रिटायर्ड हर्ट हो गईं और सिंधु फाइनल में पहुंच गईं। लेकिन इन स्थितियों से सिंधु की उपलब्धि कमतर नहीं हो जाती है। वह पूरी प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ आक्रमक खेल खेल रही थीं। उन्होंने अपने उस आक्रमक खेल को पुनः खोज लिया था, जिसने उन्हें बैडमिंटन का सबसे बड़ा सितारा बनाया था। चेन ने भी सिंधु के प्रभावी प्रदर्शन को स्वीकार किया था। सेमीफाइनल में रिटायर्ड हर्ट होने के बाद चेन ने कहा था, "उनका (सिंधु) का आक्रमण विस्फोटक था और मैं तो हमेशा डिफेंड करने में ही लगी हुई थी।" फाइनल में भी सिंधु ने यही निडरता दिखायी। पहला गेम 17-17 तक बराबर चला और दूसरे गेम में भी 18-17 तक उतार-चढ़ाव रहा, लेकिन दोनों बार सिंधु ने शक्तिशाली आक्रमक स्ट्रोक्स लगाए और मैच को सीधे गेम्स में जीत लिया। इस प्रतियोगिता में सिंधु का एक नया ही रूप देखने को मिला; वह न सिर्फ जम्प स्मैश मार रही थीं बल्कि अपने पुश में भी काफी सटीक थीं। सवाल यह है कि सिंधु के खेल में यह परिवर्तन कैसे आया? इसके लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी है, अपने शरीर को बड़ी प्रतियोगिता के लिए शेप में लाने के लिए अपने शरीर पर जबरदस्त दबाव डाला। गोपीचंद अकादमी में वर्कआउट करने के बाद वह हैदराबाद के घने ट्रैफिक में लगभग 60 किमी (आना जाना) ट्रेवल करतीं ताकि दो घंटे के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनर श्रीकांत वर्मा मदापल्ली के अंडर ट्रेन कर सकें। यह जरूरी भी था; क्योंकि पूर्व में लंबे मैचों के दौरान सिंधु की हार का कारण थकान ही रही है। श्रीकांत का कहना है कि सिंधु के शरीर में गजब के गुण हैं।

वायरल

2 लाख महीने की कमाई, फिर भी कर्ज में फंसा 27 साल का टेक इंजीनियर

सोचिए, अगर आपकी महीने की सैलरी 2 लाख रुपए हो, तो आप कैसी जिंदगी जिएंगे? ज्यादातर लोग सोचेंगे कि इतने पैसों में तो ऐश की जिंदगी गुजारी जा सकती है। लेकिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 27 साल के एक आईटी पेशेवर की कहानी ने सबको चौंका दिया है। इतने बड़े पैकेज के बावजूद यह युवक आज हर महीने की तनख्वाह पर ही टिका हुआ है और

भारी कर्ज के बोझ तले दबा है। पहले शादी का खर्च, फिर परिवार की आर्थिक मदद और इसके बाद 8-9 महीने पहले नए शहर में शिफ्ट होने का खर्चा। किराए के मकान, नए फर्नीचर, घर के सामान और सिक्योरिटी डिपॉजिट ने उनके बजट का गणित पूरी तरह से बिगाड़ दिया। मुसीबत तब और बढ़ गई जब उनकी पत्नी की नौकरी छूट गई। अब घर चलाने की पूरी जिम्मेदारी अकेले उन्हीं के कंधों पर आ गई। इस अचानक आए वित्तीय दबाव से निपटने के लिए उन्होंने क्रेडिट कार्ड और EMI का सहारा लिया, जो आगे चलकर बहुत भारी पड़ा। उसके ऊपर कुल 4 तरह के कर्ज हैं। रिश्तेदार से 20 लाख रुपए का कर्ज लिया है, जिसकी हर महीने 25,000 रुपए किस्त देता है।

X का एक्सरे

मैं यह बताना चाहता हूं कि यहां खड़ा मेरा भाई उस समय पैलेट गन से घायल हो गया था, जब वह तिरंगा लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन कर रहा था। सरकार का कहना है कि पैलेट गन का इस्तेमाल नहीं किया गया था।

राहुल गांधी

अल्जारी जोसफ ने पाकिस्तान के खिलाफ दो मैच खेलने से मना किया है। जोसफ चोट से वापसी कर रहे है और अब वे खेलना चाहते तो उन्हें टीम में हर हाल में चुना जाता, लेकिन वे उन्होंने मना कर दिया। इससे टीम को नुकसान होगा।

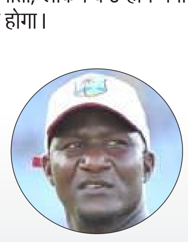

डैरेन सैमी

लोकतांत्रिक देश की सरकार को ऐसा व्यवहार शोभा नहीं देता, बल्कि सरकार को तो छात्रों के साथ खड़े होना चाहिए। छात्रों के भविष्य की रक्षा करना सरकार की नैतिक, राजनीतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी बनती है। लेकिन मोदी सरकार प्रदर्शनकारी छात्रों का दमन कर रही है।

सोनिया गांधी

न्याय की लड़ाई में जो भी छात्र, नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और समर्थक सच और न्याय के पक्ष में निडर होकर खड़े हुए हैं। किसी भी जनआंदोलन की सबसे बड़ी ताकत उसके वे लोग होते हैं जो बिना किसी निजी स्वार्थ अन्याय के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद करते हैं।

भानवी सिंह

एक नजर

पुलिस ने फरार वारंटी को गिरफ्तार कर, न्यायालय में पेश किया

खटीमा। ऑपरेशन प्रहार के तहत कोतवाली पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में की गई कार्यवाही में पुलिस ने न्यायालय में जारी वारंट के बावजूद लगातार फरार चल रहे अलावृद्धि निवासी प्रदीप सिंह पुत्र स्व. धरम सिंह को 25 जुलाई शनिवार को उसके घर से गिरफ्तार किया हैं। पकड़े गए अभियुक्त के विरुद्ध 174/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम से संबंधित फौजदारी वाद संख्या– 371/2020 न्यायालय में विचाराधीन हैं।गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर दिया गया हैं। उप निरीक्षक किशोर पंत की टीम में कांस्टेबल धनीराम आदि सम्मिलित थे।

शिक्षामंत्री का इस्तीफा युवाओं की जीत

बोले- नहीं चली सरकार की मनमर्जी, टॉफियां बांटी, मिठाई खिलाई

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा देने पर लखनऊ में युवाओं ने खुशी मनाई। टॉफियां और मिठाई बांटी। छात्रों ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना ही होगा।

युवाओं के संघर्ष और नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) पेपर लीक पर हो रहे प्रदर्शनों के बीच शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पद से इस्तीफा दे दिया। प्रधान के इस्तीफे की खबर मिलते ही राजधानी के युवाओं ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। इको गार्डन, लखनऊ विश्वविद्यालय और परिवर्तन चौक सहित प्रमुख स्थानों पर युवाओं ने एक-दूसरे को मिठाई व लड्डू खिलाकर बधाई दी।

आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर आजाद के आह्वान पर इको गार्डन में जबरदस्त प्रदर्शन हुआ। देर शाम तक चले प्रदर्शन के बीच जैसे ही इस्तीफे की जानकारी मिली, युवाओं में खुशी की लहर दौड़ गई। चंद्रशेखर आजाद ने प्रधान के इस्तीफे पर कहा कि यह युवाओं की नैतिक जीत है। चंद्रशेखर के आगमन पर युवाओं ने नीट पेपर लीक के विरोध में तरह-तरह के नारे लगाए। जब शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की खबर मिली तो सभी ने बैनर और पोस्टर लहराकर एक-दूसरे को टॉफियां बांटी और मिठाई खिलाकर अभिवादन किया।

छात्र संगठनों ने कहा कि शिक्षा मंत्री ने मात्र इस्तीफा ही नहीं दिया है, बल्कि गड़बड़ी को भी स्वीकार किया है। जिसकी लापरवाही से दो दर्जन से अधिक युवाओं ने नीट पेपर लीक होने पर खुदकुशी कर ली थी। मंत्री के इस्तीफे से साफ संदेश मिला है कि युवा शक्ति बहुत कुछ कर सकती है। उधर, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और इस दौरान जीत के नारे लगाए।

विश्वविद्यालय की छात्रा नेहा सिंह ने कहा कि छात्रों ने संघर्ष किया, लाठियां खाईं, लेकिन हौसले को टूटने नहीं दिया और आंदोलन को जीवित रखा। यह एक बड़े आंदोलन की जीत है। दमनकारी सरकार पर यह करारा प्रहार है। छात्रों ने यह साबित कर दिया है कि यदि आप गलत करेंगे, तो पद से इस्तीफा देना ही पड़ेगा।

छात्र अब्दुल वहाब का कहना है कि छात्रों के आगे सरकार की मनमर्जी नहीं चली। सरकार पहले कहती थी कि मंत्री इस्तीफा नहीं देंगे, लेकिन छात्रों की एकजुटता की वजह से उन्हें पद छोड़ना पड़ा। मंत्री का इस्तीफा इस बात का प्रमाण है कि यदि कुछ गलत होगा, तो युवा एक स्वर में आवाज उठाएंगे।

छात्रा सुजाता का कहना है कि सड़क से सदन तक आंदोलन हुआ, तब जाकर शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा दिया। छात्रों ने दिन-रात प्रदर्शन जारी रखा, सड़कों पर रातें गुजारीं और घर-बार छोड़ दिया। सरकार को आखिरकार झुकना ही पड़ा। इस जीत से यह संदेश गया है कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करना ही पड़ेगा।

लखनऊ में स्वास्थ्य विभाग का बड़ा फेरबदल, लोकबंधु और बलरामपुर अस्पताल को मिले नए निदेशक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए आठ वरिष्ठ चिकित्साधिकारियों के तबादले किए हैं। इस बदलाव के तहत राजधानी लखनऊ के दो प्रमुख सरकारी अस्पतालों लोकबंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय और बलरामपुर अस्पताल को नए निदेशक मिले हैं। जारी आदेश के अनुसार, डॉ. विवेक गुप्ता को लोकबंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय का नया निदेशक नियुक्त किया गया है। वहीं डॉ. ब्रजेश कुमार सिंह को बलरामपुर अस्पताल के निदेशक पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से किए गए इस प्रशासनिक बदलाव में कुल आठ वरिष्ठ चिकित्साधिकारियों के स्थानांतरण किए गए हैं। सरकार का उद्देश्य अस्पतालों की प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना बताया जा रहा है।

संक्षेप समाचार

लायंस पब्लिक स्कूल प्रबंधन द्वारा कारगिल दिवस पर वीर सैनिकों एवं एवरेस्ट विजेता तिला सेन को किया सम्मानित

पर्वतारोही तिला सेन को सम्मानित करता विद्यालय प्रबंधन। –जागरण मोर्चा

खटीमा। लायंस पब्लिक स्कूल प्रबंधन द्वारा कारगिल दिवस पर वीर सैनिकों एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्वतारोही तिला सेन के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें देश की रक्षा में अपने प्राणों की बाजी लगाने वाले आदम्य साहस, शौर्य और बलिदान देने वाले जांबाजों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आईटीबीपी की जांबाज पर्वतारोही एवं माउंट एवरेस्ट फतह कर उत्तराखंड को गौरवान्वित करने वाली तिला सेन को अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं फूल माला भेंट कर सम्मानित किया गया। लायंस पब्लिक स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मीरा राजपूत, मेनका वर्मा, निशा, कमला पंचोली, करिश्मा सेन, पुष्पा शर्मा, कुशल श्रीवास्तव आदि शिक्षक– शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रहें।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: आईजी रेंज लखनऊ की अध्यक्षता में नई एसआईटी गठित, अयोध्या के डीआईजी- एसएसपी शामिल

लखनऊ। राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच के लिए शासन ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार शनिवार को नई एसआईटी गठित कर दी है। अब आईजी रेंज लखनऊ किरण एस की अध्यक्षता में गठित एसआईटी में अयोध्या रेंज के डीआईजी सोमेन बर्मा व एसएसपी अयोध्या डॉ. गौरव ग्रोवर को शामिल किया गया है। कई दिनों से सुस्त पड़ी जांच अब तेजी पकड़ेगी। केस में नए आरोपी भी बनाए जा सकते हैं। जून के पहले सप्ताह में चढ़ावा चोरी का मामला उजागर हुआ था। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मांग पर शासन ने 13 जून को एसआईटी गठित की थी। एसआईटी में लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, आईजी रेंज लखनऊ किरण एस और विशेष सचिव (वित्त) नील रतन को शामिल थे। एसआईटी की सिफारिश पर 25 जून को केस दर्ज कर आरोपी गिरफ्तार किए गए थे। 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यूपी सरकार को आदेश दिया था कि मामले की जांच के लिए आईपीएस के नेतृत्व में एसआईटी गठित की जाए। अगली सुनवाई 27 जुलाई को होनी है। सुनवाई से पहले शासन ने नई एसआईटी गठित कर दी है। पहली एसआईटी में आईजी रेंज लखनऊ शामिल थे। इसलिए नई एसआईटी को जांच में काफी मदद मिलेगी। अब तक हुई जांच के तथ्यों को नई एसआईटी अपनी तफ्तीश में शामिल करेगी।

राजधानी में बदमाशों का खूनी तांडव, व्यापारी को घर में बनाया बंधक; पति-पत्नी और बेटी के सिर पर किया हमला

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरानगर क्षेत्र में देर रात बदमाश घर में घुसकर लूटपाट का प्रयास करने लगे। विरोध करने पर व्यापारी, उनकी पत्नी और बेटी पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा, साक्ष्य जुटाए और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। राजधानी के इंदिरानगर थाना क्षेत्र स्थित अमराई गांव (बजरंग चौराहा) में शुक्रवार देर रात हथियारबंद बदमाशों ने घर में घुसकर खूनी वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने लॉकर तोड़कर लूटपाट का प्रयास किया। विरोध करने पर उन्होंने घर में मौजूद दंपती और उनकी बेटी पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार, देर रात बदमाश घर में घुसे और लॉकर तोड़ने की कोशिश करने लगे। आवाज सुनकर घर में मौजूद उमेश चंद्र (55), उनकी पत्नी शांति देवी और बेटी सीमा जाग गए। तीनों ने बदमाशों का विरोध किया तो हमलावरों ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। कुछ देर बाद होश में आई शांति देवी ने शोर मचाया, जिस पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

समाज कल्याण विभाग द्वारा जन-जन की सरकार जन-जन के द्वारा कार्यक्रम

शिविर में दिव्यांगों को सहायक उपकरण दिलाने हेतु जांच करते अधिकारी।

जागरण मोर्चा कार्यालय

खटीमा। जन-जन की सरकार जन-जन के द्वारा कार्यक्रम के तहत समाज कल्याण विभाग खटीमा द्वारा स्वास्थ्य एवं दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु पंजीकरण शिविर आयोजित किया। उत्तराखंड सरकार के सेवा, सुशासन एवं समर्पण मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सफलतम पांच वर्ष पूर्ण होने पर समय-समय पर जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। राज्य स्तर समाज कल्याण समिति सदस्य उत्तराखंड सरकार गुड्डू टम्टा, सांसद प्रतिनिधि रविंद्र सिंह राणा, सहायक समाज कल्याण अधिकारी तरन्नुम मलिक, डॉ. निधि यादव, मीनाक्षी, बीडीसी कमलेश थापा, संजय देव सिंह ने शिविर में लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन किया। जिसमें 28 दिव्यांग, 22 सीनियर सिटीजन का रजिस्ट्रेशन किया गया।

कांवड़ यात्रा के लिए चलेंगी 300 अतिरिक्त बसें

लखनऊ। कांवड़ यात्रा के दौरान रोडवेज बसों में तीर्थयात्रियों को असुविधाएं न हों, इसके लिए परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की ओर से दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। वहीं अफसरों के अनुसार 300 से अधिक अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि 30 जुलाई से श्रावण मास की कांवड़ यात्रा शुरू हो रही है। मुख्य पर्व श्रावण शिवरात्रि 11 अगस्त को मनाई जाएगी। ऐसे में लखनऊ के अलावा आगरा, बरेली, मुरादाबाद, मेरठ, गाजियाबाद, अलीगढ़, सहारनपुर, गोरखपुर और वाराणसी जैसे प्रमुख मार्गों पर बसों की समुचित व्यवस्था और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। कांवड़ यात्रा के प्रारंभ में हरिद्वार के लिए अधिक तीर्थ यात्री यात्रा करते हैं, इसलिए हरिद्वार मार्ग पर अतिरिक्त बसों की व्यवस्था होगी।

सारनाथ यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल, उत्तर प्रदेश की बौद्ध विरासत को मिली वैश्विक पहचान

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। लगभग 28 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भगवान बुद्ध की प्रथम धर्मदेशना स्थली सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में स्थान मिल गया है। इसके साथ ही सारनाथ भारत का 45वां और उत्तर प्रदेश का चौथा विश्व धरोहर स्थल बन गया है। दक्षिण कोरिया के बुसान शहर में आयोजित यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में शनिवार को यह ऐतिहासिक घोषणा की गई। इस उपलब्धि के साथ बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र स्थलों में शामिल सारनाथ को वैश्विक विरासत के सर्वोच्च मंच पर नई पहचान मिली है। वहीं, उत्तर प्रदेश के बौद्ध सर्किट को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के मानचित्र पर नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

सारनाथ को 03 जुलाई 1998 को यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट (संभावित सूची) में शामिल किया गया था। लगभग 28 वर्षों बाद मिली यह मान्यता उत्तर प्रदेश के लिए भी विशेष महत्व रखती है। अब तक राज्य के तीनों विश्व धरोहर स्थल- ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी (आगरा क्षेत्र) तक सीमित थे। सारनाथ के शामिल होने से उत्तर प्रदेश की विश्व धरोहर पहचान पूर्वांचल तक विस्तृत हो गई है। यह राज्य की समृद्ध बौद्ध विरासत को वैश्विक मान्यता मिली है।

यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त इस विश्व धरोहर संपत्ति में चौखंडी स्तूप और सारनाथ के पुरातात्विक अवशेष शामिल हैं। ये दोनों स्थल एक-दूसरे से लगभग 626 मीटर की दूरी पर हैं। चौखंडी स्तूप भगवान बुद्ध और उनके पांच प्रथम शिष्यों के मिलन की स्मृति का प्रतीक है, जबकि पुरातात्विक परिसर में धामेक स्तूप, धर्मराजिका स्तूप, प्राचीन विहारों के अवशेष तथा अशोक स्तंभ जैसे महत्वपूर्ण स्मारक शामिल हैं।

1971 के भारत-पाक युद्ध के जांबाज सूबेदार विशन दत्त कापड़ी का निधन

बनबसा छावनी के डोगरा रेजीमेंट के अधिकारियों ने पुष्प चक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

जागरण मोर्चा कार्यालय

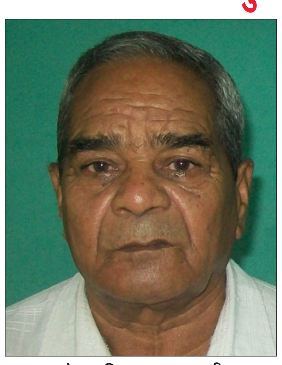

सूबेदार विशन दत्त कापड़ी।

खटीमा। 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान दुश्मन से लोहा मनवाने वाले बंगाल इंजीनियर रेजीमेंट के जांबाज सूबेदार विशन दत्त कापडी 88 का शुक्रवार रात्रि निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक छा गया। उनके निधन पर सामाजिक संगठनों, विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों का श्रद्धा सुमन अर्पित करने का सिलसिला जारी रहा। सूबेदार स्वर्गीय विशन दत्त कापड़ी वार्ड संख्या 14 मूल रूप से सतगड़ पिथौरागढ़ निवासी थे। वर्ष 1980 के दशक में वह सपरिवार खटीमा आकर रहने लगे थे। शनिवार को बनबसा स्थित पवित्र शारदा घाट पर सूबेदार स्वर्गीय कापड़ी के पार्थिव शरीर पर बनवास छावनी में तैनात डोगरा रेजीमेंट के सैन्य अधिकारियों ने पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। चिता को मुखाग्नि उनके पुत्र बीसी कापड़ी, एचएन कापड़ी, दिनेश कापड़ी व पूरन कापड़ी ने दी। इस अवसर पर विधायक भुवन चंद्र कापड़ी, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र सिंह भंडारी राजू, रंदीप पोखरिया, गणेश ठकुराठी, डॉ नवीन भट्ट, कमल शर्मा, उमेश राठौर बॉबी, सतीश चंद्र भट्ट, भास्कर जोशी, भुवन जोशी, बसंत बल्लभ जोशी, महेश भट्ट, विश्वनाथ यादव, भुवन भट्ट, शंकर पलियाल, खुशाल सिंह गैड़ा, होशियार सिंह खोलिया, कमलेश भट्ट कैलाश, धीरज चंद्र भट्ट, विनय चंद, देवेंद्र बिष्ट आदि सम्मिलित थे।

पेपर लीक के विरोध में खटीमा में निकला विशाल मशाल जुलूस, छात्रों को दी श्रद्धांजलि

जागरण मोर्चा कार्यालय

खटीमा में पेपर लीक के विरोध में निकला विशाल मशाल जुलूस। –जागरण मोर्चा

विधायक भुवन चंद्र कापड़ी ने उत्तराखंड पेपर लीक मामले के विरोध में निकाला विशाल जुलूस, छात्रों को दी श्रद्धांजलि। –जागरण मोर्चा

खटीमा। देशभर में सामने आ रहे पेपर लीक मामलों तथा उत्तराखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी के पेपर लीक के विरोध में शनिवार को खटीमा में विधायक भुवन चंद्र कापड़ी के नेतृत्व में विशाल मशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस देवभूमि धर्मशाला से शुरू होकर पुराने बस स्टैंड होते हुए शहीद स्मारक पहुंचा। इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, युवाओं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

शहीद स्मारक पर आयोजित सभा में विधायक भुवन चंद्र कापड़ी ने कहा कि बार-बार हो रहे पेपर लीक से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने में विफल रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस युवाओं के हितों की लड़ाई आगे भी जारी रखेगी। जुलूस के समापन पर नीट परीक्षा विवाद के बाद देशभर में आत्महत्या करने वाले छात्रों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित लोगों ने युवाओं के हितों की रक्षा और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उमेश सिंह राठौर, जसविंदर सिंह बाजवा, जिला महामंत्री विक्रम सिंह, जिला प्रवक्ता नवीन जोशी, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद चंद, सतपाल राणा, अरविंद कुमार, नासिर खान, देवेंद्र कन्याल, नरेंद्र आर्या, प्रवीण बिष्ट, बीना राणा, शांति सामंत, विद्या, ज्योति देवी, फूलमती, नेहा जोशी, सोनी भट्ट, पूजा राणा सहित महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कार्यक्रम नवनियुक्त सभासदों का स्वागत, उदीयमान खिलाड़ियों का किया हौसला अफजाई

जिला पंचायत से ग्राम सभा चकरपुर को कूड़ा गाड़ी उपलब्ध

जागरण मोर्चा कार्यालय

जिपंअ अजय मौर्य ने घर–घर कूड़ा संग्रह करने वाले कूड़ा वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना। –जागरण मोर्चा

खटीमा। प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला पंचायत की ओर से ग्राम पंचायत चकरपुर को कूड़ा वाहन उपलब्ध कराया। शनिवार को जिपंअ अजय मौर्य ने घर-घर कूड़ा संग्रह करने वाले कूड़ा वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके अतिरिक्त जिपंअ मौर्य ने चकरपुर स्थित खेल स्टेडियम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में खेल प्रतिभाओं को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए प्रोत्साहित किया।

ब्लॉक सभागार में आयोजित सरकार द्वारा नामित नगर पालिका परिषद के नवनियुक्त सभासद कश्यप मोटवानी, संगीता राणा, इंदिरा चंद तथा नीलू गुप्ता को अंग वस्त्र पहनाकर पुष्प गुच्छ सौंप कर स्वागत किया। जिपंअ मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने एवं विकास कार्य संपन्न कराने में नवनियुक्त सभासदों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि रविंद्र राणा, रंदीप पोखरिया, सोमनाथ मौर्य, मनोज शाही मौजूद रहें। जिपंअ मौर्य ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा क्षेत्र के विकास में किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि खटीमा के विकास में किसी तरह की कमी नहीं आयेगी।

उन्होंने कहा जिला पंचायत से उपलब्ध कराए गए कूड़े वाहन से घर-घर जाकर कूड़ा उठाने में आम जनता को सुविधा होगी। मुख्यमंत्री उददीयमान खिलाड़ी योजना के तहत 8 से 14 आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाओं को उभरने में सुविधा प्रदान होगी। ताकि प्रतिभावान युवा राष्ट्र एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा सकें। इस अवसर पर चकरपुर व्यापार मंडल अध्यक्ष गणेश जोशी, राकेश बिष्ट, दीपा देवी, नरेंद्र बिष्ट, किशन चंद कुक्कू, सुनील प्रजापति, भैरव दत्त पांडे, अमर सिंह आदि मौजूद थें।

उप्र में मानसून फिर होगा सक्रिय 27 जुलाई से भारी बारिश के आसार

लखनऊ। वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि मानसून टर्फ के फिर उत्तर की ओर खिसकने और बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के तेजी से मजबूत होने से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। इसके प्रभाव से 27 से 30 जुलाई के बीच व्यापक बारिश के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में बीते तीन दिनों से मानसूनी बारिश की रफ्तार धीमी पड़ने के बाद अब मौसम फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार 27 जुलाई से प्रदेश में मानसून दोबारा सक्रिय होगा और कई जिलों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। 27 को तराई क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी बारिश भी हो सकती है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मानसून टर्फ के फिर उत्तर की ओर खिसकने और बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के तेजी से मजबूत होने से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी।

69 हजार शिक्षक भर्ती विवाद: मायावती के आवास पर पहुंचे अभ्यर्थी, नौकरी की मांग को लेकर प्रदर्शन

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। लखनऊ में 69 हजार शिक्षक भर्ती से जुड़े अभ्यर्थियों ने दूसरे दिन भी आंदोलन जारी रखा। प्रदर्शनकारी बीएसपी प्रमुख मायावती से मिलने की मांग पर अड़े रहे। पुलिस ने प्रदर्शन के बाद सभी अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया।

लखनऊ। 69 हजार शिक्षक भर्ती से जुड़े अभ्यर्थियों का आंदोलन शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। नौकरी की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का एक समूह बीएसपी प्रमुख मायावती के आवास पहुंचा, जहां उन्होंने नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को उठाया और उनसे मुलाकात की मांग की। शिक्षकों ने मायावती से न्याय की गुहार लगाई है। प्रदर्शन के दौरान कई अभ्यर्थी सड़क पर बैठ गई। पुलिस ने उन्हें हटाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर डटी रहीं। इसी बीच पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कुछ देर तक धक्का-मुक्की और नोकझोंक भी हुई। करीब 15 मिनट तक चली बातचीत और विरोध के बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे सभी अभ्यर्थियों को हिरासत लिया गया और सभी को बस में लेकर इको गार्डन भेज दिया गया। प्रदर्शन में शामिल करीब 35 से 40 अभ्यर्थी प्रदेश के अलग-अलग जिलों से लखनऊ पहुंचे थे। उनका कहना है कि उनकी मुख्य मांग 6,800 सीटों पर पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों की नियुक्ति सुनिश्चित करने की है। जब तक उनकी ये मांगे पूरी नहीं हो जाती है तब तक ये प्रदर्शन लगातार जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में 8,270 सीटों से संबंधित हलफनामा दाखिल किया है, जिसमें 4,946 ऐसे अभ्यर्थियों के नाम भी शामिल किए गए हैं जो भर्ती प्रक्रिया में पहले ही तीन बार चयनित हो चुके हैं।

एक नजर

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में घायल मिली बाघिन, इलाज शुरू

पीलीभीत। पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में नियमित गश्त के दौरान वन विभाग के कर्मचारियों को एक वयस्क बाघिन घायल अवस्था में मिली। बाघिन के शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद वन कर्मियों ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी, जिसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायल बाघिन को चिकित्सकीय निगरानी में लेकर उसका उपचार शुरू कराया गया।वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला बाघों के बीच क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर हुए आपसी संघर्ष का प्रतीत हो रहा है। हालांकि चोटों के वास्तविक कारणों की पुष्टि विस्तृत चिकित्सकीय परीक्षण और निगरानी के बाद ही हो सकेगी। घायल बाघिन की हालत पर लगातार नजर रखने के लिए पांच सदस्यीय विशेष टीम का गठन किया गया है। इस टीम में वन अधिकारियों के साथ वन्यजीव चिकित्सक और विशेषज्ञ शामिल हैं, जो चौबीसों घंटे बाघिन के स्वास्थ्य की निगरानी करेंगे।

कारगिल के वीरों को जीएमपीएस का सलाम देशभक्ति के रंग में रंगे नन्हे विद्यार्थी

चित्रकला, स्लोगन, पिक द पिक्चर और जागरूकता गतिविधियों से शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर गोस्वामीज़ मॉम्स प्राइड स्कूल (जीएमपीएस) में देशभक्ति, राष्ट्रगौरव और वीर सैनिकों के सम्मान को समर्पित भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरे विद्यालय परिसर में देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला, जहां विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम के तहत कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए "हमारे वीर सैनिकों को सलाम" विषय पर चित्रकला एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए भारतीय सेना के शौर्य, अनुशासन, बलिदान और राष्ट्रप्रेम को प्रभावशाली चित्रों और स्लोगनों के माध्यम से प्रस्तुत किया। वहीं कक्षा 1 एवं 2 के विद्यार्थियों के लिए "पिक द पिक्चर" गतिविधि आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने कारगिल युद्ध से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों, भारतीय सेना, तिरंगे और वीर सैनिकों की पहचान कर उनके बारे में जानकारी प्राप्त की।विद्यालय में विद्यार्थियों को कारगिल वॉर मेमोरियल, टाइगर हिल, टोलोलिंग टॉप, प्वाइंट 4875 सहित कारगिल युद्ध के ऐतिहासिक स्थलों के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही कैप्टन विक्रम बत्रा, कैप्टन मनोज कुमार पांडेय और ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव जैसे वीर योद्धाओं के अद्वितीय साहस और बलिदान की प्रेरक गाथाएं भी साझा की गईं।विद्यालय प्रबंधक निशांत गोस्वामी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमारे वीर सैनिकों के अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति को नमन करने का अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा के मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। चेयरपर्सन डॉ. सोनिया गोस्वामी ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और भारतीय सेना के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं। प्रधानाचार्या जया घोष ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों में शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और देशभक्ति की भावना का विकास करना भी है।कार्यक्रम के सफल आयोजन में विष्णुप्रिया, अभिनव, प्रियंका शुक्ला एवं विद्यालय के समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजन ने विद्यार्थियों के मन में भारतीय सेना के प्रति सम्मान, राष्ट्रप्रेम और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना को और अधिक सशक्त किया।

न्यूरिया थाना समाधान दिवस में ग्राम प्रधानों से लिया फीडबैक, राजस्व-पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर कार्रवाई के निर्देश

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। थाना न्यूरिया में आयोजित थाना समाधान दिवस के दौरान पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव एवं जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि जनता की शिकायतों का समाधान शासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रों की एक-एक कर समीक्षा की गई। विशेष रूप से भूमि एवं राजस्व से जुड़े विवादों के निस्तारण के लिए राजस्व विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करने तथा दोनों पक्षों को सुनकर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों का समाधान आपसी समन्वय एवं निष्पक्षता के साथ किया जाए, जिससे अनावश्यक विवाद और तनाव की स्थिति उत्पन्न न हो।इस अवसर पर थाना क्षेत्र के आसपास के सभी ग्राम प्रधानों को भी आमंत्रित किया गया। एसपी एवं डीएम ने ग्राम प्रधानों से उनके गांवों में कानून-व्यवस्था, राजस्व, सड़क, जलभराव, अतिक्रमण तथा अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों की जानकारी प्राप्त की। ग्राम प्रधानों द्वारा उठाई गई समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए।अधिकारियों ने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही त्वरित, निष्पक्ष एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं के साथ संवेदनशील व्यवहार करें और प्रत्येक मामले का निस्तारण पूरी पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ किया जाए। इस दौरान पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी, थाना प्रभारी तथा अन्य संबंधित कर्मचारी भी मौजूद रहे।

जिला समन्वय समिति की बैठक में माय भारत पंजीकरण अभियान को गति देने पर जोर

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत माय भारत, द्वारा ड्रमंड इंटर कॉलेज में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला युवा अधिकारी शिवम शर्मा ने की।बैठक में मीरा देवी (कौशल विकास विभाग), डॉ. गजेन्द्र सिंह, डॉ. कविता कन्नौजिया (राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी), आशीष राणा (जिला सेवायोजन कार्यालय), राजेश कुमार गौड़ (जिला खेल अधिकारी), डॉ. कृष्णा शर्मा (स्प्रिंगडेल कॉलेज) तथा रियाज़ अहमद (कृष्णा नरेश महाविद्यालय) सहित विभिन्न विभागों एवं शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में संचालित माय भारत के गहन पंजीकरण अभियान को गति देना तथा 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के अधिक से अधिक युवाओं को इससे जोड़ना रहा। जिला युवा अधिकारी शिवम शर्मा ने सभी विभागों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर पात्र युवाओं का अधिकाधिक पंजीकरण सुनिश्चित कराने का आह्वान किया। बैठक में 'नशा मुक्त युवा अभियान' पर भी विस्तार से चर्चा हुई। समिति के सदस्यों से कहा गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में युवाओं को अभियान से जोड़ने के लिए प्रेरित करें तथा माय भारत पोर्टल पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में अधिकाधिक आवेदन एवं सहभागिता सुनिश्चित कर जनपद को नशा मुक्त भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर करने में सहयोग दें।इसके साथ ही प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की जानकारी साझा करते हुए पात्र युवाओं को योजना के लिए आवेदन करने हेतु प्रेरित करने का आग्रह किया गया, ताकि उन्हें उद्योगों में व्यावहारिक प्रशिक्षण, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें। बैठक के अंत में जिला युवा अधिकारी शिवम शर्मा ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि विभिन्न विभागों एवं शिक्षण संस्थानों के समन्वित प्रयासों से जनपद में माय भारत पंजीकरण अभियान, नशा मुक्त युवा अभियान तथा अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों का प्रभावी और सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की राष्ट्रीय लेखन प्रतियोगिता में आयरा अल्वी का चयन, डायमंड जुबली स्मारिका में प्रकाशित होगी रचना

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। जनपद की होनहार छात्रा एवं ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल की गाइड आयरा अल्वी ने भारत स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा आयोजित "डायमंड जुबली राइटिंग चैलेंज–जून 2026" में राष्ट्रीय स्तर पर शानदार सफलता हासिल की है। उनकी प्रेरणादायक रचना "आई वॉज़ वॉर्न बाय द यूनिफॉर्म" का चयन भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली विशेष स्मारिका में प्रकाशन के लिए किया गया है। यह उपलब्धि विद्यालय, जनपद और उत्तर प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। डायमंड जुबली वर्ष के अवसर पर आयोजित इस राष्ट्रीय लेखन प्रतियोगिता का उद्देश्य स्काउट्स एवं गाइड्स को अपने अनुभव, सेवा-भावना, नेतृत्व क्षमता और स्काउटिंग से मिले जीवन मूल्यों को लेखन के माध्यम से प्रस्तुत करने का अवसर देना था। देशभर से हजारों प्रतिभागियों के बीच आयरा की रचना का चयन उनकी उत्कृष्ट लेखन क्षमता, रचनात्मक सोच और स्काउट-गाइड के सिद्धांतों के प्रति उनकी गहरी निष्ठा को दर्शाता है। अपनी रचना में आयरा अल्वी ने बताया है कि स्काउट-गाइड आंदोलन से जुड़ने के बाद उनके व्यक्तित्व में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क, आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे गुणों का विकास हुआ। उन्होंने स्काउट-गाइड की वर्दी को केवल एक परिधान नहीं, बल्कि सेवा, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, चरित्र निर्माण और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बताया है। इस उपलब्धि के पीछे उनके मार्गदर्शक सचिन सक्सेना, जिला प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) एवं समाजशास्त्र प्रवक्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा ने आयरा की प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।विद्यालय के प्रबंध निदेशक देवेन्द्र सिंह छाबड़ा ने कहा कि आयरा की सफलता इस बात का प्रमाण है कि समर्पण, अनुशासन और निरंतर प्रयास से राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। वहीं प्रधानाचार्या पूजा छाबड़ा ने इसे विद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि प्रतिभा और परिश्रम का सम्मान हमेशा होता है।

भाजपा कार्यालय में गुरु रविदास जयंती पर जिला कार्यशाला, कार्यकर्ताओं को सक्रियता का संदेश

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संत गुरु रविदास महाराज, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।कार्यशाला के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य रहे, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती ने किया। मंच पर बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य रजनीश पांडेय, जिला महामंत्री मंगली प्रसाद वर्मा, महादेव गाईन, अनुराग अग्निहोत्री, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष सोनू वाल्मीकि, पूरनपुर नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता एवं ललौरीखेड़ा ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने संत-महात्माओं के जीवन और समाज में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं को उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया।बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने गुरु रविदास जी के जीवन से जुड़ी प्रेरक घटनाओं का उल्लेख किया। बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा ने कहा कि 29 जुलाई से शुरू होने वाले पार्टी कार्यक्रमों में सभी कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और महापुरुषों व संतों के सम्मान का कार्य निरंतर करती रही है। जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी को सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष नमन प्रताप राजपूत, विकास श्रीवास्तव, रेखा परिहार, अतिंदर पाल सिंह, मनोज गुप्ता, आयुष मिश्रा, सत्यपाल वर्मा, अमित कुशवाहा, नागेन्द्र सिंह गंगवार, विकास वाल्मीकि, रेनू राज, पंकज तिवारी, विकास पाल, संतोख सिंह संधू, तोताराम सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कानूनी दबाव के आगे झुकी पुलिस! तीन दिन की कथित नजरबंदी खत्म, मानवाधिकार आयोग और हाईकोर्ट जाने की चेतावनी

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। जिले में पिछले तीन दिनों से कथित पुलिसिया कार्रवाई और बिना किसी लिखित आदेश के कई नेताओं, प्रतिष्ठित नागरिकों एवं एक व्यापारी को उनके घरों तक सीमित रखने के मामले ने शनिवार को नया मोड़ ले लिया। आरटीआई के जरिए कानूनी जवाब-तलब और मीडिया में लगातार उठ रहे सवालों के बाद पुलिस प्रशासन ने देर रात सभी संबंधित लोगों के घरों से तैनात पुलिस बल हटा लिया। इस घटनाक्रम के बाद पुलिस की कार्रवाई को लेकर जिले में व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि शहर के कई प्रमुख लोगों के घरों के बाहर लगातार पुलिस बल तैनात था, जिससे वे स्वतंत्र रूप से बाहर नहीं निकल पा रहे थे। आरोप है कि यह पूरी कार्रवाई बिना किसी मजिस्ट्रेटी आदेश अथवा लिखित सरकारी निर्देश के की गई। इसी को लेकर पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राजीव अग्रवाल 'टीटी' ने कानूनी मोर्चा खोलते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता नीलेश चतुर्वेदी के माध्यम से अपर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम की धारा 7(1) के तहत आवेदन दाखिल किया।आरटीआई आवेदन पुलिस कार्यालय में जमा किया गया। इसमें पुलिस से यह स्पष्ट करने की मांग की गई कि संबंधित व्यक्तियों को किस कानूनी प्रावधान और किस सक्षम अधिकारी के आदेश पर घरों में सीमित रखा गया। व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े मामलों में आरटीआई अधिनियम के तहत 48 घंटे के भीतर सूचना उपलब्ध कराने का प्रावधान होने के कारण पुलिस प्रशासन पर कानूनी दबाव बढ़ गया।

मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने को डब्लू डब्लू एफ इंडिया ने वन विभाग को सौंपे आधुनिक सुरक्षा उपकरण

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। जनपद में मानव और वन्यजीवों के बीच बढ़ते संघर्ष की घटनाओं की रोकथाम, त्वरित नियंत्रण एवं प्रभावी प्रबंधन के उद्देश्य से विश्व प्रकृति निधि-भारत ने वन विभाग को अत्याधुनिक सुरक्षा एवं रेस्क्यू उपकरण उपलब्ध कराए हैं। मुख्य वन संरक्षक, बरेली/रोहिलखंड परिक्षेत्र पी.पी. सिंह की उपस्थिति में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ (तराई आर्क लैंडस्केप) के परियोजना समन्वयक डॉ. मुदित गुप्ता ने प्रभागीय वन अधिकारी भारत कुमार डी.के. को उपकरण हस्तांतरित किए। वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेश कुमार के समन्वय में सौंपे गए उपकरणों में बाघ एवं तेंदुए के सुरक्षित रेस्क्यू के लिए एक-एक ट्रैपिंग केज (पिंजरा), तीन वाइल्ड स्ट्रैचर, तीन हैमर, तीन पोर्टेबल साउंड सिस्टम (अहूजा एम्पलीफायर), आठ स्नेक किट, 10 खाबर नेट (2 मीटर ऊंचाई व 100 मीटर लंबाई), 10 टॉर्च, 20 डिजिटल कलर कैमरा ट्रैप, 20 सेफ्टी हेलमेट तथा 200 खाबर पोल (नेट पोल) शामिल हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के अधिकारियों ने बताया कि इन आधुनिक संसाधनों से वन विभाग को संवेदनशील क्षेत्रों में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने, रेस्क्यू अभियान तेज करने तथा वन्यजीवों और आमजन दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।इस अवसर पर वन क्षेत्राधिकारी विनीत कुमार श्रीवास्तव, डिप्टी रेंजर शेर सिंह सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आयोजन दीप प्रज्वलन, गणेश वंदना और पदरोहण समारोह के बीच हेड बॉय-हेड गर्ल समेत विभिन्न हाउसों के छात्र नेताओं ने ली नेतृत्व की शपथ

इनीशियम ग्लोबल स्कूल में छात्र नेतृत्व की नई टीम का गठन, शपथ लेकर संभाली जिम्मेदारियां

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। इनीशियम ग्लोबल स्कूल में भव्य इन्वेस्टिचर (पदरोहण) समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यालय के छात्र-छात्राओं को विभिन्न नेतृत्व पदों पर नियुक्त कर उन्हें कर्तव्यों के प्रति निष्ठा, अनुशासन और जिम्मेदारी की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाध्यापिका रितिका धमेजा ने दीप प्रज्वलित कर किया, जबकि विद्यार्थियों ने आकर्षक गणेश वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम को गरिमामय बनाया।विद्यालय की कक्षा 10 के निवान सिंह को हेड बॉय तथा महकप्रीत कौर को हेड गर्ल चुना गया। वहीं प्रबलीन कौर को स्पोर्ट्स कैप्टन और गुरशान सिंह को वाइस स्पोर्ट्स कैप्टन की जिम्मेदारी सौंपी गई।समारोह में विद्यालय के चारों हाउस कंपैशन, इंटीग्रिटी, ह्यूमिलिटी और ग्रेटीट्यूड के लिए भी छात्र नेतृत्व का चयन किया गया। कंपैशन हाउस में अनुरीत कौर कैप्टन, एकमप्रीत वाइस कैप्टन और अंश हाउस प्रीफेक्ट बने। ह्यूमिलिटी हाउस में आरुष को कैप्टन, पलकप्रीत कौर को वाइस कैप्टन तथा स्नेहदीप कौर को हाउस प्रीफेक्ट नियुक्त किया गया। इंटीग्रिटी हाउस में खुशमीत कौर कैप्टन, अब्दुल्ला जैदान वाइस कैप्टन और मनप्रीत कौर हाउस प्रीफेक्ट बनीं। ग्रेटीट्यूड हाउस में वंशदीप कौर को कैप्टन, रेयांश आनंद को वाइस कैप्टन तथा प्रभनूर कौर को हाउस प्रीफेक्ट के रूप में शपथ दिलाई गई।सभी नवनियुक्त छात्र पदाधिकारियों को उनके-अपने हाउस मेंटर्स ने शपथ ग्रहण कराई। विद्यालय के प्रबंधक पुनीत धमेजा ने विद्यार्थियों को नेतृत्व के महत्व पर प्रेरक संदेश देते हुए कहा कि एक सफल नेता बनने के लिए आत्म-जागरूकता, आत्म-विश्लेषण और स्व-नियमन जैसे गुण अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी छात्र नेताओं से अपने दायित्वों का ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करने तथा अन्य विद्यार्थियों में भी नेतृत्व क्षमता विकसित करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी नवनियुक्त छात्र पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल नेतृत्व की कामना की।

24 घंटे में घर पहुंची भटकी दिव्यांग बालिका, चाइल्ड हेल्पलाइन की तत्परता से परिजनों से हुआ मिलन

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाही रेलवे स्टेशन पर लावारिस हालत में मिली थी बालिका, पहचान ट्रेस कर अगले ही दिन परिजनों को सुरक्षित सौंपा

पीलीभीत। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की त्वरित कार्रवाई से घर से भटककर शाही रेलवे स्टेशन पहुंची एक दिव्यांग बालिका को महज 24 घंटे के भीतर उसके परिजनों से सुरक्षित मिला दिया गया। बालिका अपना नाम और पता स्पष्ट रूप से बताने में असमर्थ थी, जिसके चलते उसकी पहचान करना चुनौतीपूर्ण था। जानकारी के अनुसार 24 जुलाई को शाही रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर ने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना दी कि एक दिव्यांग बालिका ट्रेन से उतरकर स्टेशन पर भटक रही है। सूचना मिलते ही जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी के निर्देश पर संरक्षण अधिकारी मीनाक्षी पाठक के नेतृत्व में चाइल्ड हेल्पलाइन पर्यवेक्षक नीतू चौहान और केस वर्कर प्रतुल सिंह मौके पर पहुंचे। टीम ने बालिका को सुरक्षित संरक्षण में लेकर वन स्टॉप सेंटर में ठहराया।स्टेशन मास्टर से मिली जानकारी के आधार पर पता चला कि बालिका बरेली से आने वाली ट्रेन से उतरी थी। इसके बाद चाइल्ड हेल्पलाइन परियोजना समन्वयक निर्वान सिंह ने बरेली के संबंधित विभागों से संपर्क कर बालिका की पहचान का पता लगाया। जांच में सामने आया कि बालिका बरेली में अपनी नानी के घर रह रही थी, जबकि उसका पैतृक घर पीलीभीत के थाना जहानाबाद क्षेत्र के एक गांव में है। वह बिना किसी को बताए ट्रेन में बैठ गई थी और रास्ता भटक गई। बालिका की पहचान होने के बाद चाइल्ड हेल्पलाइन टीम ने परिजनों से संपर्क किया। बाल कल्याण समिति पीलीभीत के आदेश पर शनिवार को बालिका को विधिवत उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। इस सफल कार्रवाई से एक परिवार को उसकी खोई हुई बच्ची वापस मिल सकी और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की संवेदनशील एवं त्वरित कार्यशैली की सराहना की जा रही है।

एक नजर

पावर हाउस की लापरवाही से ग्रामीण परेशान, एसडीएम से कार्रवाई की मांग

शेरपुरकलां। ग्राम खैरपुर, रामनगर, रुद्रपुर सहित शेरपुर कला पावर हाउस से जुड़े कई गांवों के ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि रात में ट्रिपिंग होने के बाद कई-कई घंटों तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की जाती, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि रात्रि ड्यूटी पर तैनात एसएसओ की लापरवाही के कारण यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। ज्ञापन में 23 जुलाई की रात का उल्लेख करते हुए बताया गया कि करीब 12 बजे ट्रिपिंग के बाद देर रात 1:21 बजे समाजसेवी इशहाक खां द्वारा पावर हाउस के सीयूजी नंबर पर फोन करने के बाद ही बिजली आपूर्ति चालू कराई गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ऐसी घटनाएं अक्सर रात की ड्यूटी के दौरान होती हैं। ज्ञापन पर इस्हाक़ खान, फरीद खान, जान मोहम्मद, इस्लाम खान, अहमद अली, अयाज़ अहमद, ज़ाहिद खान और रईस खान के हस्ताक्षर हैं।

जनपद में कृषि निर्यात को मिलेगी नई उड़ान

27 परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण: राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह मंडी समिति की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश सरकार के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने शनिवार को जनपद का दौरा कर जिले में कृषि एवं उद्यान विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। गांधी सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने मंडी समिति के अधिकारियों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

राज्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि मंडी परिसर में कोई भी निराश्रित गोवंश नहीं घूमना चाहिए। मंडी की सड़कों, भवनों और अन्य आधारभूत सुविधाओं की समयबद्ध मरम्मत एवं निर्माण सुनिश्चित किया जाए। जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्तावों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करते हुए मंडियों को आधुनिक और सुविधायुक्त बनाया जाए। उन्होंने मंडियों से निकलने वाले जैविक कचरे से पीपी मॉडल के माध्यम से खाद तैयार करने की दिशा में भी कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक के बाद राज्यमंत्री ने मंडी समिति परिसर में उद्यान विभाग की हाईटेक नर्सरी सहित कुल 27 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था और बेहतर माहौल के कारण कृषि क्षेत्र में तेजी से बदलाव आ रहा है। किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ मसाले, फूल, औषधीय पौधे, ड्रेगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी जैसी उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों की खेती अपनानी चाहिए, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि जनपद की कृषि उपज को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जेवर एयरपोर्ट कृषि उत्पादों के निर्यात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही पीलीभीत में एक्सपोर्ट प्रमोशन सेंटर स्थापित करने का भी प्रयास किया जाएगा, जिससे किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिल सके।राज्यमंत्री ने शहरी लोगों से भी खेती से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि वे अपनी छतों और बालकनी में सब्जियों की खेती करें। उद्यान विभाग इस कार्य में तकनीकी सहयोग और आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगा।

उन्होंने ड्रिप सिंचाई, पॉलीहाउस, संरक्षित खेती और अन्य आधुनिक तकनीकों पर सरकार द्वारा दिए जा रहे अनुदान की जानकारी भी दी।कार्यक्रम में अधिकारियों ने बताया कि उद्यान विभाग की हाईटेक नर्सरी में किसान किसी भी मौसम में बीज देकर गुणवत्तायुक्त पौध तैयार करा सकते हैं। विभाग द्वारा उद्यान रोपण, शाकभाजी बीज वितरण, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, कृषि मशीनीकरण तथा गुणवत्तायुक्त पौध उपलब्ध कराने जैसी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

पेपर लीक के विरोध में गरजे छात्र, नगर में जुलूस निकाल एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

जागरण मोर्चा कार्यालय

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते विद्यार्थी। –जागरण मोर्चा

बीसलपुर। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पेपर लीक मामले को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों के समर्थन में शनिवार को बीसलपुर नगर में विद्यार्थी एकता के बैनर तले सैकड़ों छात्र-छात्राएं सड़कों पर उतर आए। छात्रों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की तथा उप जिलाधिकारी को राष्ट्रपति को संबोधित 15 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

शनिवार प्रातः 11 बजे सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं नगर के मुख्य 12 पत्थर चौराहे पर एकत्र हुए। हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर छात्रों ने जमकर नारेबाजी की। छात्रों ने नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की पुरजोर मांग उठाई। चौराहे पर प्रदर्शन के बाद छात्र जुलूस के रूप में तहसील परिसर पहुंचे।

तहसील पहुंचकर छात्रों ने उप जिलाधिकारी नागेंद्र पांडे को महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित 15 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से मांग की गई कि नीट (NEET) एवं अन्य भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री अपने पद से इस्तीफा दें।परीक्षाओं की पारदर्शिता और सुचिता सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं सहित कई मांगों को लेकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से प्रखर सिंह कुशवाहा, सुरजीत सिंह गंगवार सचिन पटेल, आयुष सिंह, गगनदीप, आरती वर्मा, ऋषभ समेत सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे

मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की तालीमी विरासत बचाने की मांग

उपजिलाधिकारी को सौंपा राज्यपाल के नाम ज्ञापन

जागरण मोर्चा कार्यालय

यूनिवर्सिटी तोड़े जाने का विरोध जताते नूर अहमद अजहरी व अन्य। –जागरण मोर्चा

पूरनपुर। तालीमी बेदारी मुहिम, के संयोजक नूर अहमद अज़हरी के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी पूरनपुर के माध्यम से उत्तर प्रदेश की राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी, रामपुर की तालीमी विरासत की सुरक्षा तथा किसी भी कार्रवाई से पहले निष्पक्ष सुनवाई और विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि यूनिवर्सिटी हजारों छात्रों की शिक्षा और भविष्य से जुड़ी महत्वपूर्ण संस्था है। यदि किसी प्रकार का कानूनी विवाद है तो उसका समाधान न्यायालय और संवैधानिक प्रक्रिया के तहत किया जाए, न कि ऐसी कार्रवाई से जिससे छात्रों का भविष्य प्रभावित हो। साथ ही शिक्षा संस्थानों, धार्मिक स्थलों और वक्फ संपत्तियों से जुड़े मामलों में निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करने की अपील की गई। ज्ञापन में राज्यपाल से संवैधानिक हस्तक्षेप कर यूनिवर्सिटी के संबंध में किसी भी निर्णय से पूर्व छात्रों के हितों, शिक्षा के अधिकार और न्यायपूर्ण प्रक्रिया की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया।

पावर हाउस की लापरवाही से ग्रामीण परेशान

शेरपुरकलां। खैरपुर, रामनगर, रुद्रपुर सहित शेरपुर कला पावर हाउस से जुड़े कई गांवों के ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि रात में ट्रिपिंग होने के बाद कई-कई घंटों तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की जाती, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि रात्रि ड्यूटी पर तैनात एसएसओ की लापरवाही के कारण यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। ज्ञापन में 23 जुलाई की रात का उल्लेख करते हुए बताया गया कि करीब 12 बजे ट्रिपिंग के बाद देर रात 1:21 बजे समाजसेवी इशहाक खां द्वारा पावर हाउस के सीयूजी नंबर पर फोन करने के बाद ही बिजली आपूर्ति चालू कराई गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ऐसी घटनाएं अक्सर रात की ड्यूटी के दौरान होती हैं।

खेत की मेड़ व पक्के तूंदे उखाड़ने पर विवाद, दबंग पर मारपीट और जान से मारने की धमकी का आरोप

जागरण मोर्चा कार्यालय

बीसलपुर। क्षेत्र के ग्राम जसोली दिवारी में कृषि भूमि के सीमांकन एवं मेड़बंदी को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। पीड़ित किसान ख्यालीराम ग्राम बरखडा ने गांव के ही एक व्यक्ति पर राजस्व विभाग द्वारा लगाए गए पक्के तूंदे उखाड़कर फेंकने, मेड़ तोड़ने तथा मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है।

पुलिस को दी गई तहरीर में ख्यालीराम ने बताया कि ग्राम जसोली दिवारी में स्थित उनकी कृषि भूमि गाटा संख्या 17 (रकबा 0.1238 हेक्टेयर) का विधिक बंटवारा हो चुका है। बंटवारे के तहत उन्हें व उनकी पत्नी को गाटा संख्या 17/1 प्राप्त हुआ था। इसके बाद राजस्व विभाग के लेखपाल व कानूनगो की उपस्थिति में मौके पर पहुंचकर विधिवत पैमाइश कराई गई थी, जिसके तहत खेत की सीमा तय करते हुए मेड़बंदी की गई और पक्के तूंदे (निशान) लगवाए गए थे।

पीड़ित का आरोप है कि ग्राम बरखडा निवासी देवदत्त ने मौके पर जाकर जबरन राजस्व विभाग द्वारा गाड़े गए पक्के तूंदों को उखाड़कर फेंक दिया और मेड़ भी तोड़ दी। जब ख्यालीराम ने इस कृत्य का विरोध किया, तो आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित ने भागकर अपनी जान बचाई। थाना प्रभारी संजीव कुमार शुक्ला ने बताया है कि पीड़ित किसान की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

संक्षेप समाचार

ख़राब सड़क और गंदगी को लेकर प्रदर्शन करते ग्रामीण। –जागरण मोर्चा

जर्जर सड़क और जल निकासी की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

पूरनपुर। तहसील क्षेत्र के ग्राम जादौपुर गाहलुहिया के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर गांव की मुख्य सड़क का शीघ्र निर्माण तथा जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की सड़क वर्षों से बदहाल स्थिति में है, जिससे आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। ज्ञापन में बताया गया कि हल्की बारिश होते ही सड़क पर पानी भर जाता है और चारों ओर कीचड़ फैल जाता है। इससे पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। इसी मार्ग से प्रतिदिन बच्चे प्राथमिक एवं जूनियर हाई स्कूल जाते हैं, जबकि बुजुर्ग, महिलाएं और किसान भी इसी रास्ते का उपयोग करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के दिनों में एंबुलेंस, स्कूल वाहन और अन्य आवश्यक वाहनों का आवागमन भी प्रभावित होता है। कई बार लोग फिसलकर चोटिल हो चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जल निकासी की व्यवस्था न होने से समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। ज्ञापन में प्रशासन से मांग की गई है कि सड़क का शीघ्र निर्माण कराया जाए तथा प्रभावी जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्रामीणों को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके। ज्ञापन पर गांव के अनेक ग्रामीणों ने हस्ताक्षर कर जल्द कार्रवाई की मांग की। ग्राम प्रधान इमरान खान का कहना है कि "गाँव वालों की समस्या को समझता हूं। ग्राम निधि से इसे बनाना आसान नहीं है फिर भी बीडीओ साहब से बात हो चुकी है बरसात में ज़्यादा परेशानी होती है। जल्द ही समस्या का निदान होगा"।

पंजाब के अजनाला थाने पर हमले के मामले में बहराइच पुलिस ने दबोचा

पूरनपुर। वर्ष 2023 में पंजाब के अजनाला थाना अजनाला पर हुए हमले के आरोपी विक्रमजीत सिंह को पनाह देने वाले मोहनपुर के गुरुद्वारा के जत्थेदार जोगा सिंह को बहराइच पुलिस और एटीएस ने गिरफ्तार कर लिया।
करीब एक साल पहले यहां आकर रुके विक्रमजीत को बाद में जोगा सिंह ने नेपाल सीमा से पार कराने का भी जाल बुना था। विक्रमजीत सिंह के बहराइच जिले में नेपाल सीमा पर पकड़े जाने के बाद रात को ही जोगा सिंह को पकड़ने के लिए पुलिस यहां पहुंच गई। जोगा सिंह को पकड़कर ले गई,बहराइच में भारत-नेपाल सीमा स्थित बॉर्डर आउट पोस्ट (वीओपी) पर जांच के दौरान बृहस्पतिवार को एसएसबी और रूपईडीहा पुलिस ने विक्रमजीत सिंह को गिरफ्तार किया था। उसके साथ अमेरिकन महिला भी थी। पूछताछ में विक्रमजीत सिंह के पास नकली आधार कार्ड मिला,जबकि अमेरिकन महिला के पास अभिलेख ठीक मिलने पर उसे छोड़ दिया था। पूछताछ के बाद बहराइच पुलिस ने क्षेत्र के मोहनपुर गुरुद्वारा में छापा मारकर जत्थेदार जोगा सिंह को अपने साथ ले गई। पकड़ा गया विक्रमजीत सिंह पंजाब के प्रतिबंधित संगठन 'वारिस पंजाब दे' का सदस्य था। विक्रमजीत सिंह और उसके साथियों ने वर्ष 2023 में अजनाला थाने पर हमला और आगजनी कर अपने साथियों को छुड़ा लिया था। तब से गायब चल रहा था। जोगा सिंह भी इसमें वांछित था, मगर करीब एक साल से जमानत पर चल रहा था। उन्होंने बताया कि जोगा सिंह ने विक्रमजीत सिंह को करीब एक साल पहले पूरनपुर में रोका था। यहां से उसने उसे कांठमांडू नेपाल भिजवा दिया था। इसको लेकर खलवली मची रही।

ग्रामीणों ने देवहा नदी पर पिचिंग बनाने को लेकर किया प्रदर्शन, केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद से की पक्की पिचिंग कराने की मांग

देवहा नदी पर पिचिंग बनाने को लेकर प्रदर्शन करते ग्रामीण। –जागरण मोर्चा

बीसलपुर। गांव ललौर गुजरानपुर में देवहा नदी पर पक्की पिचिंग कार्य कराए जाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद को पत्र भेजकर कार्यवाही की मांग की। बीसलपुर के गांव ललौर गुजरानपुर देवहा नदी का कटान पिछले कई वर्षों से हो रहा है पिछले वर्ष हुआ पिचिंग का कार्य बाढ़ के पानी के साथ बह गया। इस बार गांव में बाढ़ आने पर भारी कटान होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने पक्की पिचिंग बनाए जाने की मांग को लेकर शनिवार को देवहा नदी के पास एकत्र होकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बाद में केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद को भेजे पत्र में कहा है कि 2025 में आई बाढ़ के कारण देवहा के किनारे कच्ची पिचिंग कराई गई थी जो क्षतिग्रस्त एवं ध्वस्त हो गयी है। गांव में तीव्रगति से कटान प्रारंभ हो गया है। जिससे ग्रामीणों की कृषि भूमि आवासीय क्षेत्र को गंभीर खतरा बना हुआ है। प्रदर्शन करने वालों में इंद्रपाल, फिरासत, ओमकार, महेंद्रपाल, बैजपाल, अवधेश कुमार सहित कई ग्रामीण शामिल थे।

इनर व्हील क्लब ने दो मरीजों का कराया डायलिसिस

डायलिसिस के बाद इनर व्हील क्लब की टीम मरीज को देखने पहुंची। –जागरण मोर्चा

जागरण मोर्चा कार्यालय

बीसलपुर। इनर व्हील क्लब द्वारा बरेली मिशन हॉस्पिटल में दो मरीजों की डायलिसिस कराई गई। मिशन हॉस्पिटल के डॉ नितिन शर्मा द्वारा मुरादाबाद के अनुराग व रामपुर की मीना देवी की डायलिसिस की गई, जिसका पूरा व्यय इनर व्हील क्लब बीसलपुर इकाई द्वारा उठाया गया। यह कार्य इनर व्हील द्वारा चलाए जा रहे वन क्लब-वन डायलिसिस प्रोग्राम के तहत आर्थिक रूप से अक्षम मरीजों की सहायता हेतु कराया गया। इस मौके पर क्लब की सीजीआर वंदिता शर्मा, अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य सभी सदस्य मौजूद थे। क्लब की नगर इकाई की चार्टर अध्यक्ष मनीषा अग्रवाल द्वारा बताया गया कि आगामी माह में एक क्लब-एक पहचान कार्यक्रम के तहत नगर के शिवदेई बालिका विद्यालय में एक 'महिला सुलभ शौचालय' का निर्माण कराया जाएगा।

कासगंज-ऐशबाग एक्सप्रेस ट्रेन का आज होगा शुभारंभ

पूरनपुर। लंबे समय से क्षेत्रवासियों को जिस रेल सुविधा का इंतजार था। वह अब पूरा होने जा रहा है। 26 जुलाई (आज) पूरनपुर रेलवे स्टेशन से कासगंज-ऐशबाग (लखनऊ) एक्सप्रेस ट्रेन का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। पूरनपुर रेलवे स्टेशन पर रविवार को उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री और जिले के सांसद जितिन प्रसाद पहुंचेंगे, वह हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना करेंगे। कार्यक्रम को लेकर रेलवे प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और स्टेशन परिसर को आकर्षक रूप देने का कार्य पूरा कर लिया गया। ट्रेन के शुभारंभ को लेकर शनिवार को रेलवे स्टेशन पर पूरे दिन तैयारियां चलती रहीं। स्टेशन भवन की रंगाई-पुताई, साफ-सफाई और प्लेटफॉर्म की साज-सज्जा का कार्य युद्धस्तर पर कराया गया।

बदायूं में अधिवक्ता महा सम्मेलन, अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की उठी जोरदार मांग

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। संयुक्त बार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में शनिवार को जनपद बदायूं में अधिवक्ता महा सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता वेदपाल सिंह एडवोकेट ने की, जबकि संचालन संदीप मिश्रा द्वारा किया गया। सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए अधिवक्ताओं ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग कर अधिवक्ता समाज से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

महासम्मेलन में अधिवक्ताओं की सबसे प्रमुख मांग अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट को तत्काल प्रभाव से लागू करने की रही। वक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा, सम्मान और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही न्यायिक व्यवस्था में अधिवक्ताओं की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने पर भी जोर दिया गया।सम्मेलन में उपस्थित अधिवक्ताओं ने एकजुटता का परिचय देते हुए अधिवक्ता हितों की रक्षा के लिए सामूहिक संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। अंत में अधिवक्ता समाज की एकता और अधिकारों की सुरक्षा के संकल्प के साथ सम्मेलन का समापन हुआ।महासम्मेलन में जनपद पीलीभीत से भी बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने भागीदारी की। जिला संयुक्त बार एसोसिएशन पीलीभीत के अध्यक्ष राजीव अवस्थी, महासचिव विद्याराम वर्मा, पूर्व महासचिव सिविल बार मोहन गिरी गोस्वामी, सेंट्रल बार एसोसिएशन के सचिव विमल कुमार सिंह, सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आलोक नगाइच, महासचिव मोहन स्वरूप गंगवार सहित सुधीर मिश्रा, राजेश्वर प्रसाद वर्मा, मुकेश उपाध्याय, सुवनेश पाठक, उमाकांत मिश्रा और कमलेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। वहीं तहसील बार बीसलपुर के अध्यक्ष राजेश मिश्रा, महासचिव सुबोध मिश्रा, सुनील सक्सेना तथा महासचिव सुरेंद्र सिंह ने भी सम्मेलन में सहभागिता की।सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए अधिवक्ताओं की व्यापक उपस्थिति ने अधिवक्ता एकता और उनके अधिकारों के प्रति बढ़ती जागरूकता का स्पष्ट संदेश दिया।

मामला

विधायक ने वनमंत्री को कराया अबगत, परिवार से मि

रहस्यमय ढंग से लापता हुई सात साल की मासूम का नहीं लगा सुराग, जंगल में तलाश जारी

जागरण मोर्चा कार्यालय

मौके पर मौजूद विधायक व परिवार से मिलते विधायक व अधिकारी। –जागरण मोर्चा

पूरनपुर। सात वर्षीय मासूम बालिका के रहस्यमय ढंग से लापता हो जाने की घटना से पूरे क्षेत्र में खलवली मची हुई। पुलिस, वन विभाग, डॉग स्क्वायड और सैकड़ों ग्रामीण लगातार जंगल एवं आसपास के क्षेत्रों में सघन सर्च अभियान चला रहे हैं।विधायक वावूराम पासबान ने पहुंच कर बनमंत्री को अबगत कराया। लेकिन समाचार लिखे जाने तक बालिका का कोई सुराग नहीं मिल सका था। कोतवाली क्षेत्र के गांव जटपुरा निवासी गोधनलाल पासवान की लगभग सात वर्षीय पुत्री गुरुबार को अपनी मां मीरा देवी के पास गई थी। जिसको जाते हुए लोगों ने देखा था। बालिका रहस्यमय तरीके से लापता हो गई। काफी देर तक जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। पहले परिजनों और ग्रामीणों ने गांव, खेतों, बागों और आसपास के इलाकों में खोजबीन की, लेकिन कहीं भी उसका पता नहीं चला। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस और वन विभाग को दी गई। गांव जंगल से सटा होने के कारण ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से जंगल के आसपास किसी बड़े जंगली जानवर के दिखाई देने की चर्चाएं चल रही थीं। इसी कारण लोगों में तरह-तरह की आशंकाएं बनी हुई हैं। हालांकि पुलिस और वन विभाग की ओर से अभी तक किसी जंगली जानवर की संलिप्तता की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। भाजपा विधायक वावूराम पासबान जटपुरा पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी गंभीरता के साथ बालिका की तलाश में जुटा हुआ है और जल्द से जल्द उसका पता लगाने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

> सूचना पर मौके पर जाकर परिवार से बार्ता की है। घटना के बारे में वनमंत्री को अवगत कराया गया है। साथ ही पुलिस अधीक्षक से भी बात की गई है। जल्द ही बालिका को तलाश लिया जाएगा। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।
>
> –वावूराम पासबान, भाजपा विधायक, पूरनपुर

भाजपा विधायक वावूराम पासबान ने मौके से ही प्रदेश के वन मंत्री अरुण सक्सेना से दूरभाष पर वार्ता कर जंगल से सटे गांवों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि जटपुरा सहित आसपास के कई गांव जंगल की सीमा से लगे हुए हैं। जिससे ग्रामीणों में हमेशा भय का वातावरण बना रहता है। उन्होंने वन मंत्री से जंगल की सीमा पर तार फेंसिंग कराए जाने की मांग की। बताया गया कि वन मंत्री ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया और अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने की बात कही। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव से भी दूरभाष पर वार्ता कर मामले की गंभीरता से जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर डॉग स्क्वायड को मौके पर बुलाया गया,पुलिस, डॉग स्क्वायड और वन विभाग की संयुक्त टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर तलाश के लिए सर्च अभियान शुरू किया। सर्च अभियान में वन विभाग के रेंजर, वनकर्मी, पुलिस विभाग के लगभग 50 जवान तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे। समाचार लिखे जाने तक बालिका का कोई सुराग नही लग सका था।

जोस बटलर ने क्रिस गेल को छोड़ दिया पीछे

T20 में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने गुरुवार (23 जुलाई) को रिकॉर्ड बुक में अपना नाम और दर्ज करा लिया। वह क्रिस गेल को पीछे छोड़कर लॉर्ड्स में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स और लंदन स्पिरिट के बीच द हंड्रेड 2026 के मैच में टी20 में दूसरे सबसे

ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। हालांकि, बटलर ने 11 गेंदों पर सिर्फ 16 रन बनाए। इसमें एक चौका और एक छक्का शामिल था। जोस बटलर के अब 487 टी20 पारियों में 146.74 के स्ट्राइक रेट से 14,572 रन हैं। उन्होंने 102 अर्धशतक और 9 शतक शामिल हैं। गेल को इसी साल कीरोन पोलार्ड ने पीछे छोड़ा था और टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए थे। गेल के 455 पारियों में 14,562 रन हैं। वह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं।

पोलार्ड से 231 रन पीछे बटलर

वेस्टइंडीज के पूर्व ओपनर गेल ने 144.75 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इसमें 88 अर्धशतक और 22 शतक शामिल हैं।वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड 663 पारियों में 151.02 के स्ट्राइक रेट से 14,803 रन बनाकर शीर्ष पर बने हुए हैं। उन्होंने 70 अर्धशतक और दो शतक लगाए हैं। बटलर अब शीर्ष पर पहुंचने से सिर्फ 231 रन पीछे हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत की जीत से शुरुआत

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पहले दिन भारतीय खिलाड़ियों ने लॉन बॉल्स में जीत से शुरुआत की है। अब दूसरे राउंड का मैच शुक्रवार को दूसरे दिन होगा। पहले दिन पुतुल सोनोवाल ने लॉन बॉल्स पुरुष एकल स्पर्धा में कनाडा के 2023 विश्व चैंपियन रयान बेस्टर को टाई-ब्रेक में हराकर बड़ा उलटफेर किया जिससे भारत ने गुरुवार को विजयी आगाज किया। वहीं रूपा रानी टिर्की और पिंकी ने महिला पेयर्स बॉल्स स्पर्धा में माल्टा को रोमांचक टाई-ब्रेक में हरा दिया।

जापान ओपन में इतिहास रचने के बाद

हारी पीवी सिंधु

नहीं लांघ पाईं 'चीनी दीवार'

टोक्यो(एजेंसी)। जापान ओपन सुपर 1000 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु चाइना ओपन में अपना विजयी अभियान जारी नहीं रख पाईं। दूसरे दौर में उन्हें मेजबान चीन की चेन युफेई के खिलाफ 21-16, 20-22, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

पीवी सिंधु दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं। इसके बाद युफेई ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का चाइना ओपन सुपर 1000 में सफर दूसरे दौर में ही समाप्त हो गया।

शानदार शुरुआत, पहले गेम में की दमदार वापसी- पीवी सिंधु के लिए मुकाबले की शुरुआत आसान नहीं रही। वह पहले गेम में 6-12 से पीछे चल रही थीं। ऐसा लग रहा था कि चेन युफेई आसानी से बढ़त बना लेंगी, लेकिन कोच इरवांश्या के मार्गदर्शन के बाद पीवी सिंधु ने अपनी रणनीति बदली और लगातार क्रॉस-कोर्ट शॉट्स से चीनी खिलाड़ी को कोर्ट के एक छोर से दूसरे छोर तक दौड़ाया।

● **दूसरे गेम में 4 मैच पॉइंट भी नहीं दिला सके जीत-** दूसरे गेम में भी पीवी सिंधु पूरे समय हावी रहीं। उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और एक समय स्कोर 20-16 कर लिया। यानी उनके पास मुकाबला खत्म करने के लिए चार मैच पॉइंट थे, लेकिन यहीं से मैच का रुख बदल गया। ओलंपिक चैंपियन रह चुकीं चेन युफेई ने जबरदस्त धैर्य दिखाया और लगातार छह अंक जीतकर गेम 22-20 से नाम कर लिया। इस दौरान पीवी सिंधु ने कुछ जल्दबाजी भरे फैसले किये और दो बार शटल को बाहर समझकर छोड़ दिया, लेकिन वह लाइन के अंदर गिरी।

● **निर्णायक गेम में 15-13 की बढ़त भी नहीं बचा सकीं-** निर्णायक गेम में भी पीवी सिंधु ने हार नहीं मानी। पीवी सिंधु ने 15-13 तक बढ़त बना ली थी और जीत की ओर बढ़ती दिख रही थीं। हालांकि, लगातार सातवां मैच खेल रही पीवी सिंधु पर थकान साफ दिखाई देने लगी। पीवी सिंधु के स्मैश में पहले जैसी ताकत नहीं रही और कई आक्रमण नेट में फंस गए। दूसरी ओर, घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रहीं चेन युफेई ने आत्मविश्वास के साथ वापसी की और लगातार अंक जुटाते हुए तीसरा गेम 21-18 से जीत लिया।

● **सुधार की जरूरत भी आई सामने-** इस मुकाबले ने यह भी दिखाया कि पीवी सिंधु का आक्रामक खेल अब भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनौती देने की क्षमता रखता है। हालांकि, मैच खत्म करने के अहम मौकों पर संयम बनाए रखना उनके लिए अभी बड़ी चुनौती है। चार मैच पॉइंट हासिल करने के बाद मिली यह हार पीवी सिंधु के लिए निराशाजनक जरूर रही, लेकिन जापान ओपन के खिताब और चाइना ओपन में चेन युफेई जैसी मजबूत खिलाड़ी के खिलाफ उनके प्रदर्शन ने यह संकेत भी दिया कि वह फिर अपनी सर्वश्रेष्ठ लय की ओर लौट रही हैं।

थकान भी बनी हार की बड़ी वजह

पिछले सप्ताह जापान ओपन का खिताब जीतने के बाद यह पीवी सिंधु का 10 दिनों में सातवां मुकाबला था। पूरे मैच में पीवी सिंधु ने शानदार संघर्ष किया, लेकिन निर्णायक क्षणों में थकान उनके खेल पर हावी होती दिखी। लंबे रैलियों के दौरान उनकी गति और स्मैश की ताकत दोनों प्रभावित हुई। चीनी शटलर युफेई ने इसका पूरा फायदा उठाया।

भारत ने जीता पहला टी20, वैभव नहीं मयंक बने मैच के हीरो

अय्यर की कप्तानी में पहली जीत

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पहले सात में से छह मैच हारने के बाद पहली जीत दर्ज कर ली है। जिम्बाब्वे दौरे पर टीम इंडिया ने जीत से आगाज किया है। तीन मैचों की टी20 सीरीज में इसी के साथ भारत ने 1-0 की बढ़त भी बना ली है। वैभव सूर्यवंशी ने इस मुकाबले में 18 गेंद पर अर्धशतक जड़ा और जमकर महफिल लूटी। मगर वह प्लेयर ऑफ द मैच नहीं बन पाए। वैभव सूर्यवंशी ने 19 गेंद की पारी में चार चौके और चार छक्के लगाए। मगर 21 महीने बाद भारतीय टीम में लौटे मयंक यादव ने बेहतरीन गेंदबाजी से सबका दिल जीता। उन्होंने 4 ओवर में 18 रन देकर दो विकेट लिए और उन्हें ही प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। श्रेयस अय्यर की भी बतौर कप्तान यह पहली टी20 इंटरनेशनल जीत है। यह भारतीय टीम का टी20 इंटरनेशनल में बिना जीत के लगातार सबसे ज्यादा मैच हारने का अनचाहा रिकॉर्ड भी है। साथ ही टीम इंडिया का टी20 इंटरनेशनल में 120 प्लस का लक्ष्य चेज करते हुए सबसे ज्यादा गेंद बची रहने के लिहाज से चौथा सर्वश्रेष्ठ रन चेज है। वहीं श्रेयस अय्यर ने लगातार आठ टी20 इंटरनेशनल मैचों में टॉस जीतते हुए भी खास रिकॉर्ड बनाया।

भारत की 7 विकेट से शानदार जीत

भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच हरारे में खेला गया। भारत ने 13.2 ओवर में 3 विकेट खोकर ही 126 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। जिम्बाब्वे की टीम ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 125 रन बनाए थे। वेस्ली मधेवेरे 39 और मरुमानी ने 27 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारत के लिए प्रिंस यादव और मयंक यादव को 2-2 विकेट मिले। जबकि रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। बल्लेबाजी में वैभव के 50 रन के अलावा इशान किशन ने 35 रन बनाए और कप्तान श्रेयस अय्यर 28 रन बनाकर नाबाद रहे।

120+ लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की सबसे बड़ी जीत (बची हुई गेंद के लिहाज से)

● 60 गेंद बाकी : बनाम न्यूजीलैंड, गुवाहाटी, 2026 (लक्ष्य : 154) ● 49 गेंद बाकी : बनाम बांग्लादेश, ग्वालियर, 2024 (लक्ष्य : 128) ● 43 गेंद बाकी : बनाम इंग्लैंड, कोलकाता, 2025 (लक्ष्य : 133) ● 40 गेंद बाकी : बनाम जिम्बाब्वे, हरारे, 2026 (लक्ष्य :126)

2030 तक निर्यात 115 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद, जानिए लाखों रोजगार का रास्ता कैसे होगा साफ

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच लागू हुआ मुक्त व्यापार समझौता (एफ.टी.ए.) भारतीय निर्यात के लिए एक बड़ा अवसर लेकर आया है। उद्योग निकाय एसोचैम ने अपने एक अध्ययन में यह महत्वपूर्ण जानकारी दी है। इस समझौते के प्रभावी होने से 2030 तक ब्रिटेन को भारत का निर्यात 115 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है।

यह ऐतिहासिक समझौता इसी साल 15 जुलाई को आधिकारिक तौर पर लागू किया गया, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत हुए हैं। एसोचैम की रिपोर्ट बताती है कि कुल व्यापार का मार्ग भी तेजी से बढ़ेगा। यह 2025-26 में अनुमानित 58 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक 115 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। इस व्यापारिक विस्तार से देश में 7 से 10 लाख नए रोजगार के अवसर पैदा होने की भी प्रबल संभावना है। यह आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो भारत की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा।

भारत के लिए इस विशाल क्षमता को पूरी तरह से साकार करना एक महत्वपूर्ण चुनौती होगी। इसके लिए भारतीय व्यवसायों को अपनी निरंतर प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्हें उत्पादों की गुणवत्ता के उच्च मानकों को हर हाल में पूरा करना होगा।

साथ ही, विभिन्न प्रमाणन आवश्यकताओं का भी सख्ती से पालन करना सुनिश्चित करना होगा। मूल नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना भी अनिवार्य होगा, ताकि व्यापार में कोई बाधा न आए। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय स्थिरता मानकों को पूरा करना भी भारतीय उद्योगों के लिए आवश्यक होगा, जो वैश्विक बाजार में उनकी स्वीकार्यता बढ़ाएगा।

एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा ने इस दिशा में कुछ प्रमुख कारकों पर प्रकाश डाला है। उन्होंने बताया कि कारोबार सुगमता में सुधार के लिए किए गए सुधार महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे में निरंतर निवेश करना भी आवश्यक होगा, जिससे व्यापारिक गतिविधियां सुगम होंगी। एक मजबूत और कुशल आपूर्ति श्रृंखला का विकास भी सफलता की कुंजी होगा, जो उत्पादों को समय पर पहुंचाने में मदद करेगा। इन सभी मानदंडों को सफलतापूर्वक पूरा करके ही भारत इस समझौते का अधिकतम लाभ उठा पाएगा और अपनी निर्यात क्षमता बढ़ा सकेगा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
जागरण मोर्चा
क्लासीफाइड
*नियम एवं शर्तें लागू
विज्ञापन दर
रू. 500/*- Size 40 Sqcm (Colour)
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
7579849555, 9627739857, 9997745413

जबरन श्रम का हवाला देकर लगे शुल्क में भारत को राहत, केवल 10 फीसदी टैरिफ दायरे में 55 फीसदी निर्यात

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। अमेरिका ने जबरन श्रम से जुड़ी चिंताओं का हवाला देकर भारत पर टैरिफ लगाने का एलान किया है। हालांकि, इसे 10 प्रतिशत की कम टैरिफ वाली श्रेणी में रखा गया है। ऐसा होने से भारत के लगभग 55 फीसदी निर्यात पर 10 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगेगा। सरकार ने दावा किया है कि उनक प्रयासों से हमारा देश 45 फीसदी निर्यात के दायरे से बाहर रहा। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

अमेरिका ने कथित जबरन श्रम चिंताओं पर भारत को कम टैरिफ वाली श्रेणी में रखा है। भारत सरकार के लगातार प्रयासों के कारण यह अतिरिक्त शुल्क 12.5 फीसदी के बजाय 10 फीसदी तय हुआ है। संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने 23 जुलाई को अंतिम उपाय घोषित किए थे। ये उपाय अमेरिकी व्यापार अधिनियम, 1974 की धारा 301 के तहत लागू किए गए हैं। इन उपायों से भारतीय निर्यातकों को कुछ राहत मिली है।

वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारत के निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इस अतिरिक्त शुल्क के दायरे से बाहर रखा गया है। यूएसटीआर ने 60 अर्थव्यवस्थाओं की नीतियों और प्रथाओं की जांच की थी। इन अर्थव्यवस्थाओं में भारत भी शामिल था। जांच जबरन श्रम से उत्पादित वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाने से संबंधित थी। भारत ने जांच के दौरान यूएसटीआर के साथ विस्तृत लिखित प्रस्तुतियां दीं। व्यक्तिगत परामर्श के माध्यम से भी लगातार संपर्क बनाए रखा। सार्वजनिक सुनवाई में भी भारत ने अपनी बात रखी थी। इन निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत को कम टैरिफ श्रेणी में रखा गया है। इससे प्रमुख क्षेत्रों में भारतीय निर्यात को एक सापेक्ष लाभ मिलेगा।

संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि ने अमेरिकी व्यापार अधिनियम, 1974 की धारा 301 के तहत ये अंतिम उपाय लागू किए हैं। ये उपाय उन देशों की नीतियों और प्रथाओं की जांच के बाद आए हैं। इन पर जबरन श्रम से उत्पादित वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाने और लागू करने से संबंधित आरोप थे। वरळफ ने भारत से आयात पर 10 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। यह शुल्क पहले प्रस्तावित 12.5 फीसदी से कम है। भारत के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप यह कम दर हासिल हुई है। इस कम दर से प्रमुख क्षेत्रों में भारतीय निर्यात को एक सापेक्ष लाभ मिलेगा।

भारत के निर्यात का एक बड़ा हिस्सा अतिरिक्त 10 फीसदी शुल्क के दायरे से बाहर रखा गया है। इसमें जेनेरिक फार्मास्यूटिकल्स, स्मार्टफोन और कुछ अन्य विशिष्ट उत्पाद शामिल हैं। इन उत्पादों पर वर्तमान में कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगता है। इसके अलावा, धारा 232 उपायों के तहत पहले से कवर किए गए उत्पाद भी इस अतिरिक्त 10 फीसदी शुल्क के अधीन नहीं हैं। इनमें स्टील, एल्यूमीनियम और ऑटो पार्ट्स जैसे महत्वपूर्ण उत्पाद शामिल हैं। धारा 232 शुल्क सीमित अपवादों के साथ सभी देशों पर व्यापक रूप से लागू होते हैं। इन छूटों के कारण भारत के अनुमानित 45 फीसदी निर्यात अमेरिका को अतिरिक्त 10 फीसदी धारा 301 शुल्क के दायरे से बाहर रहेंगे।

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारत के शेष 55 फीसदी निर्यात पर अतिरिक्त 10 फीसदी शुल्क लगेगा। इस श्रेणी में भारत की टैरिफ दर जांच में शामिल अधिकांश अन्य अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अपेक्षाकृत कम है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि अंतिम उपायों में संदर्भित कपड़ा-विशिष्ट तंत्र अभी तक स्थापित और चालू नहीं हुआ है। भारत इस मामले पर अमेरिका के साथ लगातार बातचीत कर रहा है।

जागरण मोर्चा राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वामी, किरन दीक्षित के लिए प्रकाशक, मुद्रक, मनोज कुमार दीक्षित द्वारा लक्ष्य प्रिन्टर्स 158/4 भानमती चौराह मॉडल हाउस हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र0) से मुद्रित एवं मीडिया हाउस 20ए शिवाजी मार्ग हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र) से प्रकाशित। सम्पादक योगेश कुमार वर्मा मो0-7579849555, 9627739857 E-mail: www.jagranmorchadaily@gmail.com RNI No.-UPHIN/2022/82743 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।